THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन का प्लान तैयार

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा में कई मील के पत्थर पार करने के बाद अंतरिक्ष में स्थायी तौर पर स्थापित होने वाले भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के मूल ढांचे के विकास पर काम शुरू कर दिया है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाना है। इसरो की अंतरिक्ष यात्रा में यह बहुत ही महत्वाकांक्षी मिशन है। अभी तक इसरो कम समय के लिए अंतरिक्ष में अपनी मौजूदगी बनाता रहा है। लेकिन भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के माध्यम से देश को अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना मिल जाएगा, जहां रहकर अंतरिक्ष वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्री तरह-तरह के शोध कर सकेंगे।

वर्ष-30 अंक : 299 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **माघ शु.7, 2082 रविवार, 25 जनवरी-2026**

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

18वां रोजगार मेला-61 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को नए अवसर मिले : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने शनिवार को वर्चुअली 18वें रोजगार मेले में युवाओं को 61 हजार जॉब लेटर बांटे। ये नियुक्ति गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में की गई है। रोजगार मेले का आयोजन देश के 45 जगहों पर किया जा रहा है।

पीएम ने वर्चुअली संबोधन में कहा कि युवाओं को नए अवसर मिलें, ये हमारा प्रयास है। देशभर के स्टार्टअप में महिलाएं आगे हैं। कई स्टार्टअप में तो वे हेड हैं। महिला स्वरोजगार की दर में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछला रोजगार मेला 24 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 11 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है। सरकारी भर्तियों को भी कैसे मिशन मोड पर किया जाए इसलिए रोजगार मेले की शुरूआत की गई। रोजगार मेला एक इंस्टिट्यूशन बन गया है। भारत की युवा शक्ति के लिए नए अवसर बने ये हमारा प्रयास है। हम कई ट्रेड एग्रीमेंट कर रहे हैं। इससे अनेकों अवसर आने वाले हैं। आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर हैं। गावों के कई रोजगार में महिलाएं हेड कर रही हैं।

आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर

भारत पर दुनिया को भरोसा

भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का दायरा बढ़ रहा है। देश में दो लाख रजिस्टर्ड स्टार्टअप में 21 लाख युवा काम कर रहे हैं। भारत की इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। आज भारत पर जिस तरह दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है इससे अनेकों संभावनाएं पैदा हो रही हैं। 2025 में टू व्हीलर की बिक्री दो करोड़ के पार पहुंच गई।

खुद को हमेशा अपग्रेड करें

आपको एक और बात याद रखनी है। तेजी से बदले टेक के इस दौर में देश की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। आपको खुद को लगातार अपग्रेड करना है। आईगॉट ऐप का उपयोग करें। इससे कई लोग खुद को ट्रेन कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में 17वें रोजगार मेले में जॉब लेटर बांटते हुए पीएम ने कहा, आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। हम भारत की युवा क्षमता को एक बड़ी ताकत मानते हैं। हम हर क्षेत्र में इसी दृष्टिकोण और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारी विदेश नीति भी भारत के युवाओं के हितों पर केंद्रित है। युवाओं के लिए एक और बड़ा कदम है प्रतिभा सेतु पोर्टल।

'बेटियां हमारा स्वाभिमान हैं, ये अनमोल-संवेदनशील और सशक्त'

> राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फोटो शेयर कहा कि बेटियां हमारा स्वाभिमान हैं। साथ ही उन्होंने कहा, हम सभी की जिम्मेदारी है कि उनके लिए एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य तैयार करें- आधी आबादी को उनका पूरा हक दिलाएं।

शनिवार को राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि बेटियां हमारा स्वाभिमान हैं- अनमोल, संवेदनशील और सशक्त हैं। आंखों में कल के सपने और वर्तमान को संवारने का साहस लिए वे आगे बढ़ती हैं। उन्होंने आधी आबादी को उनका पूरा हक दिलाने की बात करते हुए कहा कि, हम सभी की जिम्मेदारी है कि उनके लिए एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य तैयार करें- आधी आबादी को उनका पूरा हक दिलाएं।

अमित शाह बोले- बेटियां हमारी ताकत

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस यह दिखाता है कि लड़कियां सिर्फ हमारी जिम्मेदारी नहीं हैं, बल्कि हमारी ताकत हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, सभी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' की शुभकामनाएं। राष्ट्रीय बालिका दिवस इस बात का प्रतीक है कि लड़कियां सिर्फ हमारी जिम्मेदारी नहीं हैं, बल्कि सच्ची ताकत हैं। रानी लक्ष्मीबाई, रानी वेलु नचियार, मूला गभरू और प्रीतिलता वाडेदार के शानदार उदाहरण हर भारतीय के दिल को गर्व और प्रेरणा से भर देते हैं।

'लोकतांत्रिक भागीदारी पर खतरा'

कोलकाता, 24 जनवरी (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास 'बहुत जल्दबाजी' में किया जा रहा है और आने वाले विधानसभा चुनावों में लोकतांत्रिक भागीदारी को खतरे में डाल सकता है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ने (92 वर्षीय) कहा कि मतदाता सूची की समीक्षा का लोकतांत्रिक महत्व होता है और इसे मतदान के अधिकार को मजबूत करने के लिए सावधानीपूर्वक और पर्याप्त समय लेकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बंगाल में यह प्रक्रिया कम समय और बिना उचित तैयारी के की जा रही है। सेन ने कहा, पूरी तरह से और सावधानीपूर्वक की गई मतदाता सूची की समीक्षा एक अच्छा लोकतांत्रिक तरीका हो सकता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है। अमर्त्य सेन ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया जल्दबाजी में की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को अपना मताधिकार साबित करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है। उन्होंने इसे मतदाताओं के खिलाफ अन्याय और भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुचित बताया। सेन ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि चुनाव अधिकारियों पर भी समय का दबाव था।

'2027 में भी बने यूपी में डबल इंजन की सरकार'

सीएम योगी ने खूब काम किया, अमित शाह ने ठोकी पीठ

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर यूपी महोत्सव का आगाज हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लेने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लखनऊ पहुंचे। यूपी दिवस समारोह का आयोजन 24-26 जनवरी तक हो रहा है।

यूपी दिवस समारोह का उद्घाटन अमित शाह ने किया। इससे पहले एयरपोर्ट पर सीएम योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक और अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद अमित शाह राष्ट्र प्रेरणा स्थल पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने यूपी चुनाव 2027 का शंखनाद कर दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल से यूपी चुनाव 2027 को लेकर भाजपा के अभियान का आगाज एक प्रकार से कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं इस मंच से प्रदेश के लोगों से 2027 में एक बार फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान करता हूं। साथ ही, सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की उन्होंने जमकर तारीफ की। अमित शाह ने कहा कि केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी और प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ शानदार काम कर रहे हैं। यूपी विकास की राह पर बढ़ा है। प्रदेश में लगातार विकास कार्यों को गति दी गई है। एक्सप्रेसवे से लेकर एयरपोर्ट तक के निर्माण हो रहे हैं। जल्द ही प्रदेश पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला राज्य बन जाएगा। अमित शाह ने कहा कि अयोध्या में पांच शताब्दियों के बाद भव्य श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हो गया है। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का शानदार आयोजन कराया गया।

सीजेआई की पीठ ने आरक्षण के मामले में दिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़े फैसले में राज्य बार काउंसिल और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चुनावों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) अधिवक्ताओं के लिए सीटें आरक्षित करने के निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के आरक्षण को न्यायालय द्वारा जारी परमादेश के बजाय अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में विधायी संशोधन के माध्यम से ही लागू किया जा सकता है। इसी के साथ पीठ ने यह मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने पेशेवर निकायों के भीतर सकारात्मक कार्रवाई से संबंधित मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाओं को रेखांकित किया। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला यूनिवर्सल डॉ. अंबेडकर एडवोकेट्स एसोसिएशन द्वारा दायर एक रिट याचिका के जवाब में आया, जिसमें अधिनियम की धारा 3(2)(ख) के तहत हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व या उपयुक्त कानून बनने तक अंतरिम उपाय जैसे सीट आरक्षण की मांग की गई थी।

'ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान के लिए नहीं मांगूंगा माफी'

> शशि थरूर बोले-कभी नहीं छोड़ा पार्टी का रुख

कोझिकोड (केरल), 24 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं।

थरूर को लेकर क्या अटकलें लगाई जा रहीं?

उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं। अपने रुख को स्पष्ट करते हुए थरूर ने कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था। उस लेख में उन्होंने कहा था कि बिना सजा दिए इस मामले को नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इसके जवाब में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। शशि थरूर ने कहा कि भारत का मुख्य ध्यान विकास पर है और उसे पाकिस्तान के साथ लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष में नहीं फंसना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के भाई के घर तैनात पुलिसकर्मी को जेल

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अहमदाबाद की एक मजिस्ट्रियल कोर्ट ने एक पुलिस कांस्टेबल को गुजरात निषेध अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया और सजा सुनाई है। वह 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े भाई सोमभाई मोदी के आवास पर सुरक्षा ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में पाया गया था। अदालत ने लक्ष्मणसिंह परमार को एक साल के साधारण कारावास और 1000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (अहमदाबाद रूरल) पीके पंड्या की अदालत ने इस संबंध में 21 जनवरी को फैसला सुनाया। अब पूरे मामले की बात करें तो यह नवंबर 2016 का है। उस वक्त परमार अहमदाबाद में रानीप इलाके में सोमाभाई के आवास पर सिक्योरिटी ड्यूटी में तैनात था।

इस मामले में शिकायतकर्ता आरएस तोमर उस समय शाहिबाग इलाके में पुलिस हेडक्वार्टर में पुलिस इंस्पेक्टर थे। 15 नवंबर 2016 को तोमर अचानक निरीक्षण के लिए सोमाभाई के आवास पर गए, जहां परमार नशे की हालत में पाया गया। तोमर कांस्टेबल को रानीप पुलिस स्टेशन ले गया और उसके खिलाफ निषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कराई। कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया और जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके बाद उस पर आपराधिक मुकदमा चलाया गया। मामले की सुनवाई के दौरान, अदालत ने 12 गवाहों और अलग-अलग दस्तावेजों की जांच की।

'किसी को भी हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं'

> राज्यपाल से विवाद पर भड़के सीएम स्टालिन

चेन्नई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि राज्यपाल आरएन रवि विधानसभा के संयुक्त सत्र में कैबिनेट द्वारा मंजूर भाषण को न पढ़कर गवर्नर पद का अपमान कर रहे हैं।

शनिवार को तमिलनाडु विधानसभा में सीएम स्टालिन ने राज्यपाल की आलोचना की। हाल ही में तमिलनाडु विधानसभा के संयुक्त सत्र की शुरूआत में राष्ट्रगान न बजाए जाने पर राज्यपाल सत्र को संबोधित किए बिना ही सदन से चले गए थे, जिसे लेकर खूब विवाद हुआ। शनिवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए सीएम स्टालिन ने कहा, राज्यपाल, सरकार के खिलाफ काम कर रहे हैं। वे बार-बार एक ही मुद्दे पर आपत्ति जताकर सदन से चले जाते हैं। मेरे मन में देश और राष्ट्रगान के प्रति गहरा सम्मान है। किसी को भी हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है। विधानसभा सत्र की शुरूआत में तमिल थाई वझाथु गाने की परंपरा रही है और सत्र के अंत में राष्ट्रगान गाया जाता है।

सीएम ने कहा, द्रविड़ियन मॉडल की सरकार की उपलब्धियों के चलते तमिलनाडु का सिर ऊंचा है। तमिलनाडु अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा विकसित हुआ है। इसका कारण हमारी योजनाएं हैं। एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल करना डीएमके सरकार की पहचान है। राज्यपाल को लेकर सीएम ने कहा, मैं ये संकट झेल रहा हूं, लेकिन मेरे पहले के मुख्यमंत्रियों सीएन अन्नादुरई, एम करुणानिधि, एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता आदि ने इस संकट को नहीं झेला था। राज्यपाल कैबिनेट द्वारा मंजूर भाषण को न पढ़कर और सत्र की शुरूआत में राष्ट्रगान गाए जाने की जिद करके अपने पद का अपमान कर रहे हैं।

हनुमान चालीसा पढ़ती रही महिला, डॉक्टरों ने सिर खोलकर दिमाग से निकाला ट्यूमर; बिना बेहोशी के हुआ ऑपरेशन

जालंधर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पटेल अस्पताल के डॉक्टरों ने जटिल और दुर्लभ दिमाग की सर्जरी सफलतापूर्वक कर नवांशहर की 42 साल की महिला मरीज की बोलने और समझने की शक्ति को पूरी तरह से सुरक्षित किया। न्यूरो और स्पाइन सर्जन डॉ। मनबचन सिंह ने बताया कि मरीज के दिमाग में ट्यूमर था, जो उस हिस्से में था जिससे इंसान बोलता और भाषा समझता है। अगर इस जगह को थोड़ा भी नुकसान पहुंचता, तो मरीज हमेशा के लिए बोलने की शक्ति खो सकता था। अगर यह ऑपरेशन मरीज को पूरी तरह बेहोश करके किया जाता, तो सर्जरी के दौरान यह पता नहीं चल पाता कि मरीज ठीक से बोल पा रही है या नहीं। इससे बोलने की शक्ति जाने का खतरा बहुत ज्यादा था। इस खतरे को कम करने के लिए टीम ने अवेक ब्रेन सर्जरी की।

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर सुनवाई टली 26 फरवरी को अगली तारीख

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मामले में शनिवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 26 फरवरी को होगी। मामले की सुनवाई के दौरान ईडी ने कोर्ट से चार्जशीट से जुड़े कुछ आवश्यक कागजात जमा करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए ईडी को कड़ी फटकार लगाई और स्पष्ट किया कि यह कागजात जमा करने के लिए एजेंसी को आखिरी मौका दिया जा रहा है। यह चार्जशीट ब्रिटेन के डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर की गई है। इस केस के तहत विदेशी संपत्तियों और कथित अवैध वित्तीय लेन-देन से जुड़े पुराने आरोपों की एक बार फिर से गहन जांच शुरू की गई है।

ईडी के अनुसार, रॉबर्ट वाड्रा का नाम संजय भंडारी से जुड़ी विदेशी संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन के संदर्भ में सामने आया है। एजेंसी का आरोप है कि इन लेन-देन में मनी लॉन्ड्रिंग के तत्व मौजूद हैं, जिसकी जांच मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय की जांच 2016 में संजय भंडारी पर हुई इनकम टैक्स की छापेमारी की एक श्रृंखला से शुरू हुई, जिसमें कथित तौर पर ऐसे ईमेल और दस्तावेज मिले थे। ईडी ने दावा किया कि ये सबूत रॉबर्ट वाड्रा और उनके सहयोगियों के साथ उसके संबंधों की ओर इशारा करते थे। ईडी ने अपनी जांच पूरी करने के बाद रॉबर्ट वाड्रा को आरोपी बनाया था।

एक संबंधित मामले में ईडी ने एक विशेष अदालत को बताया है कि रॉबर्ट वाड्रा को गुरुग्राम में एक विवादित जमीन सौदे से 58 करोड़ रुपए मिले थे। इसमें से 53 करोड़ रुपए स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी के माध्यम से और 5 करोड़ रुपए ब्लू ब्रीज़ ट्रेडिंग के माध्यम से भेजे गए थे। अपनी जांच के हिस्से के रूप में केंद्रीय एजेंसी ने 38.69 करोड़ रुपए की 43 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया, जिनकी पहचान अपराध की कमाई के प्रत्यक्ष या मूल्य के बराबर के रूप में की गई थी। जुलाई 2025 में ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा का बयान पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज किया था।

वहीं, संजय भंडारी पहले से ही विदेश में अघोषित संपत्तियां रखने और अवैध वित्तीय लेन-देन के आरोपों का सामना कर रहा है। फिलहाल कोर्ट ने मामले में ईडी को आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। ऐसे में अब हर किसी की नजर 26 फरवरी को होने वाली सुनवाई पर टिकी है।

आतंकी साजिश का भंडाफोड़, पंजाब से 2.5 किलो आरडीएक्स के साथ 4 आतंकी गिरफ्तार

होशियारपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के होशियारपुर में गणतंत्र दिवस से पहले पुलिस ने बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में चार खतरनाक आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से करीब 2.5 किलो आरडीएक्स से भरा आईईडी बरामद किया गया है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आतंकियों की पहचान दिलजोत सिंह, हरमन सिंह उर्फ हैरी उर्फ हरी, अजय उर्फ महिरा और अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श कंडोला के रूप में हुई है। ये सभी एसबीएस नगर जिले के राहों क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से दो पिस्तौल भी बरामद की हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि यह आतंकी मॉड्यूल अमेरिका-आधारित बब्बर खालसा इंटरनेशनल हैंडलरों द्वारा संचालित किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच से यह सामने आया है कि बरामद आईईडी का इस्तेमाल आगामी गणतंत्र दिवस समारोहों को ध्यान में रखते हुए एक सुनियोजित आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए किया जाना था।

बीकेआई के हैंडलर अमेरिका में बैठकर इनका आतंकियों को निर्देश दे रहे थे, इन्हें पाकिस्तान की आईएसआई के द्वारा विस्फोटक पदार्थ मुहैया कराए जा रहे थे। ये गिरोह पंजाब की शांति भंग करने और टारगेटेड हमले करने के लिए तैयार किया गया था। पुलिस चारों आतंकियों से पूछताछ कर ही हैं। इनके अन्य साथियों को लेकर भी जानकारी ली जा रही है।

विक्रम भट्ट और उनकी बेटी के खिलाफ 13.5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज, निवेश के नाम पर ली रकम

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पहले ही उदयपुर जेल की हवा खा रहे मशहूर प्रोड्यूसर और डायरेक्टर विक्रम भट्ट की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। अब वर्सोवा पुलिस स्टेशन में विक्रम भट्ट और उनकी बेटी के खिलाफ धोखाधड़ी का नया मामला दर्ज किया गया है जिसकी जांच आर्थिक अपराध शाखा कर रही है। इस बार मामला 13.5 करोड़ रुपए की ठगी का है।

बताया जा रहा है कि विक्रम भट्ट और उनकी बेटी ने एक बिजनेसमैन से फिल्मों में निवेश के बदले अच्छे रिटर्न का वादा किया था। बिजनेसमैन से 13.5 करोड़ रुपए लिए गए लेकिन रकम नहीं लौटाई। इस मामले में इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने विक्रम भट्ट और बेटी कृष्णा भट्ट के खिलाफ वर्सोवा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया है। इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने इस केस को आगे की जांच के लिए अपने पास ट्रांसफर कर लिया है।

30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में विक्रम भट्ट पहले ही अपनी पत्नी के साथ उदयपुर जेल में बंद हैं। निर्माता को पहले दिसंबर की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था और फिर 7 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जेल भेज दिया गया। खराब तबीयत का हवाला देते हुए दंपत्ति ने उदयपुर की अदालत में जमानत के लिए याचिका डाली थी, लेकिन 17 दिसंबर को याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया।

दंपत्ति जल्द ही जोधपुर हाईकोर्ट का रुख करेगा। इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक डॉक्टर अजय मुर्डिया ने भट्ट दंपत्ति पर 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का केस कराया था, जिनके देशभर में इंदिरा आईवीएफ सेंटर बने हैं। मुंबई में विक्रम भट्ट और कारोबारी की मुलाकात हुई थी, जहां कारोबारी अपनी पत्नी इंदिरा पर बायोपिक बनवाना चाहते थे। दोनों के बीच बायोपिक के साथ 4 फिल्मों का कॉन्ट्रेक्ट साइन हुआ और रकम के तौर पर 44.29 करोड़ रुपए दिए गए थे। 4 में से कुछ फिल्मों की शूटिंग हुई और कुछ की नहीं। पैसे वापस मांगने पर टालमटोल करने पर कारोबारी ने पुलिस की मदद ली।

आईपीएस और दारोगा पर की ताबड़तोड़ फायरिंग... फिरोजाबाद में वांटेड क्रिमिनल जानू का एनकाउंटर, दिल्ली पुलिस ने शातिर को धर-दबोचा

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के सरकारी हथियार छीनकर फरार हुए 50,000 के इनामी बदमाश अविनाश उर्फ जानू को पुलिस ने फिरोजाबाद के टूंडला इलाके में एक एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। यह मुठभेड़ उस वक्त बेहद खतरनाक हो गई जब बदमाश ने सीधे पुलिस टीम के नेतृत्व कर रहे अधिकारियों पर फायरिंग कर दी। दरअसल, दिल्ली पुलिस की टीम जब टूंडला में बदमाश की घेराबंदी कर रही थी, तभी खुद को घिरा देख अविनाश ने पिस्टल निकाल ली।

उसने आईपीएस ऑफिसर मेल्विन वर्गिस और इंस्पेक्टर रामकुमार की तरफ जान से मारने की नीयत से सीधे गोलियां चलाईं। गोलियां दोनों अधिकारियों के सीने पर लगीं, लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट में जाकर फंस गईं। इस दौरान पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश अविनाश के दोनों पैरों में गोलियां लगीं और उसे दबोच लिया गया।

कोलंबो पहुंचे भारतीय तटरक्षक जहाज, श्रीलंका के साथ समुद्री सहयोग मजबूत करने की तैयारी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल के दो जहाजों ने श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर दौरा किया। ऑफशोर पेट्रोल वेसल आईसीजीएस वराह और फास्ट पेट्रोल वेसल आईसीसीजीएस अतुल्य 24 जनवरी 2026 को हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी विदेशी तैनाती के दौरान कोलंबो पहुंचे। यह दौरा भारत की क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने, पड़ोसी देशों के साथ बेहतर समन्वय बनाने और हिंद महासागर क्षेत्र में आपसी सद्भावना बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। भारतीय तटरक्षक बल नियमित रूप से ऐसे पोर्ट कॉल करता है ताकि क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग बढ़े। दौरे के दौरान दोनों जहाज श्रीलंका तटरक्षक के साथ पेशेवर चर्चा और बातचीत करेंगे। इन चर्चाओं का मुख्य फोकस समुद्री क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर होगा। विशेष रूप से समुद्री खोज और बचाव, समुद्री प्रदूषण से निपटना, समुद्री कानून प्रवर्तन और विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सीजर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। इन गतिविधियों का उद्देश्य दोनों देशों की तटरक्षक एजेंसियों के बीच बेहतर समझ विकसित करना, अनुभव साझा करना और समुद्री चुनौतियों जैसे तस्करी, अवैध मछली पकड़ना, प्रदूषण या आपात बचाव जैसे मामलों में मिलकर प्रभावी तरीके से काम करना है। ऐसे दौरे से दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझती हैं और संयुक्त अभियानों में बेहतर तैयारी कर पाती हैं। यह दौरा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सक्रिय भूमिका को रेखांकित करता है, जहां समुद्री सुरक्षा सभी देशों के लिए महत्वपूर्ण है।

आईसीजीएस वराह और आईसीजीएस अतुल्य जैसे जहाज पहले भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अभ्यासों और तैनातियों में हिस्सा ले चुके हैं। श्रीलंका के साथ यह सहयोग भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रयासों का हिस्सा है। दोनों जहाजों का यह पोर्ट कॉल क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय तटरक्षक बल की ऐसी पहलें न केवल द्विपक्षीय संबंध मजबूत करती हैं, बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता लाने में मदद करती हैं।

'दिल्ली संभल नहीं रही, बंगाल में आकर वोट मांगते हैं मोदी-शाह', रेप की घटना के बाद टीएमसी का हमला

कोलकाता, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में गुलाब बेचने वाली 10 साल की लड़की से जंगल में रेप किया गया। इस घटना के बाद लोगों में काफी रोष है और अब राजनीति भी होने लगी है। घटना को लेकर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि दिल्ली आज भारत की 'रेप कैपिटल' बनती जा रही है और यह घटना निर्भया कांड की दुखद पुनरावृत्ति है। अभिषेक बनर्जी ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बंगाल में आकर बदलाव की बात कर रहे हैं।

शायद वह बदलाव पहले बीजेपी शासित राज्यों में ही शुरू होना चाहिए। जिस सरकार में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता नहीं है, जो शुद्ध हवा और पानी की आपूर्ति नहीं कर सकती, या घातक विस्फोटों को रोक नहीं सकती, उस सरकार को बंगाल में आकर वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।" दरअसल मध्य दिल्ली के ट्रैफिक सिग्नल पर एक नाबालिग लड़की गुलाब बेचती थी। आरोप है कि एक ई-रिक्शा ड्राइवर ने दस साल की इस लड़की का अपहरण किया, फिर बिलकापुर नामक एक जगह पर चाय पिलाने के बहाने वह उसे जंगल में ले गया और उसका रेप किया। आरोपी पीड़िता को बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग गया था।

यह घटना 10 जनवरी की बताई जा रही है। पुलिस जांच में पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे जंगल में ले गया था। वहां एक कमरे में उसके साथ रेप किया गया। पुलिस ने बताया कि खून से लथपथ और बेहोशी की हालत में नाबालिग लड़की को मरा हुआ समझकर आरोपी वहां से भाग गया। होश आने पर नाबालिग किसी तरह घर लौट आई। परिवार के सदस्य उसे अस्पताल ले गए। थाने में भी शिकायत दर्ज कराई गई।

तिहाड़ में बंद बारामूला सांसद इंजीनियर राशिद को बजट सत्र में शामिल होने के लिए मिली कस्टडी पैरोल

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पटियाला हाउस कोर्ट ने आतंकवाद फंडिंग के आरोप में बारामूला के गिरफ्तार सांसद इंजीनियर राशिद को संसद के बजट सत्र में हिस्सा लेने के लिए कस्टडी पैरोल की अनुमति दी है। यह फैसला हाल ही में आया है, जिसके तहत उन्हें 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक के बजट सत्र के दौरान संसद में शामिल होने का मौका मिलेगा। दरअसल इस बार संसद का बजट सत्र दो चरणों में चलेगा। बजट सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी और फिर 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। कोर्ट के आदेश के अनुसार, इंजीनियर राशिद को तिहाड़ जेल से उसी दिन कस्टडी पैरोल पर लाया जाएगा, जब संसद का सत्र चलेगा। सत्र के दिन वे जेल से सीधे संसद जाएंगे और सत्र समाप्त होने के बाद वापस जेल लौट जाएंगे।

इस दौरान उनकी सुरक्षा और आवागमन का पूरा इंतजाम पुलिस और जेल प्रशासन करेगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि कस्टडी पैरोल के दौरान जेल से लाने-ले जाने का खर्च दिल्ली हाईकोर्ट तय करेगा। दरअसल, संसद के पिछले मानसून सत्र में इंजीनियर राशिद की भागीदारी के लिए हुए खर्च का मामला अभी दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित चल रहा है। इसी वजह से कोर्ट ने नए सत्र के लिए खर्च का निर्धारण हाईकोर्ट पर छोड़ दिया है। इंजीनियर राशिद बारामूला लोकसभा सीट से चुने गए हैं और वे तिहाड़ जेल में बंद हैं। कोर्ट ने इस बार उनकी याचिका पर विचार करते हुए संसद में सांसद के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का अधिकार दिया है।

यह फैसला उनके संसदीय कामकाज को जारी रखने में मददगार साबित होगा। हालांकि पैरोल केवल सत्र के दिनों तक सीमित रहेगी और वे जेल से बाहर कहीं और नहीं जा सकेंगे। यह व्यवस्था सुरक्षा और कानूनी प्रक्रिया को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इस तरह जेल में बंद रहते हुए भी इंजीनियर राशिद बजट सत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। यह मामला जेल में बंद सांसदों के संसदीय अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण उदाहरण है।

कोरापुट में नॉनवेज की बिक्री पर एक दिन की रोक लगी, सामने आई वजह

कोरापुट, 22 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के कोरापुट जिले में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक दिन के लिए नॉनवेज खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। जिला प्रशासन ने यह फैसला 26 जनवरी को 77वें गणतंत्र दिवस समारोह को ध्यान में रखते हुए लिया है। कोरापुट के जिला कलेक्टर मनोज सत्यवान महाजन ने इस संबंध में जिले के सभी तहसीलदारों, ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर्स और कार्यकारी अधिकारियों को पत्र भेजा है।

पत्र में निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी करें। कलेक्टर द्वारा भेजे गए पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि 26 जनवरी को जिले में मांस, चिकन, मछली, अंडा और अन्य सभी नॉनवेज खाद्य पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश सिर्फ बिक्री पर लागू होगा और केवल गणतंत्र दिवस के दिन ही प्रभावी रहेगा। पत्र में लिखा गया है कि 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर कोरापुट जिले में शांति, अनुशासन और गरिमामय माहौल बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र में इस आदेश का सख्ती से पालन कराएं। यह प्रतिबंध केवल 26 जनवरी तक सीमित रहेगा। अगले दिन से नॉनवेज वस्तुओं की बिक्री पहले की तरह सामान्य रूप से की जा सकेगी। जिला प्रशासन के इस फैसले के बाद कोरापुट जिले के बाजारों, मांस दुकानों और नॉनवेज विक्रेताओं को 26 जनवरी के लिए अपनी दुकानों को बंद रखना होगा।

प्रशासन लोगों से सहयोग मिलने की आशा रख रही है, ताकि गणतंत्र दिवस का आयोजन शांतिपूर्ण और सम्मानजनक तरीके से संपन्न हो सके। यह आदेश पूरे कोरापुट जिले में लागू रहेगा और सभी शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में समान रूप से प्रभावी होगा। ऐसे में नॉनवेज खाने के शौकीन अपने खाने का इंतजाम पहले ही करने में लग गए हैं।

फिल्मी स्टाइल में सोने की तस्करी, ऐसे छुपाया कि डीआरआई की टीम भी हो गई हैरान

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। एयरपोर्ट इन दिनों तस्करी वेब सीरीज के कारण भी चर्चा में बना हुआ है। इस वेब सीरीज में बताया गया है कि कैसे दूसरे देशों से लोग सोने की तस्करी करते हैं। हालांकि वे पकड़े जाते हैं। ऐसा ही मामला सामने आया है। जब मुंबई में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अंतरराष्ट्रीय कूरियर के जरिए की जा रही सोने की तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। डीआरआई मुंबई जोन की टीम ने 1.815 किलोग्राम सोना जब्त किया है, जिसकी बाजार में कीमत करीब 2.89 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सऊदी से भारत पहुंची थी खेप

पुलिस अधिकारियों की माने तो सोने की यह खेप सऊदी अरब के रियाद से मुंबई के इंटरनेशनल कूरियर टर्मिनल पर पहुंची थी। खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई ने इस खेप को जांच के लिए रोका था। प्रारंभिक जांच में कूरियर पार्सल संदिग्ध पाया गया था। इसके बाद अधिकारियों ने पार्सल की तलाशी ली और सोना बरामद किया।

सर्चिंग में क्या-क्या मिला?

डीआरआई टीम को तलाशी के दौरान पार्सल में एक ग्राइंडर मशीन मिली थी, जिस पर अधिकारियों को शक था। हालांकि जब मशीन को खोला गया ओ गियर को तोड़ा गया तो अंदर सोने के 32 टुकड़े मिले। सोने को इस तरह से छुपाया गया था कि किसी को भी पता नहीं चल सकता था। टीम ने सोने को तुरंत अपने कब्जे में ले लिया।

इसके साथ ही युवक और उसके साथी पर मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि तस्करी के पूरे नेटवर्क और इसके पीछे शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। इनमें से एक आरोपी कूरियर खेप लेने के लिए पहुंचा था, जबकि दूसरा आरोपी खेप की क्लीयरेंस के लिए केवाईसी दस्तावेजों की व्यवस्था करने में शामिल था। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि इससे पहले भी इसी तरह के कूरियर के जरिए सोना या अन्य कीमती धातुएं भारत भेजी गई हैं या नहीं। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

1100 रुपये मांगने पर नाबालिग ने दोस्त पर किया हमला, चाकू से गोदकर की हत्या; सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

नागपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में 1100 रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक शख्स की हत्या का मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग ने युवक के पेट में कई बार चाकू से हमला किया, जिससे युवक की मौत हो गई। मामला नागपुर के अजनी थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। मृतक की पहचान श्री कृष्णा नगर निवासी योगेश अनिल काकडे के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। जानकारी के मुताबिक मृतक योगेश और आरोपी एक दूसरे को पहले से पहचानते थे। घटना से पहले पहले दोनों ने एक अन्य दोस्त के साथ मिलकर शराब पार्टी की थी। इसमें 1100 रुपये खर्च हुए थे।

इसके बाद योगेश नाबालिग से रुपये मांग रहा था। वहीं नाबालिग दूसरे मित्र द्वारा खर्च करने का बात कर रुपए देने से इनकार कर रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। चाकू से हमले के बाद योगेश जख्मी होकर गिर पड़ा। वहां मौजूद दोस्तों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन इसके बाद आरोपी ने योगेश को लातों से मारना शुरू कर दिया।

बंगाल में 'बाबरी' रिप्लिका से 90 किमी दूर बनेगा अयोध्या जैसा राम मंदिर, विराजेंगे 'हरे रंग' के भगवान

मुर्शिदाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जहां बाबरी मस्जिद की रिप्लिका बनाई जा रही है, उससे करीब 90 किलोमीटर दूर अयोध्या जैसा राम मंदिर बनाया जाएगा। नदिया जिले के शांतिपुर में 15 बीघा जमीन पर एक बोर्ड लगाकर इसका ऐलान किया गया है। हालांकि, इस मंदिर में भगवान राम की जो मूर्ति लगाई जाएगी, वो अयोध्या वाले मंदिर से अलग होगी। इसमें 14वीं शताब्दी के बंगाली कवि कृत्तिवास ओझा रचित 'कृत्तिवासी रामायण' में भगवान राम के जिस रूप का जिक्र किया गया है, वैसी मूर्ति लगाई जाएगी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक यह मंदिर श्री कृत्तिवास राम मंदिर ट्रस्ट बना रहा है। मंदिर का शिलान्यास फरवरी में होगा। इस पहल की शुरुआत साल 2017 में की गई थी।

अयोध्या जैसा मंदिर, बंगाली संस्कृति की झलक

ट्रस्ट के अध्यक्ष और पूर्व विधायक अरिंदम भट्टाचार्य ने बताया कि यह कोई राजनीतिक कदम नहीं, बल्कि एक धार्मिक और सांस्कृतिक पहल है। उन्होंने बताया कि मुख्य मंदिर अयोध्या के राम मंदिर जैसा ही होगा, लेकिन इसके चारों ओर 15वीं शताब्दी का टेराकोटा डिजाइन होगा, जो इस क्षेत्र की वास्तुकला की विशेषता है।

हरे रंग के होंगे राम

भट्टाचार्य ने कहा कि गर्भगृह में भगवान राम का रंग हरा होगा, जैसा कि कृत्तिवासी रामायण में बताया गया है। उनके साथ माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान भी होंगे। 100 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट में एक रिसर्च सेंटर, डिजिटल हेरिटेज हब और कल्चरल सेंटर भी होगा। मंदिर और मूर्ति का डिजाइन फाइनल कर लिया गया है। मंदिर कृत्तिवास ओझा के जन्मस्थान फूलिया से महज 100 मीटर की दूरी पर बनाया जाएगा। कृत्तिवास ओझा ने रामायण का बंगाली अनुवाद किया था, जिसे 'श्री राम पांचाली' कहा जाता है। ट्रस्ट ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए साल 2028 तक का लक्ष्य रखा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: सफलता हमारा परिचय दुनिया को करवाती है और असफलता हमें दुनिया का परिचय करवाती है!

फर्नीचर शॉप में भीषण आग से इलाके में मचा हड़कंप

दो बच्चों समेत छह लोगों के फंसे होने की आशंका

जिला कलेक्टर, सीपी और मेयर पहुंचे मौके पर

फायर और रेस्क्यू टीमों का आग पर काबू पाने का प्रयास जारी

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले इलाके नामपल्ली में स्थित एक फर्नीचर शॉप में शनिवार को भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही कई दमकल गाड़ियां और बचाव टीम मौके पर पहुंच गई है।

इसके साथ ही हैदराबाद की जिला कलेक्टर हरिचंदना दासारी, सीपी वीसी सज्जनार और मेयर गदवाल विजय लक्ष्मी भी मौके पर पहुंच गए। फर्नीचर शॉप के अंदर तीन लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई आग तेजी से ऊपर की मंजिलों तक फैल गई और घंटों तक भयंकर रूप धारण किए रही। फायर और रेस्क्यू टीमों ने तीव्र अग्निशमन अभियान शुरू किया। कई फायर इंजन आग पर काबू कार्यों में काफी बाधा आई। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सजनार के अनुसार, पुलिस और आपदा प्रतिक्रिया दल मिलकर बचाव कार्यों में जुटे हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शॉप में आग लगने की सूचना शाम 5 बजे मिली और तत्परता से 16 फायर इंजन घटनास्थल पर भेजे गए। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए तेजी से अभियान चलाया। नामपल्ली में हर साल आयोजित होने वाली नुमाइश प्रदर्शनी पर आग के कारण ट्रैफिक और जनता की आवाजाही प्रभावित हुई है। समाचार लिखे जाने तक बचाव कार्य अभी जारी है और आग लगने के कारण तथा किसी के घायल होने की पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। हालात को देखते हुए हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने जन सूचना जारी कर लोगों से नुमाइश प्रदर्शनी में जाने की यात्रा फिलहाल स्थगित करने की अपील की है। आग बुझाने और बचाव कार्यों के कारण आसपास की सड़कों पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से असुविधा से बचने के लिए नुमाइश की यात्रा एक दिन के लिए टालने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। इस बीच, हैदराबाद जिला कलेक्टर हरिचंदना दासारी ने भी आग लगने की घटना के मद्देनजर नामपल्ली और आसपास के इलाकों में आवागमन प्रतिबंधित होने की जानकारी दी। आग लगने का कारण और किसी के हताहत होने की जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने रेस्क्यू ऑपरेशन की देखरेख की।

तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग में अधिवक्ता रामाराव द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें हैदराबाद के नामपल्ली में हुए आग हादसे में सरकारी अधिकारियों की कथित गंभीर लापरवाही का उल्लेख किया गया है। इस हादसे में कई लोग आग में फंस गए थे और हताहत होने की आशंका जताई गई थी।

गांजा तस्करों की कार की टक्कर से कांस्टेबल घायल

निजामाबाद/निर्मल, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले में गांजा की तस्करी कर रही एक तेज रफ्तार कार को रोकने के दौरान महिला आबकारी कांस्टेबल सौम्या गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह घटना शुक्रवार रात माधवनगर इलाके में हुई। पुलिस को गांजा ले जाए जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद आबकारी विभाग की टीम को तैनात किया गया।

संदिग्ध कार को रोकने की कोशिश में कांस्टेबल सौम्या ने वाहन को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने कार नहीं रोकी और उन्हें टक्कर मार दी। घायल कांस्टेबल को साथियों ने तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस ने कार का पीछा कर निर्मल की ओर भाग रहे दो आरोपियों मोहम्मद सफीउद्दीन और सैयद सोहेल को पकड़ लिया। कार की तलाशी में भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

एसआईटी जांच से फोन टैपिंग के मास्टरमाइंड बेनकाब होंगे : जूपल्ली

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति और आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने फोन टैपिंग मामले में पिछली बीआरएस सरकार द्वारा अपनाई गई अलोकतांत्रिक नीतियों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि फोन टैपिंग की घटना बेहद घृणित है और इस मामले की एसआईटी (विशेष जांच दल) जांच से यह साफ हो जाएगा कि इसके मास्टरमाइंड और अपराधी कौन हैं।

सच्चाई निश्चित रूप से सामने आएगी। शनिवार को यहां प्रजा भवन में मीडिया से बात करते हुए जूपल्ली कृष्णा राव ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ कहा कि कोई भी राजनीतिक नेता कानून से ऊपर नहीं है और जिन्होंने भी गलत काम किए हैं, उन्हें पार्टी से परे जाकर सजा भुगतनी होगी। उन्होंने कहा कि अपने 25 वर्षों के राजनीतिक जीवन में मैंने कई सरकारें देखी हैं, लेकिन फोन टैपिंग जैसी घिनौनी राजनीतिक साजिशें केवल पिछली बीआरएस सरकार के दौरान ही देखी गईं। मंत्री ने याद दिलाया कि तेलंगाना में 2021 से फोन टैपिंग के आरोप सामने आ रहे हैं और पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अकुनुरी मुरली, ईटेला राजेंद्र और आर.एस. प्रवीन कुमार जैसे लोगों ने पहले ही संदेह जताया था कि उनकी जासूसी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा हैं। जूपल्ली कृष्णा राव ने पिछली बीआरएस सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों जैसी व्यवस्थाओं का इस्तेमाल अपने ही पार्टी नेताओं, विपक्षी नेताओं और व्यापारियों को ब्लैकमेल करने के लिए करना सरकार के नैतिक पतन को दर्शाता है। मंत्री ने सवाल उठाया कि जब केटी रामाराव को एसआईटी ने एक गवाह के रूप में पूछताछ के लिए बुलाया, तो वह इतने चिंतित क्यों हो गए। उन्होंने केटीआर का मजाक उड़ाते हुए कहा कि जो नेता पहले किसी भी जांच का सामना करने के दावे करते थे, वे अब नोटिस मिलने पर नाटकीय व्यवहार कर रहे हैं। जूपल्ली कृष्णा राव ने पूछा कि अगर उनका इस फोन टैपिंग मामले से कोई संबंध नहीं है और वे निर्दोष हैं, तो डरने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद सरकार ने बदले की राजनीति नहीं की। अगर हमारी मंशा ऐसी होती तो हम बहुत पहले ही बीआरएस नेताओं को जेल भेज चुके होते। लेकिन हम कानून का सम्मान करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि केटीआर सिर्फ इसलिए क्यों डर गए क्योंकि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 160 के तहत नोटिस जारी किया गया, जो केवल एक गवाह के रूप में जानकारी मांगने के लिए होता है।

सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी : निखिल सिद्धार्थ

रोड सुरक्षा अभियान में निकली 300 बाइकर्स की रैली

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए आज सुबह जलविहार में 'ऐरावल एलाइव- रोड सुरक्षा अभियान' का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर 300 बाइकर्स की भव्य रैली निकाली गई, जिसमें ट्रैफिक पुलिस, एनसीसी छात्र और आम जनता ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, ट्रैफिक, हैदराबाद जोएल डेविस ने राइडर और पिलियन दोनों के लिए आईएसआई मार्क वाला हेलमेट पहनना अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष लगभग 8,000 लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं और जनता से अपील की कि वे ट्रैफिक नियमों और गति सीमा का पालन करें। डीसीपी ट्रैफिक-1 अविनाश कुमार, आईपीएस ने माता-पिता से कहा कि वे अवैध रूप से कम उम्र के बच्चों को वाहन न दें और ड्राइविंग लाइसेंस तथा प्रशिक्षण के बिना सड़क पर वाहन चलाने से बचें। फिल्म अभिनेता निखिल सिद्धार्थ ने युवाओं से अपील की कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और उन्हें ट्रैफिक नियमों का पालन करने में नेतृत्व करना चाहिए। इस जागरूकता अभियान में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों, सीआरटी बाइक राइडर्स एसोसिएशन के सदस्यों और आम जनता सहित 1,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसीपी अंडे रामुलु, एसीपी एस. मोहन कुमार, ए. श्रीनिवास और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डंपयार्ड में गिरने से मजदूर की मौत

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूसुफगुडा स्थित जीएचएमसी डंपयार्ड में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में मजदूर की मौत हो गई। खराब कार्य परिस्थितियों और लापरवाही के चलते काम के दौरान मजदूर मशीन में गिर गया। मृतक की पहचान सुधाकर के रूप में हुई है। वह कचरा डंपिंग यार्ड में काम कर रहा था, तभी संतुलन बिगड़ने से वह चलती मशीन में गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अन्य मजदूरों ने मशीन बंद कर शव को बाहर निकाला और डंपयार्ड के सामने बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मजदूरों ने सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही पुलिस, जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारी और डंपयार्ड का संचालन कर रही कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मजदूरों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं।

अवैध गोद लेने के मामले में दो गिरफ्तार, दो फरार

मंचेरियल, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लक्सेट्टीपेट कस्बे में एक बच्चे को कथित तौर पर अवैध रूप से गोद देने के मामले में पुलिस ने शुक्रवार शाम दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

लक्सेट्टीपेट इंस्पेक्टर रमाना मूर्ति के अनुसार, नासपुर मंडल के थेगलपहाड़ निवासी अल्लूरी सीतारामाराजू और लक्सेट्टीपेट शहर के महालक्ष्मीवाड़ा की बोज्जा स्वरूपा को मॉडला गांव के एक दंपति को बच्चा गोद दिलाने में मध्यस्थता करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में जया और अन्वेश को भी आरोपी बनाया गया है, जो फिलहाल फरार हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे निःसंतान दंपतियों और मानव तस्करों के बीच दलाली कर अवैध रूप से बच्चों की आपूर्ति करते थे और इसके बदले मोटी रकम वसूलते थे। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चा जया और अन्वेश के जरिए प्राप्त किया गया था। यह मामला संकटग्रस्त बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था चाइल्डलाइन से मिली शिकायत के आधार पर 26 दिसंबर को दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

निर्मल, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को बासर में गोदावरी नदी के किनारे एक 35 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। आशंका जताई जा रही है कि वह महाराष्ट्र का रहने वाला हो सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटनास्थल पर मिली कुछ सामग्रियों को देखकर स्थानीय लोगों ने जादू-टोने के दौरान मानव बलि दिए जाने की आशंका जताई है।

उप महापौर ने ओयू मुस्लिम कब्रिस्तान का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छता और रखरखाव में खामियों को लेकर समिति सदस्यों द्वारा की गई शिकायतों के बाद ग्रेटर हैदराबाद की उप महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने शनिवार को हब्सीगुड़ा पी एंड टी कॉलोनी स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय मुस्लिम कब्रिस्तान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीटीयूसी राज्य अध्यक्ष मोते शोभन रेड्डी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान समिति सदस्यों ने उप महापौर को कई समस्याओं से अवगत कराया, जिनमें जंगली घास का फैलाव, पेड़ों की बढ़ी हुई डालियां, कचरे का ढेर, जल निकासी की समस्या, पीने के पानी की सुविधा का अभाव और कब्रिस्तान के चारों ओर सुरक्षा दीवार न होना शामिल है। उन्होंने बताया कि घनी झाड़ियां और अनियंत्रित पेड़ की डालियां आगंतुकों के लिए गंभीर असुविधा पैदा कर रही हैं और दफन स्थलों तक पहुंच में बाधा बन रही हैं। उप महापौर ने खराब स्वच्छता स्थिति की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की उपेक्षा से कब्रिस्तान की पवित्रता प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी मुस्लिम कब्रिस्तानों के रखरखाव को विशेष प्राथमिकता देती है और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने जंगली घास हटाने, पेड़ों की छंटाई और व्यापक स्वच्छता कार्य तुरंत शुरू करने के आदेश दिए। उन्होंने समिति सदस्यों को आश्वासन दिया कि आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और कब्रिस्तान का समुचित रखरखाव किया जाएगा। इस निरीक्षण में उस्मानिया विश्वविद्यालय मुस्लिम कब्रिस्तान के अध्यक्ष जरूरुद्दीन सहित राशिद, याकूब शरीफ, खादिर, खुदूस अकबर बाशा, अली खालिद, खाजा पाशा, याकूब, मुजाहिद और अन्य समिति सदस्य उपस्थित थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, IFATH JAHAN R/o. H.No.8-8-18/3, Dilkush Nagar, R.R. District, Changed My Name As "IFAT JAHANA" W/o. SHAFI AHMED.

I, Usha Rani Panda, W/o, No. 14561189X, Hav, Nilanchal Panda, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from Usha Rani Panda to Usha Rani Devi, vide Affidavit No BN 820849 dt 23.01.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, Sugan Sharma, Mother of No. 14657349K, Hav, Rakesh Kumar Sharma, R/o, Dist: Bhopal, Madhya Pradesh, changed my name from Sugan Sharma to Sugan Bai, vide Affidavit No.284440 dt.23.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Ram Chandra Sharma, Father of No 14657349K, Hav, Rakesh Kumar Sharma,R/o, Dist: Bhopal, Madhya Pradesh, changed my name from Ram Chandra Sharma to Ramchandra Sharma, vide Affidavit No. 284442 dt. 23.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

EMPLOYMENT NOTICE

1. Basantar Unit Run Canteen (URC), Mehdipatnam Garrison invites applications to engage canteen staff on contractual basis for URC (as per details) for a period of 11 months, subject to extension on performance. Other conditions according to the criteria as mentioned against each post :-

Appt	Minimum Qualification	No of vacancies	Fixed salary (Per month)
Billing Clerk	12th with basic knowledge of computer	03	Rs 15,000/-
Safai Karmi (House Keeper)	5th Pass	01	RS 10,700/-

2. Terms & conditions. For additional details, please contact on 7261095365/ 9912807506 during working hrs from 0900hrs to 1700hrs (except Sunday & Holiday) or contact Basantar URC. Preference will be given to ex-servicemen/Dependents of ex-servicemen.
3. Last date of receipt of application. Application will be accepted as per requisite format alonwith self attested photocopies of education qualification and work experience certificate. Application will be submitted in the name of OIC Canteen, Basantar URC, Mehdipatnam Garrison by 31 Jan 2026 or on e-mail basantarurc47ibc@gmail.com. Any application received after 31 Jan 2026 will not be accepted
4. Will be intimated Interview, date, timing & venue. telephonically/SMS. Candidates must bring all the original certificates/marks sheet/degree of requisite qualification, work experience, copy of Aadhar & PAN card and (discharge book for ex-servicemen/Dependents of ex-servicemen) at the time of interview. No TA/DA Is admissible. Only candidates meeting the qualitative requirements may apply.

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित संस्थाओं, के विरुद्ध शिकायतों का निवारण

रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना (आरबी-आईओएस)

- रिज़र्व बैंक ने अपनी सभी विनियमित संस्थाओं को उनके ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों का समाधान करने हेतु अपने स्तर पर एक व्यवस्था बनाए रखने का आदेश दिया है, जिसे विनियमित संस्थाओं का आंतरिक शिकायत निवारण तंत्र माना जाता है।
- रिज़र्व बैंक ने, रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना, 2021 (आरबी-आईओएस) के माध्यम से अपनी विनियमित संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई सेवाओं में कमियों से संबंधित ग्राहक शिकायतों के समाधान के लिए एक त्वरित और निःशुल्क वैकल्पिक शिकायत निवारण तंत्र भी स्थापित किया है।
- बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), भुगतान प्रणाली प्रतिभागियों (पीएसपी) और साख सूचना कंपनियों (सीआईसी) को शिकायत निवारण तंत्र के तहत विनियमित संस्थाओं के रूप में माना जाता है।
- किसी भी विनियमित संस्था के विरुद्ध सभी शिकायतों के लिए आरबी-आईओएस "एक राष्ट्र एक ओम्बड्समैन" दृष्टिकोण अपनाता है। अतः शिकायतकर्ता के लिए अब यह जानना आवश्यक नहीं है कि उसे किस ओम्बड्समैन योजना/कार्यालय के तहत ओम्बड्समैन के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए।
- आरबी-आईओएस के अंतर्गत नहीं आने वाली विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों का समाधान भारतीय रिज़र्व बैंक के उपभोक्ता शिक्षण और संरक्षण कक्षों (सीईपीसी) द्वारा किया जाता है।
- आरबी-आईओएस और सीईपीसी के दायरे में आने वाली संस्थाओं की सूची https://cms.rbi.org.in पर देखी जा सकती है।

अगर आपको शिकायत हो तो क्या करें?

आप विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध उसकी शाखा में या शिकायत निवारण पोर्टल पर ऑनलाइन या उसकी वेबसाइट पर बताए गए किसी अन्य तरीके से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत की पावती प्राप्त करें या संदर्भ संख्या सुरक्षित रखें।

आरबीआई ओम्बड्समैन से संपर्क कब करें?

आप निम्नलिखित मामलों में आरबीआई ओम्बड्समैन से संपर्क कर सकते हैं :
- **विनियमित संस्थाओं से 30 दिन के भीतर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होने पर -** विनियमित संस्थाओं को की गई आपकी शिकायत की तारीख से एक वर्ष और 30 दिन के भीतर कभी भी।
- **विनियमित संस्थाओं से प्राप्त उत्तर असंतोषजनक है -** संबंधित विनियमित संस्थाओं से उत्तर प्राप्त होने के एक वर्ष के भीतर कभी भी।

ध्यान दें:
- आरबी-आईओएस में निर्दिष्ट शिकायत फार्म के अनुसार सभी अपेक्षित विवरण/जानकारी शिकायत में शामिल होनी चाहिए।
- शिकायत किसी अन्य मंच (जैसे न्यायालय) में निपटाई गई/लंबित नहीं होनी चाहिए या आरबीआई ओम्बड्समैन द्वारा पहले निपटाई नहीं गई हो।
- **विनियमित संस्था से संपर्क किए बिना आरबीआई ओम्बड्समैन के पास सीधे शिकायत दर्ज कराने पर उसे अस्वीकार किया जा सकता है।**

आरबीआई के पास शिकायत कैसे दर्ज करें?

विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध कोई भी शिकायत निम्न किसी भी माध्यम द्वारा दर्ज की जा सकती है:
- आरबीआई के शिकायत प्रबंध प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल https://cms.rbi.org.in के माध्यम से ऑनलाइन।
- आरबी-आईओएस के अनुबंध में निर्दिष्ट फॉर्म में भौतिक शिकायत (पत्र/डाक) "केंद्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केंद्र, चौथी मंजिल, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेक्टर-17, सेंट्रल विस्टा, चंडीगढ़ - 160017" को प्रेषित की जा सकती है।

आरबीआई के पास शिकायत दर्ज करने के बारे में अधिक जानकारी कैसे प्राप्त करें?

अधिक जानकारी के लिए आप आरबीआई संपर्क केंद्र के टोल-फ्री नंबर 14448 पर संपर्क कर सकते हैं। इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) युक्त संपर्क केंद्र 24x7 उपलब्ध है, जबकि संपर्क केंद्र कर्मियों से अंग्रेजी, हिंदी और दस क्षेत्रीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तेलुगु और तमिल) में बात करने की सुविधा राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर सोमवार से शनिवार सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे के बीच उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए

कृपया देखें:
भारतीय रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना, 2021 पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न - https://www.rbi.org.in/hindi/Scripts/Faqs.aspx?did=56
या
सीएमएस पोर्टल- https://cms.rbi.org.in

(निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम के विरुद्ध शिकायतों के लिए कोई भी व्यक्ति निम्नलिखित पते/ईमेल आईडी पर शिकायत दर्ज कर सकता है)

महाप्रबंधक
शिकायत निवारण कक्ष,
निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम
भारतीय रिज़र्व बैंक भवन, दूसरी मंजिल, मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन के सामने,
भायखला, मुंबई-400 008,
ई-मेल: dicgc.complaints@rbi.org.in, टेलीफोन नं.: 022-2301 9645

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, हेल्थ इंश्योरेंस के नाम पर अमेरिकी लोगों से करोड़ों की ठगी

गोरखपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हेल्थ इंश्योरेंस के बहाने फर्जी कॉल सेंटर खोलकर लोगों को ठगने वाले गैंग का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। यह अमेरिका सहित अलग-अलग देश में हेल्थ इंश्योरेंस के नाम पर ठगी कर पैसे अलग-अलग खातों में मंगाते थे। इसके पहले भी लखनऊ पुलिस ने इस गैंग को फर्जी कॉल सेंटर चलाने की शिकायत पर गिरफ्तार किया था। पुलिस ने लखनऊ में रहने वाले इस गैंग के सदस्यों को भी अरेस्ट किया है। वहीं इनका पहले से भी अपराधी इतिहास है। इस फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले गैंग में कुल 10 से 15 युवक और युवतियों के शामिल होने की खबर पुलिस को मिली थी, जिसके बाद पुलिस अन्य आरोपियों की भी तलाश कर रही है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सातवें दिन भी बैठे रहे धरने पर

शिविर के पास रात में देखे गए संदिग्ध

प्रयागराज, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का धरना लगातार सातवें दिन शनिवार को भी जारी है। मौनी अमावस्या पर पालकी से जाकर संगम स्नान करने से रोके जाने के बाद वह त्रिवेणी मार्ग पर अपने शिविर के सामने फुटपाथ पर बैठे हैं। वह अधिकारियों से माफी मांगने की जिद पर अड़े हैं। उनका आरोप है कि उन्हें संगम स्नान करने से रोका गया। उनके साथ चल रहे साधु-संतों और सेवादारों को बाल पकड़कर पुलिस ने घसीटा और बेरहमी से पिटाई की गई। इसके बाद पालकी समेत उनको अगवा कर लिया गया।

सादे कपड़ों में आए सिपाहियों ने उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया और उनको जबरन पालकी से नीचे उतारने की कोशिश की। अगर वह नीचे उतरते तो उनके साथ कोई भी अप्रिय घटना हो सकती थी। शंकराचार्य से मिलने के लिए राजनैतिक, धार्मिक संगठन के लोगों के आने का क्रम जारी है। कांग्रेस, सपा, आम आदमी पार्टी के साथ ही किसान यूनियन और अन्य संगठनों ने शंकराचार्य से मिलकर उन्हें अपना समर्थन दिया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शंकराचार्य से फोन पर बातचीत की और घटना पर दुख जताया।विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी मिलने पहुंचे हैं। इसके अलावा यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी शंकराचार्य से अनशन समाप्त करके स्नान करने का आग्रह किया है।

शंकराचार्य की सुरक्षा में भक्तों ने लगाएं कैमरे

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सुरक्षा में कोई चूक न हो इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने बताया कि रात में कई संदिग्ध शिविर के आसपास देखे गए हैं। इसको देखते हुए भक्तों ने 10 कैमरे लगाए हैं। कहा कि रात में अंधेरे का लाभ उठाकर मेला प्रशासन का कोई कर्मचारी चुपके से नोटिस चस्पा करके चला जाता है। साथ ही रात में शंकराचार्य जी की रेकी भी कराई जा रही है। कोई अप्रिय घटना न हो इससे सुरक्षा के लिए 10 कैमरे लगवाए गए हैं।

योगीराज ने बताया कि कैमरे से सभी आने आने-जाने वालों पर निगरानी रखी जा रही है। सादी कपड़ों में कई खुफिया एजेंसी के लोगों के अलावा प्रदेश व केंद्र की एजेंसियां निगरानी कर रही हैं। ऐसे में कौन आ जा रहा है और क्या कर रहा है इस पर निगरानी रखना जरूरी हो गया है। क्योंकि प्रशासन कब कर दे और फंसाने के लिए कोई साजिश कर दे इससे बचने के लिए कैमरे लगाए गए हैं।

'पेशाब किया और नग्न कर वीडियो बनाया', बीजेपी विधायक अंकुर राज तिवारी पर मारपीट का आरोप, एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर में भारतीय जनता पार्टी के विधायक अंकुर राज तिवारी और उनके मौसेरे भाई पर एक शख्स का अपहरण कर बेरहमी से पिटाई का आरोप लगा है। पीड़ित का कहना है कि जब वो पिटाई से बेहोश हो गया तो उन्होंने उसके निर्वस्त्र करके वीडियो बनाए और उस पर पेशाब किया। जिसके बाद वो उसे मरा समझकर हाईवे किनारे फेंककर भाग गए। इस घटना के बाद परिजनों ने पुलिस थाने में जमकर हंगामा किया।

ये घटना संत कबीर नगर में कोतवाली खलीलाबाद की है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उसका ज़मीन को लेकर बीजेपी विधायक अंकुर राज तिवारी से विवाद चल रहा है। लखनऊ के मोहनलालगंज में उसके नाम ली गई जमीन को लेकर आपसी रंजिश हैं। जिसके चलते वो जब रात में 11:00 बजे दावत खाकर लौट रहा था तभी विधायक ने अपने साथियों के साथ दो काले रंग का स्कॉर्पियो कार से उसे ओवरटेक कर लिया। पीड़ित ने कहा कि इसके बाद उन्होंने उससे झगड़ा किया और जबरन अपनी गाड़ी में बिठाकर गोरखपुर के सहजनवा में एक भट्टे पर ले गए, जहां उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

भाजपा विधायक अंकुर तिवारी वीडियो कॉल के माध्यम से हमें देख रहे थे। उन्होंने पीड़ित पर पेशाब करने के लिए बोला तो उनके समर्थक सावन तिवारी ने हमारे ऊपर पेशाब किया। इस पूरे मामले पर अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने कहा कि जमीन से संबंधित विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने प्रार्थनापत्र दिया है। उसमें एक जनप्रतिनिधि का नाम बताया जा रहा है। मामले की जांच सीओ सिटी को सौंपी गई है।

गंगा स्नान के लिए हरिद्वार पहुंचीं अपर्णा यादव, तलाक के सवाल भड़कीं

हरिद्वार, 24 जनवरी (एजेंसियां)। धर्मनगरी हरिद्वार में वसंत पंचमी के अवसर पर गंगा स्नान के लिए पहुंची उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू एवं उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव उस समय असहज स्थिति में आ गईं, जब वह गंगा स्नान करके वीआईपी घाट के गेस्ट हाउस में लौट रही थी। इस दौरान कुछ पत्रकारों ने उनका वीडियो बनाया और उनके वैवाहिक जीवन से जुड़े निजी विषय पर प्रश्न पूछ लिया गया। इस घटनाक्रम के दौरान उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कुछ पत्रकारों पर अनुचित तरीके से वीडियो बनाने का आरोप लगाया।

अपर्णा यादव वसंत पंचमी के अवसर पर हरिद्वार स्थित वीआइपी घाट पर गंगा स्नान करने पहुंची थीं। गंगा स्नान करने के बाद जब वह घाट से बाहर निकल रही थीं, उसी दौरान कुछ मीडियाकर्मियों ने उनसे उनके निजी जीवन, विशेष रूप से तलाक से संबंधित प्रश्न पूछ लिया। बताया जा रहा है कि इस प्रश्न को उन्होंने निजी मर्यादा का उल्लंघन मानते हुए कड़ी आपत्ति जताई। अपर्णा यादव ने पत्रकारों पर आरोप लगाया कि स्नान के दौरान भी असंगत तरीके से वीडियो बनाया गया, जो उनकी निजता का हनन है। उन्होंने इस व्यवहार को अनुचित बताते हुए नाराजगी व्यक्त की। स्थिति को संवेदनशील होते देख उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें तत्काल घेरे में लेकर वीआइपी गेस्ट हाउस की ओर ले गए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करने से इनकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार अपर्णा यादव उत्तराखंड में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे के संदर्भ में उनसे भेंट करने आई थीं।

हालांकि उनकी यह मुलाकात नहीं हो सकी। हरिद्वार प्रवास के दौरान उन्होंने स्वामी स्वामी रामदेव से भेंट की, जबकि गृह मंत्री से मुलाकात का कार्यक्रम समयाभाव के कारण नहीं हो पाया। फिलहाल इस प्रकरण को लेकर किसी आधिकारिक शिकायत की पुष्टि नहीं हुई है। किंतु सूत्रों के अनुसार अपर्णा यादव ने वीडियो बनाने वाले पत्रकारों की शिकायत पुलिस अधिकारियों से की है।

हिंदू सहेली को जबरन पहनाया बुर्का, 5 मुस्लिम लड़कियों पर एफआईआर, इलाके में सनसनी

मुरादाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तहसील बिलारी की साहुकुंज कालोनी में संचालित कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाली लड़कियों का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें पांच मुस्लिम लड़कियां एक हिंदू लड़की को रास्ते में ही बुर्का पहना रही हैं। इसी कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने एसडीएम बिलारी से कोचिंग सेंटरों की शिकायत कर इन्हें बंद कराने की मांग की।

शिकायत में कहा गया कि कॉलोनी में बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटरों का संचालन होता है। इन कोचिंग सेंटर में पढ़ने आने वाले लड़के लड़कियों से कॉलोनी का माहौल खराब हो रहा है। अब थाना बिलारी पुलिस से देवेश चौधरी द्वारा शिकायत की गई है कि उसकी बहन को पांच मुस्लिम लड़कियों द्वारा मेरी बहन को पहले बुर्का पहनने को विवश किया गया और फिर मुस्लिम धर्म अपनाने को विवश किया। ये एक साजिश है इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। ये सभी लड़कियां थाना क्षेत्र की साहुकुंज कॉलोनी के एक कोचिंग सेंटर में पढ़ती हैं।

अखिलेश यादव ने जनगणना 2027 की अधिसूचना पर उठाए सवाल, जाति का कॉलम नहीं, गिनेंगे क्या?

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 की प्रस्तावित जनगणना की अधिसूचना को लेकर केंद्र सरकार और बीजेपी पर हमला बोला है। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि जब जनगणना के फॉर्म में जाति का कॉलम ही नहीं है, तो फिर जातिगत जनगणना होगी कैसे। अखिलेश यादव ने इसे बीजेपी का "जुमला" करार देते हुए कहा कि जातिगत जनगणना न कराना पीडीए के अधिकारों के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश है। सपा चीफ अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम तक नहीं है, गिनेंगे क्या। जातिगत जनगणना भी बीजेपी का जुमला है। बीजेपी का सीधा फार्मूला है, न गिनती होगी, न आनुपातिक आरक्षण-अधिकार देने का जनसांख्यिकीय आधार बनेगा। जातिगत जनगणना न करना पीडीए समाज के खिलाफ भाजपाई साजिश है।

बीजेपी पर भरोसा करने वाले अपने को अपमानित महसूस कर रहे- अखिलेश

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आगे लिखा-आज बीजेपी पर भरोसा करने वाले अपने को ठगा हुआ ही नहीं बल्कि घोर अपमानित भी महसूस कर रहे हैं। बीजेपी में जो कार्यकर्ता व नेता अब तक जातिगत जनगणना करवाने का दावा कर रहे थे, वो अब अपने समाज में मुँह दिखाने लायक नहीं बचे। वो अब गले से भाजपाई पट्टा और घरों, दुकानों, वाहनों से बीजेपी का झंडा उतारने के लिए मजबूर हैं। पीडीए को अपने मान-सम्मान, आरक्षण और अधिकार की लड़ाई खुद लड़नी होगी।

बीजेपी का मतलब 'धोखा' लिख देना चाहिए- अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने आगे लिखा-अब जब विरोध होगा तो 'छलजीवी बीजेपी' फिर कहेगी ये टाइपिंग मिस्टेक हो गयी। बीजेपी अब इतनी बुरी तरह एक्सपोज हो गयी है कि सबको मालूम है कि अपने गलत मंसूबों के भंडाफोड़ होने के बाद आगे क्या करेगी। दरअसल ये भाजपाई चालाकी नहीं, भाजपाई बेशर्मी है। अब शब्दकोशों में 'वचन-विमुखी' बीजेपी का मतलब 'धोखा' लिख देना चाहिए।

महिला इवेंट मैनेजर की अपहरण के बाद हत्या जंगल में 5 फीट गहरा गड्ढा खोदकर दफनाया शव

बरेली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। थाना बारादरी क्षेत्र के दुर्गा नगर निवासी 30 वर्षीय इवेंट मैनेजर पूजा राणा की हत्या का पुलिस ने 11 दिन बाद खुलासा कर दिया है। आरोप है कि रिठौरा निवासी उसके पार्टनर ने लेनदेन के विवाद में मफलर से गला घोंटकर हत्या की और शव को रिठौरा के जंगल में करीब पांच फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पूजा राणा शादी-ब्याह और पार्टियों में इवेंट मैनेजमेंट का काम करती थी। इसी काम में रिठौरा निवासी विमल उसका पार्टनर था। 12 जनवरी की दोपहर पूजा घर से आरोपी से हिसाब-किताब करने के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों की शिकायत पर बारादरी थाने में गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने तलाश शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने इलाके के कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें पूजा घटना वाले दिन एक युवक के साथ नजर आई। शक के आधार पर पुलिस ने विमल को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी टूट गया और उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

छात्रा की किडनैपिंग पर बवाल! जुड़ा सपा नेता का नाम, अब हिंदू संगठनों ने दी आंदोलन की धमकी

जालौन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में जालौन के कोंच इलाके में ग्रेजुएशन की छात्रा के किडनैपिंग के आरोपों को लेकर जमकर प्रोटेस्ट हुआ है। घरवालों का आरोप है कि उनकी बेटी को लव जिहाद का शिकार बनाया गया है। आरोपी सपा का नेता है। रिजवान मंसूरी उर्फ छोटू टाइगर, जो समाजवादी पार्टी से जुड़े मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड का जिलाध्यक्ष बताया जा रहा है। आरोप है कि उसने अपने साथी उस्मान कुरैशी के साथ मिलकर छात्रा को बहला-फुसलाकर किडनैप किया है। 19 जनवरी से बच्ची लापता है। हिंदू संगठनों का गुस्सा उस वक्त और भड़क गया जब आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया है। हिंदू संगठन अब जल्द से जल्द दोषियों को पकड़ने और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग कर रहा है।

पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है। अगर बच्ची सही सलामत नहीं मिलती है तो बड़े पैमाने पर आंदोलन की चेतावनी है। परिवार और हिंदू संगठनों का आरोप है कि उनकी बच्ची को साजिश के तहत फंसाया गया है। सोच-समझ कर लव जिहाद का खेल खेला गया है। छात्रा के घरवालों का आरोप है कि छात्रा पर दबाव बनाकर बयान और वीडियो सोशल मीडिया पर डलवाए जा रहे हैं, जिससे वो मेंटली परेशान थी। घरवालों ने इसे सुनियोजित साजिश बताया है। छात्रा के परिवार की सदस्य ने कहा, 'हम हाथ जोड़कर विनती करते हैं जो हमारे साथ हुआ वो किसी के साथ ना हो। और हमारी बच्ची को 24 घंटे के भीतर सौंपा जाए। हमें और कुछ नहीं चाहिए। प्रशासन से विनती है कि जो आज मेरे साथ हुआ है वह आगे कभी ना हो।

सबसे निवेदन है मेरा कि मेरी बच्ची को सामने ला दो। मुझे मेरी बच्ची को देखना है। उसे लव जिहाद से बचा लो।' हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया कि जिस समाजवादी पार्टी से जुड़े नेता पर छात्रा के अपहरण का मुकदमा दर्ज है। उसे पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद छोड़ दिया। 24 घंटे के भीतर छात्रा की बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

दूल्हा-दुल्हन लेने वाले थे फेरे तभी आ धमकी एक औरत, दिखाए ऐसे डॉक्यूमेंट्स, टूट गई शादी

बागपत, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत में एक शादी समारोह में एक महिला ने जमकर बवाल किया। शादी की रस्में चल रही थीं और दूल्हा-दुल्हन फेरे लेने जा रहे थे, तभी शादी में महिला आ धमकी, उसने दावा किया कि शख्स शादीशुदा है, उसने महिला को अभी तक तलाक नहीं दिया है और दूसरी शादी करने जा रहा है।

दूल्हे की पहली पत्नी शादी में दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश लेकर पहुंची थी। यही नहीं पत्नी अपने साथ सिर्फ हाईकोर्ट का आदेश ही नहीं बल्कि, पुलिस को भी साथ लेकर पहुंची थी। ऐसे में उसने सभी को वह आदेश दिखाया और अपने पति की शादी रुकवा दी। इसके बाद पुलिस ने दूल्हे और उसके परिजन को हिरासत में लिया और थाने ले गई। महिला और उसका पति दोनों ही दिल्ली के रहने वाले हैं। पति दिल्ली से उत्तर प्रदेश के बागपत अपनी बारात लेकर गया था, जहां उसकी दूसरी शादी होने से पहले ही पत्नी पहुंच गई और शादी रोक दी। महिला दिल्ली के विकास नगर में रहती है।

उसने पुलिस को बताया कि उसकी शादी करीब 13 साल पहले साल 2013 में दिल्ली के ही रेवला के रहने वाले एक शख्स के साथ हुई थी, लेकिन शादी के कुछ दिन बाद ही उसके ससुराल वाले उसे परेशान करने लगे और उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया। ससुराल वालों की ज्यादती से परेशान होकर उनके खिलाफ केस दर्ज कर दिया था।

भाग गई पत्नी, दूसरे मर्द से शादी भी कर ली... फिर क्यों 11 साल तक छिपता रहा पति, बिहार का दिमाग घुमा देने वाला केस

मुजफ्फरपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पति 11 साल से जिस पत्नी के हत्या के आरोप में फरार चल रहा था। वह अचानक जिंदा और सही सलामत थाने पहुंच गई। पत्नी ने अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर दी थी और अपने प्रेमी से दूसरी शादी रचाकर दिल्ली में रह रही थी। इस मामले का खुलासा होने के बाद हर कोई चौंक गया। दरअसल, करीब 10 साल पहले साल 2015 में मीनापुर थाना क्षेत्र के मदारिपुर कर्ण के रहने वाले वकील पासवान ने अपनी बेटी की दहेज के लिए हत्या करने और शव को ठिकाने लगाने का आरोप बेटी के ससुराल वालों पर लगाया था। वकील पासवान ने अपने दामाद ललन पासवान और ससुराल के 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। बताया गया कि दामाद और ससुराल वालों ने बेटी को दहेज की मांग पूरी न होने पर मार डाला और शव को भी ठिकाने लगा दिया गया है।

'बिहार में राक्षसराज कायम', महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध पर बोले राजद सांसद सुधाकर सिंह

बक्सर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने बिहार में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और कानून-व्यवस्था के विषय पर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में राक्षसराज कायम है। मुख्यमंत्री अपराधियों के साथ खुलेआम घूमते हैं, जिससे उनके हौसले बुलंद हैं। सुधाकर सिंह ने मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड का जिक्र करते हुए कहा कि यह मामला जिस व्यापक स्तर पर हुआ था, उसके खिलाफ कार्रवाई में लीपापोती हुई। इसके चलते छोटी बच्चियों के साथ दुराचार करने वाले माफिया और गिरोह चलाने वाले लोगों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कहा, मुजफ्फरपुर कांड में संचालक के घर मुख्यमंत्री बर्थडे पार्टी बनाने जाते थे। जिस राज्य का मुखिया अपराधियों के साथ खुलेआम आता-जाता हो, उनके साथ बैठता हो, तो स्पष्ट है कि बिहार का क्या हाल होगा। पटना में नीट छात्रा की मौत की घटना पर सुधाकर सिंह ने कहा, यह सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप का विषय नहीं है। यह सामूहिक चिंता का विषय होना चाहिए। बिहार में अपराधियों और माफियाओं के मनोबल को तोड़ने के लिए सरकार को व्यवस्था बनानी होगी।

राजद सांसद ने कहा कि बिहार में कोई महिला हॉस्टल नहीं बनाया गया, जबकि भारत सरकार की योजना के जरिए तमिलनाडु से लेकर महाराष्ट्र और गुजरात तक, अनेकों राज्य सैकड़ों हॉस्टल बना चुके हैं। इससे बच्चियों को संस्थागत रूप से सुरक्षा मिलती है। उन्होंने पूछा कि आखिर बिहार सरकार राज्य के भीतर क्या कर रही है। इससे पहले, राजद सांसद ने मुंबई में 314 करोड़ रुपए की लागत से बिहार भवन निर्माण के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि जब बिहार में कैंसर से लोग मर रहे हैं, तब सरकार भवन बनाने में करोड़ों रुपए क्यों खर्च कर रही है? उन्होंने कहा, बिहार की सबसे बड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था त्रासदी यह है कि आज भी राज्य में कैंसर के इलाज के लिए कोई समर्पित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि बिहार के हजारों कैंसर मरीज इलाज के लिए मजबूरन मुंबई, दिल्ली या चेन्नई जाते हैं।

यह उनकी पसंद नहीं, बल्कि मजबूरी है। जब अपने ही राज्य में इलाज की व्यवस्था नहीं होगी, तो आम आदमी आखिर जाएं भी तो कहां जाएं? सुधाकर सिंह ने कहा कि 314 करोड़ रुपए की राशि कोई मामूली रकम नहीं है। इसी राशि से बिहार में एक आधुनिक कैंसर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की नींव रखी जा सकती है। ऐसा अस्पताल जहां बिहार के मरीजों को इलाज के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर न जाना पड़े, न ट्रेन में धक्के खाने पड़ें, न ही इलाज के अभाव में जान गंवानी पड़े। राजद सांसद ने कहा, सरकार का तर्क है कि मुंबई का बिहार भवन इलाज के लिए आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए बनाया जा रहा है।

यूपी की सियासत में खुलकर सामने आई वर्चस्व की लड़ाई

राजभर समाज के दो बड़े नेताओं में तीखा टकराव

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्चस्व की लड़ाई एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। राजभर समाज के दो प्रमुख नेताओं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर और अनिल राजभर के बीच लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक खींचतान अब सार्वजनिक मंच पर फूट पड़ी है। महाराजा सुहेलदेव की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए, जिससे कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें मंच से अनिल राजभर द्वारा ओपी राजभर और उनके समर्थकों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए देखा और सुना जा सकता है। इस घटना के बाद यूपी की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और राजभर समाज की एकजुटता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, यह पूरा विवाद महाराजा सुहेलदेव की जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह के दौरान हुआ। इस कार्यक्रम में अनिल राजभर मुख्य अतिथि के रूप में मंच पर मौजूद थे और अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजभर समाज के लोग उपस्थित थे और आयोजन को शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा था। इसी दौरान अचानक कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर के समर्थक कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। नारेबाजी होते देख माहौल गरमा गया और मंच पर मौजूद अनिल राजभर नाराज नजर आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही ओपी राजभर समर्थकों की नारेबाजी तेज हुई, अनिल राजभर का गुस्सा साफ तौर पर मंच से झलकने लगा। उन्होंने अपने संबोधन को बीच में रोकते हुए नारेबाजी कर रहे लोगों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि अनिल राजभर ने मंच से अपने समर्थकों से ओपी राजभर समर्थकों को कार्यक्रम स्थल से बाहर भगाने तक की बात कह दी। मंच से अनिल राजभर द्वारा दिए गए बयान और इस्तेमाल की गई भाषा ने पूरे कार्यक्रम को विवादों में ला खड़ा किया। वायरल हो रहे वीडियो में अनिल राजभर मंच से कहते नजर आ रहे हैं-"जैसा चोर, वैसा उसका नेता, ये सब चोर हैं...इस बयान के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। कुछ देर के लिए स्थिति बेकाबू होती दिखी। हालांकि बाद में आयोजकों और स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर मामला संभाला, लेकिन तब तक विवाद सार्वजनिक हो चुका था। अनिल राजभर के मंच से गाली देने और आपत्तिजनक भाषा इस्तेमाल करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो वायरल होते ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई। विपक्षी दलों ने इस घटना को राजभर समाज की राजनीति में बढ़ती गुटबाजी का उदाहरण बताया, वहीं सत्ता पक्ष के भीतर भी इस घटना को लेकर असहजता देखी जा रही है।

औरंगाबाद का सूर्य मंदिर

सूर्य कुंड में स्नान से ठीक हो गयी थी राजा ऐल की ये गंभीर बीमारी!

लोक आस्था के महापर्व छठ के मौके पर औरंगाबाद की सूर्यनगरी देव में लगने वाले चार दिवसीय चैती छठ मेले की छटा तो देखते ही बनती है। छठ व्रतियों तथा श्रद्धालुओं के स्वागत को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहता है। सुरआ के सभी उपाय पूरे कर लिए जाते हैं ताकि किसी भी तरह की अनहोनी न घट सके। वहीं, देव का पौराणिक सूर्यमंदिर और उसके साथ साथ पवित्र सूर्यकुंड भी सज-धजकर तैयार किए जाते हैं जिसकी शोभा देखते ही बनती है।

डीएम खुद तैयारियों की मॉनिटरिंग करते हैं। छठ पूजन में व्रतियों को कोई तकलीफ नहीं हो, इसे लेकर हर पहलू पर नजर रखी जाती है और जहां जैसी जरूरत महसूस की जाती है वहां उसे अमल में लाया जाता है। व्रतियों की सुविधा के लिए कुछ बदलाव भी किए जाते हैं। सूर्य मंदिर तथा सूर्य कुंड तालाब तक जाने-आने के लिए नया मार्ग भी तैयार कराया गया है ताकि भीड़ को नियंत्रित रखने में सुविधा हो।

विदित हो कि देव में जो प्राचीन सूर्य मंदिर है वह त्रेतायुगीन है, जिसका जिक्र प्राचीन धर्म ग्रंथों में भी है। इसे राजा इला के पुत्र ऐल ने बनवाया था, जो कुष्ठ रोग से ग्रसित थे।धार्मिक ग्रंथों में ऐसा उल्लेख है कि इसी सूर्य कुण्ड में स्नान करने से राजा ऐल का कुष्ठ रोग समाप्त हो गया था। जिसके बाद ऐल ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

यहां भगवान भास्कर अपने तीनों यानी उदयाचल, मध्याचल तथा अस्ताचलगामी स्वरूपों में विराजमान हैं और ये मूर्तियां भी उसी सूर्य कुण्ड में दबी पड़ी मिली थीं। ऐसी मान्यता है कि देव पहुंचकर जो कोई भी सच्चे मन से भगवान भास्कर को पूजा अराधना करता है। सूर्यनारायण उसकी मनोकामना अवश्य पूरी करते हैं।

यह मंदिर सातवीं शताब्दी का है और इसे सुरक्षित रखने के लिए इसके संरक्षण की दरकार है। बहरहाल, व्रतियों के स्वागत को लेकर जिला प्रशासन ने सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं और डीएम सौरभ जोरवाल ने श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने के लिए आश्वस्त किया है।

सांवलिया सेठ मंदिर भंडार में आस्था की बारिश!

चार चरणों में 26.81 करोड़ की गणना, अब पांचवें पर टिकी निगाहें

उदयपुर के श्री सांवलिया सेठ मंदिर में मासिक भंडार की गणना लगातार जारी है। अब तक चार चरणों में कुल 26. 81 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की जा चुकी है। तीसरे चरण में अकेले 22 करोड़ रुपए की दानराशि मिली, जो श्रद्धालुओं की गहरी आस्था को दर्शाती है। गणना प्रक्रिया मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा और निगरानी में हो रही है। देशभर से दर्शनार्थी मंदिर आते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार न क द , सोना-

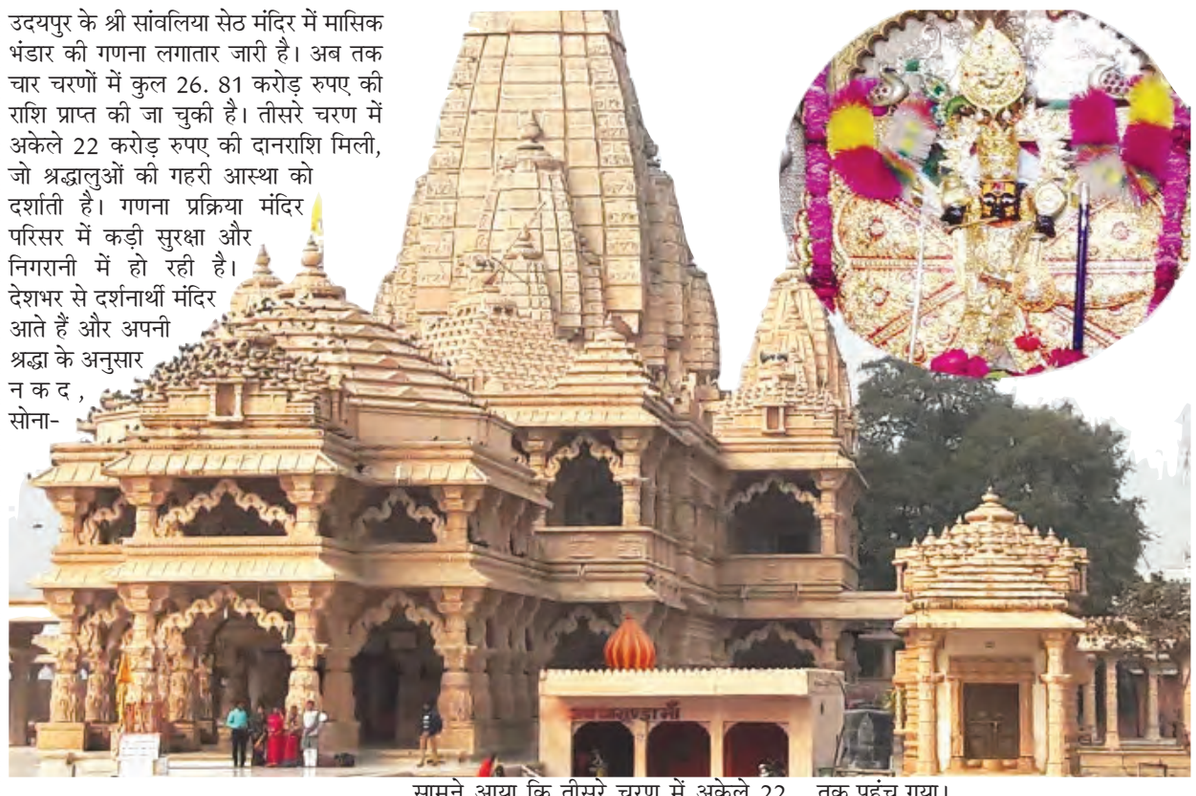

उदयपुर. मेवाड़ के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री सांवलिया सेठ मंदिर के मासिक भंडार की गणना लगातार जारी है। अब तक चार चरणों की गणना पूरी हो चुकी है, जिसमें कुल 26 करोड़ 81 लाख 65 हजार रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार भंडार की शेष गणना अब पांचवें चरण में पूरी की जाएगी। मंदिर मंडल की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार भंडार खोलने के बाद चरणबद्ध तरीके से दानराशि की गिनती की जा रही है, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहे।

गणना कार्य मंदिर परिसर में कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया जा रहा है। इस दौरान प्रशासन, पुलिस और मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी लगातार मौजूद हैं। गणना के दौरान सामने आया कि तीसरे चरण में अकेले 22 करोड़ रुपए की दानराशि की गिनती हुई, जो श्रद्धालुओं की गहरी आस्था और विश्वास को दर्शाता है।

देशभर से दर्शन के लिए आते हैं श्रद्धालु

उदयपुर स्थित इस मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु देशभर से मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार दान करते हैं। यही कारण है कि हर महीने भंडार से करोड़ों की राशि निकलना अब आम बात हो गई है। मंदिर प्रशासन ने यह भी बताया कि इससे पहले जब मासिक भंडार की गणना के पहले दो चरण पूरे हुए थे, तब तक कुल 15 करोड़ 79 लाख 25 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई थी। इसके बाद अगले चरणों में गणना आगे बढ़ी और कुल आंकड़ा 26।81 करोड़ तक पहुंच गया।

मेवाड़ का धन्ना सेठ कहलाते हैं श्री सांवलिया सरकार

श्रद्धालुओं का कहना है कि श्री सांवलिया सेठ को मेवाड़ का "धन्ना सेठ" कहा जाता है और यहां सच्चे मन से मांगी गई मुराद जरूर पूरी होती है। यही वजह है कि यहां नकद के साथ-साथ सोना-चांदी, आभूषण और अन्य कीमती भेंट भी बड़ी मात्रा में अर्पित की जाती है। मंदिर मंडल के अधिकारियों के अनुसार प्राप्त दानराशि का उपयोग धार्मिक कार्यों, मंदिर विकास, व्यवस्थाओं के सुधार, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और जनहित के विभिन्न कार्यों में किया जाता है। अब सभी की निगाहें पांचवें चरण की गणना पर टिकी हैं, जिसमें अंतिम आंकड़ा और भी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

विष्णुअवतारी श्री बाबा गंगाराम

आशीर्वाद मंदिर – स्थापत्य कला का बेजोड़ उदाहरण :

श्री बाबा गंगाराम के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर में भक्त-द्वय की साधना के मूर्तिमान स्वरुप नवनिर्मित "आशीर्वाद मंदिर" की स्थापना से ऐसा प्रतीत होता है, मानों पूरे परिसर में स्वर्ग ही उतर आया हो. सफ़ेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर का आकर्षण एवं कलात्मकता मन मोह लेती है.

शिव स्वरुप देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री की युगल प्रतिमा के दर्शन से भक्तगण उनका आशीर्वाद पाकर अपने जीवन को धन्य बनाते हैं. इस प्रकार श्री पंचदेव मंदिर और श्री आशीर्वाद मंदिर दोनों मिलकर एक ही परिसर में वैकुण्ठ और कैलाश का आभास कराते है.

यह मंदिर प्राचीन शिल्पकला के नागर शैली मे निर्मित हुआ है, इस मंदिर में लोहे या स्टील का प्रयोग नहीं किया गया है। केवल पत्थरों को पत्थरों के भार से जोड़कर आकार प्रदान किया जाता है। इसमे एक एक पत्थर को बारीकी से तराशकर बहुत ही खूबसूरत स्वरूप प्रदान किया गया है, जो देखते ही बनती है।

मंदिर मुख्य शिखर सहित पाँच गुंबदों से अलंकृत है, जो भक्तों के मन में एक दैविक आनंद की अनुभूति कराते हैं। मध्य गुंबद की गोलाकार छत पर नृत्य- वादन करती हुई गन्धर्वों की मूर्तियाँ बोलती सी प्रतीत होती है। यहाँ से गर्भ- गृह के दर्शन होने लगते हैं, जहां विराजित भक्त शिरोमणि श्रीदेवकीनंदन एवं शक्तिस्वरूपा देवी गायत्री के दिव्य श्रीविग्रह के वरद मुद्रा के दर्शन होते ही भक्त कृत्य- कृत्य हो उठते हैं।

मंदिर परिक्रमा-पथ की दीवारों पर भक्त-द्वय के जीवन प्रसंगों को पत्थरों में उकेर कर बनाया गया है, जो सहज ही अपनी ओर आकर्षित करते हैं। और दर्शक उन प्रेरणादायी प्रसंगों के गूढ़ रहस्यों में खो जाते हैं।

मंदिर में पूर्ण स्तंभ (खंभे) और अर्ध स्तंभ सहित कुल 24 नक्काशीदार खंभे हैं, जिन पर पौराणिक भक्तों और ऋषि-मुनियों की सुंदर मूर्तियाँ तराशी गई है। मंदिर का हर पत्थर बोलता सा प्रतीत होता है।

मंदिर की रज की महिमाः

बाबा के धाम की पावन 'रज' की महिमा अपरम्पार है. बाबा के धाम की यात्रा करने वाले श्रद्धालु, श्री पंचदेव मंदिर एवं आशीर्वाद मंदिर में दर्शन कर वहां की पावन 'रज' को मस्तक से लगते हैं और आशीर्वाद स्वरुप अपने साथ घर ले जाते है. भक्तों के लिए ये अमूल्य प्रसाद बन गयी है. इसी रज में त्याग, तपस्या और भक्ति का तेज समाहित है. इसी कारण इस रज को लगाने से एवं घर में छिड़कने से सभी कष्ट दूर होते है एवं सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है. बड़े से बड़े असाध्य रोगों का भी इससे निवारण होते देखा गया है. आशीर्वाद से भरी हुई इस रज को लगाने से कितने ही निःसंतानों की गोदियाँ भर गई. इसको प्रयोग में लेने से सात्विक वातावरण का निर्माण होता है और कष्टों से मुक्ति मिलती है.

बाबा गंगाराम की भक्ति से लोगों को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, साथ ही जीवन में सही दिशा भी प्राप्त होती है. इस प्रकार त्याग, तपस्या और भक्ति का साकार स्वरुप बाबा गंगाराम धाम आज लाखों भक्तों के विश्वास का केंद्र बिंदु बन गया है. भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन और परम आराधिका माता गायत्री देवी की कठोर साधना युगों – युगों तक भक्तों को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करती रहेगी, मार्गदर्शन करती रहेगी.

बाबा की महिमा को शब्दों में लिखना संभव नहीं है. मंदिर में प्रतिवर्ष गंगादशहरा को 'पाटोत्सव पर्व', श्रावण शुक्ल दशमी को बाबा की जयंती एवं वैशाख कृष्ण चतुर्थी को 'आशीर्वाद दिवस' धूमधाम से समारोहपूर्वक मनाया जाता है. बाबा की कृपा पाने के लिए उनकी ओर श्रद्धा से सिर्फ एक कदम बढ़ाने की ज़रूरत हैं. बाबा की कृपा ने लाखों भक्तों का जीवन बदल दिया है. .घर-घर में उनकी कृपा बरस रही हैं और कलियुग के इस अवतार की सर्वत्र जय-जयकार हो रही है.

गंगा में नहाने से मिलता है पुण्य, पर इस नदी के तो दर्शन मात्र से बदल जाता है भाग्य

भारतीय संस्कृति में नदियों को केवल पानी का स्त्रोत नहीं माना जात बल्कि मां का स्थान दिया जाता है। इन नदियों में 'नर्मदा नदी' का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है, जिन्हें आनंद देने वाली नदी कहा गया है। वर्ष 2026 में 25 जनवरी के दिन जब देश भर में नर्मदा जयंती मनाई जाएगी, तब इस नदी का महत्व और भी बढ़ जाएगा। मध्य प्रदेश के

अमरकंटक की सुंदर पहाड़ियों से निकलने वाली नर्मदा भारत की सबसे प्राचीन नदियों में से एक मानी जाती है। यह नदी पश्चिम दिशा की ओर बहती है और करोड़ों लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र है। यह न केवल हमारी प्यास बुझाती है, बल्कि सदियों से चली आ रही हमारी महान सभ्यता और संस्कारों की रक्षक भी रही है।

नर्मदा का जन्म और पौराणिक कथाएं

पौराणिक कथाओं के अनुसार, नर्मदा नदी का जन्म भगवान शिव की तपस्या और उनके पसीने से हुआ है, इसीलिए इन्हें 'शिवपुत्री' भी कहा जाता है। शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि जब धरती पर महाप्रलय आता है, तब भी नर्मदा का अस्तित्व खत्म नहीं होता। धार्मिक रूप से यह माना जाता है कि जो पुण्य गंगा में स्नान करने से मिलता है, वही फल नर्मदा मैया के केवल दर्शन करने से प्राप्त हो जाता है। इतिहास की नजर से देखें तो नर्मदा के किनारे कई बड़े राजाओं ने राज किया और बड़े-बड़े ऋषियों ने यहां शांति की तलाश में साधना की। प्राचीन ग्रंथों में इसे 'रेवा' नाम से पुकारा गया है। यह नदी उत्तर और दक्षिण भारत को आपस में जोड़ने वाली एक प्राकृतिक कड़ी मानी जाती है।

नर्मदा परिक्रमा और आध्यात्मिक शक्ति

नर्मदा नदी की सबसे खास बात इसकी 'परिक्रमा' है, जो दुनिया की किसी भी दूसरी नदी की नहीं की जाती। इस परिक्रमा का मतलब है नदी के उद्गम से लेकर समुद्र तक पैदल यात्रा करना और फिर वापस लौटकर आना। यह लगभग 3,300 किलोमीटर की लंबी यात्रा है, जिसे लोग अपनी श्रद्धा के अनुसार पूरा करते हैं।

यह यात्रा इंसान को धैर्य और सादगी सिखाती है। एक पुरानी कहावत है कि 'नर्मदा का हर कंकर, शंकर है'। इसका अर्थ है कि इस नदी में मिलने वाले पत्थर प्राकृतिक रूप से शिवलिंग का आकार ले लेते हैं, जिन्हें 'नर्मदेश्वर' कहा जाता है। लोग इन पत्थरों को बहुत पवित्र मानते हैं और अपने घरों में पूजते हैं, जो इस नदी की दिव्यता को दर्शाता है।

गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत

नर्मदा के किनारे बसे घाट और मंदिर हमारी सुंदर कला और इतिहास की गवाही देते हैं। महेश्वर, ओंकारेश्वर और जबलपुर का भेड़ाघाट ऐसे स्थान हैं, जहां जाकर मन को शांति मिलती है। महेश्वर के सुंदर घाटों को रानी अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था, जो आज भी अपनी मजबूती और सुंदरता के लिए मशहूर हैं। वैज्ञानिकों और इतिहासकारों का मानना है कि मानव सभ्यता की शुरुआत में भी लोग नर्मदा के किनारे रहा करते थे, क्योंकि यहां बहुत पुराने अवशेष मिले हैं। इसी नदी के किनारे आदि गुरु शंकराचार्य को उनके गुरु मिले थे, जिन्होंने उन्हें ज्ञान की शिक्षा दी थी। इस तरह नर्मदा केवल धर्म नहीं बल्कि ज्ञान और कला का भी प्रतीक है।

सीढ़ियों पर भूलकर भी न करें गहरा रंग

घर की सीढ़ियां सिर्फ ऊपरी मंजिल पर जाने का रास्ता नहीं होतीं। वास्तु शास्त्र के प्राचीन सिद्धांतों के अनुसार, ये घर में ऊर्जा (Energy) के प्रवाह का मुख्य मार्ग होती हैं। सीढ़ियों की दिशा, बनावट और सबसे महत्वपूर्ण उनका रंग, आपके जीवन की प्रगति और मानसिक शांति को सीधे प्रभावित करता है। अक्सर लोग इंटीरियर के चक्कर में गहरे या डार्क रंगों का चुनाव कर लेते हैं, जो वास्तु के नजरिए से भारी दोष पैदा कर सकते हैं।

आइए जानते हैं कि सीढ़ियों के लिए कौन से रंग भाग्यशाली हैं और किनसे बचना चाहिए-

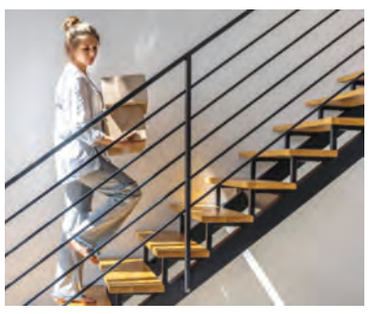

गहरे रंगों से क्यों बचें?

वास्तु विज्ञान और रंग चिकित्सा के जानकारों के अनुसार, गहरा काला, नीला या भूरा रंग 'राहु' और नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। सीढ़ियां पहले से ही एक भारी निर्माण होती हैं। अगर उन पर डार्क रंग कर दिया जाए, तो वह घर में मानसिक तनाव, भारीपन और आर्थिक रुकावटों का कारण बन सकता है।

वास्तु के अनुसार 6 सबसे शुभ शेड्स

सीढ़ियों की सकारात्मकता बनाए रखने के लिए इन रंगों का इस्तेमाल सबसे उत्तम माना गया है:

क्रीम या ऑफ-व्हाइट: यह पवित्रता का प्रतीक है और संकीर्ण सीढ़ियों को भी खुला और उज्ज्वल दिखाता है।

हल्का पीला: पीला रंग गुरु (बृहस्पति) का प्रतीक है, जो सुख-समृद्धि और ज्ञान में वृद्धि करता है।

हल्का हरा: यह प्रगति और अच्छी सेहत का रंग है, जो घर में खुशहाली लाता है।

हल्का गुलाबी : यह घर के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ाता है।

आसमानी नीला : यह शांति और स्पष्टता का प्रतीक है, जो मन को स्थिर रखता है।

बेज या सैंडलवुड: यह पृथ्वी तत्व को स्थिरता देता है, जिससे परिवार में सुरक्षा का भाव बना रहता है।

सीढ़ियों से जुड़ी कुछ खास बातें

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, अगर आपके घर की सीढ़ियां दक्षिण या पश्चिम दिशा में हैं, तो हल्के रंगों का महत्व और भी बढ़ जाता है। क्योंकि, ये दिशाएं भारीपन के लिए जानी जाती हैं। इसके अलावा, सीढ़ियों के नीचे कभी भी अंधेरा न रखें और वहां कोई भी गहरा रंग इस्तेमाल करने से बचें। अन्यथा यह घर में 'ऊर्जा के अवरोध' पैदा कर सकता है।

जीभ पर धब्बे वाले लोगों की क्या बातें होती हैं सच?

जीभ पर दाग-धब्बे वालों की बातें सच होने की मान्यता को धर्म शास्त्रों और सामुद्रिक शास्त्र में समझाने की कोशिश की गई है। लोग इस बात को कहते रहते हैं कि जिनकी जीभ में दाग-धब्बे हैं उनसे दूर रहना चाहिए। अगर वह कोई निगेटिव बात कह देंगे वो सच साबित हो सकती है। कई दफा देखा जाता है कि कुछ लोगों की जीभ पर दाग-धब्बे होते हैं। ऐसे लोगों के बारे में आम धारणा ये बनी हुई है कि इनकी कही बातें अक्सर सच हो जाती हैं, खासकर अगर बुजुर्ग हैं तो ये धारणा और पुख्ता मानी जाती हैं। माना जाता है कि ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए।

शास्त्रों के मुताबिक, केवल उन्हीं लोगों को यह सौभाग्य प्राप्त होता है जिन्होंने अपने पिछले जन्मों में महान पुण्य कर्म किए हों। उनकी वाणी में एक विशेष शक्ति होती है, जिसे वाक शुद्धि कहते हैं। इसका अर्थ है शब्दों की शुद्धता। इस वाक शुद्धि के कारण, वे जो भी अच्छे या बुरे शब्द बोलते हैं, वे एक दिन सच होते हैं इसीलिए कहते हैं कि यदि आप किसी को आशीर्वाद देते हैं, तो वह जरूर पूरा होता है।

जीभ पर होते हैं दो प्रकार के धब्बे

हालांकि, सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जीभ पर दो प्रकार के धब्बे होते हैं। एक जीभ के निचले भाग पर और दूसरा जीभ के ऊपरी भाग पर। जिनके जीभ के निचले भाग पर धब्बे होते हैं, वे खाने के शौकीन होते हैं। इसके अलावा, विद्वानों का कहना है कि उनमें कलात्मक कौशल भी अच्छा होता है। सामुद्रिक शास्त्र के जानने वाले विद्वानों का कहना है कि जीभ पर दाग-धब्बे होना कई दफा अशुभ भी हो सकता है। दरअसल, ये ऐसा इसलिए माना गया है कि जीभ पर दाग-धब्बे वाले लोगों को जल्दबाजी में बोलने से बचना चाहिए क्योंकि उनके द्वारा कही गई बात के सच होने की संभावना अधिक होती है। उन्हें अधिक सोच-समझकर बोलना चाहिए और केवल अच्छी बातें ही कहनी चाहिए।

कभी-कभी हो सकता है सच?

मान्यता ये है कि जीभ पर धब्बे होने पर कई लोग इस बात से बहुत डरते हैं कि उनकी कही बात सच हो जाएगी। इसको लेकर विद्वानों का कहना है कि ऐसा नहीं है। कभी-कभी ऐसा हो सकता है, कभी-कभी नहीं भी। ज्यादातर मामलों में ये धब्बे स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत देते हैं। जिन लोगों की जीभ पर धब्बे होते हैं, वे अक्सर बहुत बोलते हैं। हालांकि, इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि उनकी कही हुई बातें सच हो जाती हैं, लेकिन प्राचीन काल से ही बुजुर्गों का कहना है कि जीभ पर धब्बे वाले लोग जो भी कहते हैं, वह सच हो जाता है इसलिए बोलने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए।

विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेता : डा हरगोविंद खुराना

डीएनए के रहस्यों को उजागर करने वाले साइंटिस्ट

अतुल कुमार

विश्व के जिन वैज्ञानिकों को दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान नोबेल पुरस्कार मिला उनमें एक भारतीय मूल के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डा हरगोविंद खुराना थे .जिनकी चर्चा कम होती है .सन 1968 में डा खुराना को चिकित्सा विज्ञान का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया . उनको विज्ञान और वैज्ञानिक क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान के लिये अनेक पुरस्कार व सम्मान प्रदान किये गये जिनमें नोबेल पुरस्कार सर्वोपरि है . उनकी खोज ने दुनिया भर में धूम मचायी और देश का गौरव बढाया .दर असल विज्ञान और वैज्ञानिकों के योगदान को जिस आदर और सम्मान से आंका तथा देखा जाना चाहिये वह कार्य नहीं हुआ . गिने चुने क्षेत्रों के लोगों को ही नायक के रूप में स्थापित किया गया .सोचिये जिस भारतीय साइंटिस्ट को उनके वैज्ञानिक योगदान के लिये नोबेल पुरस्कार मिला . आज उनको कम लोग क्यों जानते हैं ? क्या यह लोक शिक्षण की भारी उदासीनता नहीं है ? जिनकी महत्ता को दुनिया में सराहा गया क्या वह सबसे बडे स्टार नहीं है ? इस अनभिज्ञ रवैये से युवा पीढी साइंटिस्ट बनने के लिये कैसे इंस्पायर होगी ? बीती 9 जनवरी को डा हरगोविंद खुराना की जयंती थी लेकिन कहीं कोई चर्चा ,उल्लेख या विचार पढने या देखने नहीं मिला . सोशल मीडीया के व्यापक प्रचार के बाद भी यह बेरुखी खलती है .

करोना महामारी के दौरान उससे बचाव के लिये जिस आस व बेचैनी से वैज्ञानिकों को देखा गया उसको गुज़रे कुछ ही साल हुए हैं फिर भी उनके योगदान की महत्ता को ले सोच में कोई बदलाव नहीं दीखता .जन सामान्य उनके महत्व से बेखबर है .वो मेडिकल शाप से दवा लेना तो जानता है लेकिन उस दवाई को ईजाद करने में रिसर्च की कितनी मशक्कत हुई होगी इसे नहीं जानता क्यों कि लोक शिक्षण की दिशा में सन्नाटा बिखरा पडा है . किस स्टार ने कहां कितने करोड की प्रापर्टी खरीदी इस बात को सुर्खियां मिलती हैं लेकिन किस वैज्ञानिक के आविष्कार से जनमानस को कितना लाभ मिला या मिल रहा है इसे कौन जानता है? सोचिये !

डा हरगोविंद खुराना ने कई अभावों का सामना करते हुए शिक्षा हासिल की और उद्देश्य बनाया कि उससे लोगों को चिकित्स्कीय लाभ मिले ,उनकी ज़िंदगी में खुशहाली हो तथा वह निरोगी काया को पा सकें आज कितने लोग हैं जो जन हित में ऐसा सोचते भी है .इसे कभी भूलना नहीं चाहिये कि विज्ञान मनुष्य को ईश्वर से मिला अमूल्य उपहार है उसके आविष्कार से इंसान हैरान तो होता है लेकिन उसकी अहमियत नहीं समझता .

रोचक प्रसंग है डा हरगोविंद खुराना के बचपन का जो गणित की पहेलियों और मां की रोटियों से जुडा है एक बार अपनी मां के साथ उन्होंने रोटी सेंकने से पहले गणित का प्रश्न हल करने की शर्त लगायी दोनों ने तेज़ी से अपना काम किया मां जानती थी कि इससे बच्चे में सवाल हल करने की लगन पैदा होगी और उसकी एकाग्रता और वैज्ञानिक जिज्ञासा बढेगी . मां ने रोटी सेंकी और खुराना ने उतने ही सेकंड में सवाल हल कर दिया .यह सिलसिला चलता रहा मां रोटियां

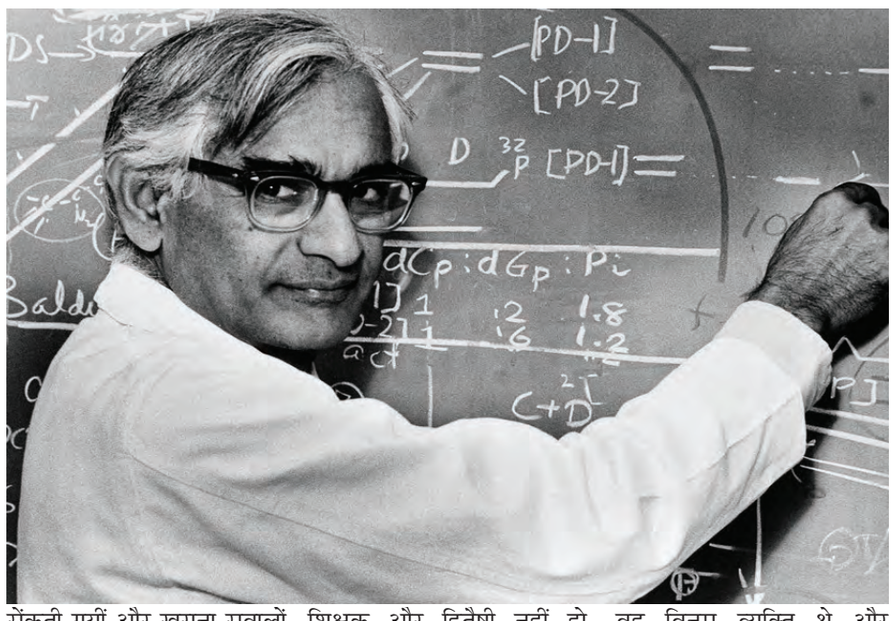

सेंकती गयीं और खुराना सवालों को हल करते गये अंततः हुआ वही लगन और असाधारण एकाग्रता डा हरगोविंद खुराना को नोबेल पुरस्कार तक ले गयी . कहा मेरा प्रोत्साहन बडाने के लिये कई बार मां सेंकने की गति भी धीमी कर देती ताकि गणित के फार्मूले याद हो जाएं यह भी बताया कि मां –बाप से बडा कोई शिक्षक और हितैषी नहीं हो सकता . उनकी हर बात और चेष्टा में जीवन का पाठ और अपने बच्चों का भविष्य होता है .यह प्रसंग दिखाता है कि कैसे एक छोटा सी शर्त उनकी वैज्ञानिक प्रतिभा और एकाग्रता की नींव बना उन्होंने पहला कृत्रिम जीन बनाया जिससे चिकित्सा विज्ञान में धूम मची .वह विनम्र व्यक्ति थे और प्रसिद्धि से बचते थे कहते इससे मेरा ध्यान भटक जायेगा मेरा मकसद विज्ञान की सेवा है . और आज ? डा खुराना प्रकृति और संगीत प्रेमी थे . शुरुआती दिनों में बहुत गरीबी देखी लेकिन शिक्षा को आधार बना लोक सेवा का बीडा उठाया .पहला पूरी तरह कार्यात्मक कृत्रिम जीन(आर्टिफीशियल जीन) बनाया जो उनके सबसे बडे वैज्ञानिक चमत्कारों में से एक है .उन्होंने डी एन ए और आर एन ए के न्यूक्लोटाईड अनुक्रम को समझने में मदद की जिससे प्रोटीन संश्लेषण के आनुवांशिक कोड को सुलझाने में बडी मदद मिली .

उनके वैज्ञानिक अन्वेषण चिकित्सा / शरीर विज्ञान के लिये उपयोगी सिद्ध हुए जिसके चलते नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया . साइंस के अलावा प्रकृति से गहरा लगाव था लंबी पैदल यात्रा और तैराकी करते कहते शरीर को चुस्त रखने के लिये यह दोनों अच्छे व्यायाम हैं जिससे शरीर की हर धमनी में रक्त प्रवाह सुचारु रूप में पहुंचता है तथा मनुष्य निरोगी रहता है .

9 जनवरी 1922 को जन्मे इस महान वैज्ञानिक ने अध्ययन और अध्यापन के क्षेत्र में देश विदेश में कई प्रतिष्ठित उपलब्धियां प्राप्त कीं . वह वैंकोवर (कैनाडा) के कोलंबिया विश्वविद्यालय जैव रसायन विभाग के अध्यक्ष बने इस संस्थान में रह अनुवांशिकी के क्षेत्र में गहन शोध किया उनके कई रिसर्च पेपर्स राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए जिससे चिकित्सा विज्ञान को अनुवांशिकी (जेनेटिक्स) की कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं जिससे ट्रीटमेंट के क्षेत्र को मदद मिली .

डा खुराना की आरंभिक पढाई पंजाब के एक छोटे से गांव में पेड के नीचे बैठ कर हुई लेकिन वह इतनी यशस्वी सिद्ध हुई कि आनुवंशिक कोड के रहस्यों को उजागर करने में अद्वितीय साबित हुई .सन 1969 में भारत सरकार द्वारा उनके वैज्ञानिक योगदान के लिये पद्म विभूषण

से सम्मानित किया गया .वह 20 वी सदी के महानतम रसायनज्ञों में से एक थे . जीवित कोशिकाओं की भाषा को समझने वाले इस महान वैज्ञानिक ने कहा विज्ञान किसी देश को नहीं जानता क्यों कि ज्ञान मानवता के लिये बना है जिसकी रौशनी में पूरी दुनिया प्रकाशमान होती है .

हर वैज्ञानिक उपलब्धि की शुरुआत एक " प्रश्न " से शुरु होती है ." डा खुराना का निधन 9 नवंबर 2011 को हुआ .लेकिन उनके वैज्ञानिक योगदान ने उनको अमर बनाया . किसी ने खूब कहा " कब तक रहें कुएं के घेरे में हमें आसमानों में घर बनाना है / मिटाने वाले मिटा न सके वजूद हमारा खुद को ऐसा सशक्त बनाना है // डा हरगोविंद खुराना ने यही किया .

काव्य कुंज

मेरे दोस्तों की कहानी...

ओमकार सर्डिवाल, हैदराबाद

वर्षा रानी आएगी,
अंग्रेजी की माला सीखेगी,
खूब सारा पड़ेगी,
अपने घर को जाएगी।
निशु बेटा आज,
दो अक्षर पढ़कर जाएगी,
अपने घर के रास्ते पर,
अपने घर को जाएगी।
देखो श्रुति रानी पढ़ाई,
पढ़-पढ़ कर परीक्षा देती है,
अच्छे अंको को लेकर आना है,
घर भी जाकर पढ़ना है।
दुर्गेश भैया देखो कैसे बैठे हैं,
अपनी पढ़ाई को वह भूल बैठे हैं,
पढ़ना उन्हें अच्छा खासा आता है,
हमेशा बातों में भरे रहते है।
मोहित अकेला बैठा है,
अपनी पढ़ाई पर मन लगाता है,
ना किसी से बात करता है,
अपना कार्य स्वयं करता है।
रोहित भैया बड़े चुलबुल,
सबकी ओर देखते रहते हैं,
परीक्षा का उन्हें तनाव रहता है,
अच्छे अंक की कोशिश करते हैं।
यशवंत की आंखों का चश्मा,
देखो कितना मोटा है,
पढ़-पढ़ कर बेचारा,
थका हारा लगता है।
ओम भैया का क्या कहना,
शरारत वे कभी ना करते हैं,
पढ़ाई में थोड़े कच्चे हैं,
फिर भी पढ़ने की कोशिश करते हैं।
आदर्श,अयान की जोड़ी है,
सबकी चुगली करते हैं,
पढ़ाई में अच्छे अंक पाते हैं,
फिर भी मस्ती करते हैं।
मोहन के बारे में क्या कहना,
खेल को अधिक महत्व देता है,
मम्मी की बात वे न माने,
घर में भी तंग करके छोड़ा है।
देखो-देखो तीनों बहनें,
प्रग्नेश्री, हसविता,प्रदुषा,
अपनी पढ़ाई पर ध्यान देते हैं,
पर कुछ अंक कम पाते हैं।
आनंदी बिटिया प्यारी प्यारी,
पढ़ाई में सबकी नानी है,
जितना कहे उतना करती है,
किसी के झमेले में वे न जाती है।

तिरंगा मुस्कुराया है

कुमुद बाला, हैदराबाद

हर्षध्वनियों की अब झंकार सुनो,
तिरंगा मुस्कुराया है
इस नये वर्ष के सूरज ने यह,
चमत्कार दिखलाया है
वासंती चोले की कुर्बानी,
केसरिया ने याद दिलाई
अशोक चक्र और श्वेत रंग ने इसे ,
विश्व मे पहचान दिलाई
धरती की चूनर में फूलों संग , रहती है सदा हरियाली
शान तिरंगे की देखो तो ज़रा , आँखें सबकी हैं भर आईं
विश्व तिरंगे प्यारे ने , आजादी को गले लगाया है
हर्षध्वनियों की अब झंकार सुनो , तिरंगा मुस्कुराया है
इस नये वर्ष के सूरज ने यह , चमत्कार दिखलाया है
आजादी के परवानों की निशानी है विजयी तिरंगा ध्वज
संविधान की ऊर्जा से है गौरवान्वित विजयी तिरंगा ध्वज
नीतियों को पिरोकर एकल सूत्र में यह फहरता रहता है
इंद्रधनुष के तीनों रंगों से मिलकर बना विजयी तिरंगा ध्वज
विजयी शान के बढ़े कदम पर इसने तिलक लगाया है
हर्षध्वनियों की अब झंकार सुनो , तिरंगा मुस्कुराया है
इस नये वर्ष के सूरज ने यह , चमत्कार दिखलाया है
गुलामी की जंजीरें टूटीं आजादी के जश्न का परचम है
हिमनद और सागर की मेखला में हर ऋतुओं की सरगम है
हमारी एकता औ अखंडता में सेंध न कोई लगने पाये
हिम विशाल के हौसले पर भारत ने वारा हर मौसम है
नहीं झुकेगा ध्वज इसने वीरों का गीत दोहराया है
हर्षध्वनियों की अब झंकार सुनो, तिरंगा मुस्कुराया है
इस नये वर्ष के सूरज ने यह , चमत्कार दिखलाया है।

मनुष्य का जीवन और दो हाथ

संजीव ठाकुर, रायपुर

ईश्वर ने मनुष्य को
केवल हाथ देकर नहीं भेजा
उसने मन के भीतर
एक बहुत हल्का सा
स्पंदन भी रख दिया
जो दिखाई नहीं देता
पर हर सही काम से पुलकित होता,
मनुष्य जब चलता है
तो धरती उसके पैरों को पहचान लेती।
जब वह रुकता तो हवा समझ जाती
कि यहाँ कोई विचार पनप रहा,
संवेदनाएँ कोई भारी बोझ नहीं होतीं
वे तो हृदय में रखी वह छोटी सी लौ जिससे
अँधेरे में भीरास्ता जगमगा उठता।
प्रगति तब थमती नहीं जब वह आगे बढ़ती
प्रगति तब हिचकती जब पीछे छूट जाता मनुष्यऔर परमार्थ।
स्पंदन कोई बड़ा शब्द नहीं वह तो
भूखे के पास बैठ जाना बिना पूछे कि उसका नाम क्या ।
लोक-कल्याण किसी घोषणा में नहीं उस मुस्कान में
जो लंबी प्रतीक्षा के बाद किसी चेहरे पर लौट आती।
समाज तभी सुंदर होता जब एक आदमी की पीड़ा
दूसरे आदमी की नींद तोड़ दे।
ईश्वर ने हमें सिर्फ़ जीना नहीं सिखाया
उसने सिखाया कि दूसरे के लिए भी
जगह बची रहनी चाहिए।
अपने हृदय में मनुष्य जब संवेदना के साथ चलता
तो उसके पीछे केवल पदचिन्ह नहीं भरोसे उग आते ।
और यही सफल जीवन जहाँ आगे बढ़ते कदम
पीछे छूटे हाथों को छोड़ते नहीं स्नेह से थामे रहते हैं।

बीमारियाँ और आबादियाँ...!

संजय एम. तराणेकर, इंदौर

ना मैं हार रहा और न बीमारियाँ,
ये ज़िन्दगी की हैं कारगुज़ारियाँ।
आएं चाहे जितनी भी दुशवारियां,
मैं हूँ कमज़ोर करूँगा मज़दूरियाँ।
अपनों की उठानी हैं जिम्मेदारियां
फ़िर चाहे ₹बिक₹ जाए सभी कुछ,
मैंने कमाया हैं अब तक जो कुछ।
चाहे तो हो ही जाए ये बरबादियाँ,
मैं अब ये भी सोचता हूँ कैसे होगा,
कब हो पाऊँगा खड़ा प्रश्न हैं बड़ा।
समय विकट है ₹तनहा₹ मैं हूँ खड़ा,
मुझे उम्मीद है ₹रब ने सोचा₹ होगा!
वहीं तो लौटाएगा मेरी आबादियाँ।

कर दो उजाला

मोनिका डागा, चेन्नई

मोह मद का धागा
जुड़ा है मानव मन से
ये मन तो है बड़ा
चंचल लोभी मतवाला,
हे माँ शारदा करूँ
मैं विनती ज्ञान प्रकाश
भीतर जगाकर
अधंकार में कर दो उजाला ।
दिन-रात सपनों के पीछे बस हूँ भागता,
चाहुँ-चाहुँ कितना चाहुँ ये तो नहीं जानता,
जकड़ा हूँ बुरी तरह सुख-दुख के बंधन में,
अबोध अज्ञानी भटका हुआ हूँ ये जानता,
बहाकर पिपासु मन में ज्ञान गंगा निर्मल
पिला दो जीवन आनंद अमृत प्याला ।
तुम हो दयामयी वागवादिनी मातु जगदम्बा,
करूणा की मूरत जगदिश्वरी ललिता अंबा,
फँसा हूँ निकलू कैसे घिरा मैं तो उलझन में,
दिखाओ तुम्ही राह कोई रास्ता बहुत लंबा,
मिटाकर भय शोक चिंता मन कर दो विमल
जगा दो मेरे जीवन में प्रेम संगीत सुरीला ।
मोह मद का धागा जुड़ा है मानव मन से
ये मन तो है बड़ा चंचल लोभी मतवाला,
हे माँ शारदा करूँ मैं विनती ज्ञान प्रकाश
भीतर जगाकर अधंकार में कर दो उजाला ।

मेरी विनती सुनो

डॉ संजुला सिंह जमशेदपुर

मेरी विनती सुनो मां शारदे
तुम मुझ पर भी दो ध्यान
मेरी कलम सदा चलती रहे
मैं मांगूं यही वरदान ।
मेरी कलम में इतनी ताकत दो
मां ! सदा सत्य लिख पाऊं
झूठ लेखनी करूं कभी ना
सत्य का अलख जगाऊं ।
हाथ जोड़ कर रही मैं विनती
सुन लो वीणा पाणी
धार करो मां कलम में मेरी
मां हंस वाहिनी ! रानी ।
मेरी शहद सी मीठी वाणी हो
और रहे सरल व्यव्हार
पाऊं ख्याति चाहे जितनी भी
कभी उपजे ना अहंकार ।
ऊंच-नीच का भेद नहीं
कभी मेरे हृदय समाय
देखूं सबको सम नजर
मेरी मति ना कभी भरमाय ।
किसी से द्वेष ना रहे मेरा
ना रहे किसी से बैर
प्रेम की धारा प्रवल बहे
मैं मांगू सभी की खैर ।
रहूं मैं चाहे किसी जगह
हो सभी से मेरा नेह
ऐसा आशीष दो मैया
मैं पाऊं सबका स्नेह ।
संजू की अरदास यही है
सुनो मां ज्ञान की रानी
वरद हस्त मेरे सिर धरो मैया
हे जग की महारानी ॥

हमारा भारत

टी तारासिंह हैदराबाद

ये तेरा देश , ये मेरा देश
हम सबका है भारत देश
है तिरंगा झंडा सब का प्यारा
सर झुकाना , सलाम करना
भारत की भूमि है पवित्र
यहाँ है गंगा जमना और सरस्वती नदियाँ
सबकी प्यास बुझाने , अन्न उगाये
यहाँ है कई भाषाये , जात और धर्म
फिर भी है हममे अनेकता मे एकता
यहां हर गली गांव शहर मे गाये जनगण
देशभक्ती है भारतीयो के रोम - रोम मे
यहाँ सुबह होती है माता - पिता के नमन से
भारत मे सब रहते है भाई-भाई से
हमारा भारत देश है महान ।।

मां! यह क्या हो रहा है

-बलविंदर सिंह, गुरदासपुर

इतनी भीड़ क्यों है मां
आज सड़कें बहुत साफ हैं
सड़कों पर चूना बिखरा हुआ है
पुलिस वाले चारों और क्यों हैं, मां
पुलिस वाले कितने अच्दे नजर आ रहे हैं
मां, इतने सारे बच्चे
लाईनों में किधर जा रहे हैं
मां कितने सुन्दर लगते हैं
बच्चे.....
.....सड़क पार करते हुए
एक मजदूर मां के शिक्षा वंचित बच्चे ने कहा,
मां ने कहा चल जल्दी चल
समय पर ना पहुंचे तो ठेकेदार गालियां देगा,
जल्दी-जल्दी चलते हुए सड़क पार करने लगे
तो एक पुलिस वाले ने आक्रोश में रोकते हुए उन्हें कहा
नजर नहीं आता मिनिस्टर साहिब की गाड़ियां आने वाली हैं
चल कमबख्त दूर हो जा
अन्धों की तरह भागती आ रही है
बच्चे सहित मां को जोर से धक्का दिया
मां हताश होकर वापस चल पड़ी
किसी और रास्ते की भाल में
कहीं दिहाड़ी (मजदूरी) लगाने में देर ना हो जाये
छोटे बच्चे ने मां के मुंह की तरफ देखते हुए
रूआंसी आवाज में पुछा
मां! हमें पुलिस वाले ने धक्का क्यों दिया है
बेटा! आज 26 जनवरी है मां वो क्या होती है?

बचाओ गुलिस्ताँ

गीता अग्रवाल हैदराबाद

अशफाक न छीनो किसी से,
शजर को फलने फूलने दो।
आज़र्दाह में न डुबायो देश को,
मरजाद बनी रहने दो।।
चंद स्वार्थों का न हो वास्ता,
सोच समझ के काम लो।
अस्ल ही बर्बाद हो ,
ऐसे इंतजामात न करने दो।।
आएगा कुछ हाथ नहीं , गुलिस्ताँ को बिखेर के।
बनाने वाले का साथ दो, तोड़ने वाले को मरने दो।।
संविधान हमारा है सर्वोपरि ,कुछ गलत न हो पायेगा।
तिरंगे की आन, बान, शान में देश को आगे बढ़ने दो।।
फकत इंसान की परख, इतिहास बताता जायेगा।
'गीता'जो करे देश से गद्दारी, ऐसे दुश्मन न पलने दो।।

गणतंत्र दिवस: मेरी अस्मिता मेरी पहचान

डॉ.प्रतिमा सिंह हैदराबाद

आसमान में सर उठाकर
घने बादलों को चीरकर,
रोशनी का संकल्प ले,
अभी तो सूरज उगा है ।
विश्वास की लौ जलाकर,
विकास का दीपक लेकर,
सपनों को साकार करने
अभी तो सूरज उगा है ।
26 जनवरी का वह स्वर्णिम दिन
जब पूर्णतः हम आजाद हुए
कलम अपनी,अपना वतन, अपने सब व्यापार हुए।
अब हम किसी के मोहताज नहीं,
किसी का हम पर अधिकार नहीं।
अब लहू से सींची धरती नहीं पवित्रता का वास होगा।
जिस मकसद से मुझे गढ़ा गया,
उसे पूरा करने निकल पड़ा हूं।
बालक नहीं अब युवा हूं
मुश्किल को मुकद्दर बनाने चला हूं ।
वह पिछले दिन अब चले गए जब हमें चलाया जाता था
पिछडेपन का ठप्पा देकर हमें नचाया जाता था ।
विकसित होने का रोब जमा हमें दबाया जाता था ।
जाकर कोई कह दो उनसे, अब फांसी के फंदे पर नहीं,
चंद्र मंगल को छूने वाले हैं,,संकट को सृजन बनाने वाले हैं।
आसान नहीं हमसे भिड़ना, हम पत्थर के परवाने हैं।
हम वो नाजुक चिड़िया नहीं जिनका,
छत तक मंजिल निश्चित है।
हम क्षितिज तक उड़ने वाले हैं, गगन को नापने वाले हैं।
एक वह 26 का दिन था एक यह 26 का दिन है
दोनों में कितना अंतर है एक दरिया से भी छोटा था,
अब आज समंदर गहरा है ।
सैन्य, शिक्षा, संसाधनों ने देश का मान बढ़ाया है,
शांति संयम समन्वय का दुनिया को पाठ पढ़ाया है ।
अब फिर से हम वही पुराने भारतवर्ष बन जायेंगे,
सोने की चिड़िया बनकर विश्व गुरु कहलाएंगे।

वो पापा है

डॉ डी डी देसाई

बच्चों के दिल की बात माँ जानती है
बिन बोले मन की बात पहचानती है
बच्चों की ख्वाहिश सोच ही रही थी कि..
वो खिलौना शाम को
बच्चों के हाथ में होता है
वो पापा है.... उन्हें सब पता है।
आज का चूल्हा कभी
ठंडा पड़ने नहीं दिया,
कल की रसोई का टेंशन कभी आने नहीं दिया
रोज छप्पन भोग न ही बने सही...पर
तीज त्योहारों में मिठाई का डिब्बा जरूर आता है
वो पापा है.... उन्हें सब पता है
बच्चों की जिंदगी पल पल सवारते रहे...
एडियाँ घीस गयी पर बेटे का करियर बनाते रहे
बड़ी शान से बेटियों की शादी कर दी और
बिदाई में आंसुओं का घूँट पीकर मुस्कुराना आता है
वो पापा है.... उन्हें सब पता है
ख़ुशी के लिए मेहनत से कभी समझौता नहीं
ब्याही बेटी के इंतजार में कभी टूटे नहीं
भले ही नौकर चाकर लाख हो बेटी के घर में,
बिना तीज त्योहार भी बेटी के घर कदम पड़ता है
वो पापा है.... उन्हें सब पता है
न मौसम का डर न तूफान से घबराये कभी,
न काम से परहेज . न ही थकान कभी
जी भर मेहनत.... और इज्जत की रोटी,
घर में हर पल हँसी ख़ुशी का माहौल होता है
वो पापा है...उन्हें सब पता है...

सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा

दर्शन सिंह हैदराबाद

था इसी धरा में भूषित
नालंदा विश्वविद्यालय
सभ्यता, संस्कृति,
मूल्यों का था शिक्षालय
इसलिए हुआ प्राप्त
रत्नों से सुसज्जित
महामहिम अब्दुल कलाम
था नहीं उनके
शब्द कोष में शब्द निगेटिव
इसलिए तो बन गए मिसाइल मेन से भारत रत्न
थे जो पोजिटिव
किया यू एन ओ ने प्रतिवर्ष उनके जन्मदिन
पंद्रह अक्टूबर को ' स्टूडेंट डे ' घोषित
थे जो सोने की अंगूठी हीरे का नग सुशोभित
है भारत विश्व का प्रथम देश
किया जिसने पहले प्रयास में मंगल ग्रह में प्रवेश
दिया था शिकागो में शून्य पर स्वामी विवेकानंद ने भाषण
किया पूरे जहां में अपने श्रेष्ठता से शासन
प्रतिवर्ष इक्कीस जून को पूरे विश्व में स्मरण किया
जाएगा ' मोदी जी का' योग मंत्र
घोषित किया ' यू एन नो ' ने समवेत स्वर में
'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय ' का अति उत्तम जंत्र
स्मरण करो अंतरिक्ष यात्री ' राकेश शर्मा ' को
पूछा ' इंदिरा जी ' ने ऊपर से कैसे देख पा रहे हो '
भारत ' को जवाब मिला
' सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा '

उलझ कर रह गई पहचान

डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

क्यूं मोहताज है हमारी तुम्हारी पहचान?
किस अनजान सी तलाश में है पहचान?
क्यूं जातिवाद के बंधनों में बंधी है पहचान?
क्यूं ऊंच-नीच के भेद से बोझिल है पहचान?
जिंदगी बनाने वाले ने
कब पूछी थी पहचान,
हर लहू का रंग लाल
रंग की लालिमा में रचा-बसा,
हर शख्स का नक्श एक लय ताल में बना हुआ,
फिर भी पहचान की जंग में, लगा दी जी-जान।
ऊपरवाले की उंगलियों ने तो तराशा था,
हर शख्स को,हर इंसा को बखूब, फिर भी
किश्तों में बंटता चला गया वजूद,
कुछ खुदगर्जों ने बनाया इसे पैसा वसूल।
इसी पहचान को बरकरार रखने के लिए,
कितने ही बेकसूर मारे गए, कितने जतन हुए फिजूल।
अपने अस्तित्व को सजाने संवारने में,
भुला दिया ईमान और इंसानियत का उसूल।।
कौन अपने साथ ले जा सका है,
अपनी पहचान को, अपने जहान को?
सिर्फ ये मिट्टी ही हमारी पहचान है,
जिसने हमको गढ़ा है और पुनः
उसी में हमको मिलना है।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार, 25 जनवरी, 2026

ऐसे डॉक्टर से कौन इलाज कराएगा ?

आरक्षित सीटों पर 0 पर्सेंटाइल, डॉक्टर बोले- प्राइवेट कॉलेजों की सीट भरेंगे

डॉक्टरों के पोस्ट ग्रेजुएशन में एडमिशन के लिए होने वाला नीट-पीजी एग्जाम विवादों में है। इस साल सेकेंड राउंड की काउंसलिंग के बाद भी देश भर के मेडिकल कॉलेजों में पीजी की करीब 18 हजार सीटें खाली रह गईं। जिसके बाद नीट पीजी-2025 एग्जाम का कट-ऑफ एससी/एसटी/ओबीसी कैटेगरी के लिए परसेंटाइल घटाकर जीरो कर दिया गया। 13 जनवरी को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन्स इन मेडिकल साइंसेज ने कटऑफ घटाने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया। इसके मुताबिक, रिजर्व कैटेगरी के लिए परसेंटाइल जीरो कर दिया गया, जो पहले 40 था। परसेंटाइल निकालने के फॉर्मूले के तहत एग्जाम में -40 मार्क्स पाने वाला कैंडिडेट भी अब काउंसलिंग में शामिल हो पाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे सीटें खाली नहीं रहेंगी। वहीं डॉक्टर्स आरोप लगा रहे हैं कि ये प्राइवेट कॉलेज की सीटें भरने के लिए किया गया है। इस फैसले के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में संचित सेठ ने एक जनहित याचिका दाखिल की थी। 21 जनवरी को हाई कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ये एग्जाम डॉक्टरों की क्वालिटी चेक करने का नहीं है, बल्कि उन्हें पीजी कोर्स में दाखिला दिलाने का है।

हालांकि अब भी एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है, जिस पर सुनवाई होनी है। एक प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे डॉक्टर ने नीट पीजी 2025 का एग्जाम दिया था। 3 साल पहले उन्होंने चेन्नई के एक सरकारी कॉलेज से एमबीबीएस पूरा किया। जीरो परसेंटाइल पर वे कहते हैं, 'ये सिर्फ और सिर्फ बड़े प्राइवेट कॉलेज को फायदे पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। डॉक्टर की काबिलियत से इसका कोई लेना-देना नहीं है। इनका सिर्फ एक ही मकसद है, खूब पैसे कमाकर प्राइवेट कॉलेज की सीट भरी जाए। मुझे लगता है कि एग्जाम कराने वाली बॉडी प्राइवेट कॉलेज के इशारों पर ऐसा करती है। परसेंटाइल पर विवाद पर वे कहते हैं, 'ये -40 या जीरो परसेंटाइल का विवाद नहीं है। जब आपने क्वालिफाइंग मार्क्स इतना घटा दिया है तो जीरो या उससे नीचे सब बराबर है।

इसे ऐसे बनाया गया है ताकि सिर्फ इसी (-40 मार्क्स) पर बात हो। नीट पीजी2025 में 'आंसर की' भी सही तरीके से नहीं दी गई थी। पिछले साल सितंबर में जब 'आंसर की' आई तो क्वेश्चन पेपर नहीं दिए गए, जिससे पता चल सके कि किस सवाल का जवाब गलत हुआ। वे आरोप लगाते हैं कि जितनी भी मेडिकल बॉडी हैं, वे प्राइवेट कॉलेज, बड़े कॉर्पोरेट हॉस्पिटल के लिए काम कर रही हैं। स्टूडेंट्स के लिए कोई काम नहीं कर रही हैं।

दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय हॉस्पिटल में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर नीतेश सेहरावत भी कहते हैं, 'इससे सिर्फ उन्हीं स्टूडेंट्स का फायदा होगा, जो प्राइवेट कॉलेज में ज्यादा फीस देकर पढ़ सकते हैं। जिसके मार्क्स कम हैं और उसके पास पैसे हैं, वो भला प्राइवेट कॉलेज में क्यों नहीं जाना चाहेगा। सच्चाई यही है कि जिसके 200-300 मार्क्स होंगे, तब भी वो अच्छी सीट नहीं ले सकता। आप अगर बराबरी लाने की बात करते हैं तो प्राइवेट कॉलेज की फीस भी नॉर्मल करिए, तभी कोई बात बनेगी। अभी तो सबका मकसद यही है कि प्राइवेट कॉलेज की सीट खाली ना जाए।' पिछले साल नीट पीजी 2025 का एग्जाम दिया था। वे कहते हैं कि कुछ तो क्वालिफिकेशन रखनी ही पड़ेगी ताकि एग्जाम का स्टैंडर्ड बना रहे। ये सही बात है कि नीट सिर्फ एडमिशन के लिए है। लोग पढ़ाई करके और एग्जाम देकर ही पोस्ट ग्रेजुएट होंगे।

ऐसे में फिर आप फीस ही नॉर्मलाइज कर दें।' नीट पीजी का एग्जाम कुल 800 मार्क्स का होता है। तीन घंटे के पेपर में 180 सवाल पूछे जाते हैं। कट-ऑफ रिवाइज होने से पहले जनरल/ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के लिए क्वालिफाइंग 50 पर्सेंटाइल था, जो 276 मार्क्स के बराबर था। वहीं एससी/एसटी/ओबीसी के लिए 40 पर्सेंटाइल था, जो 235 मार्क्स के बराबर था। देश के सरकारी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में पोस्ट ग्रेजुएट सीट की संख्या 80,291 है। 2014 में ये संख्या 31,185 थी। क्लीनिकल सीटें जैसे रेडियोलॉजी, सर्जरी, डर्मेटोलॉजी, जनरल मेडिसिन जैसे सब्जेक्ट की सीटें जल्दी भर जाती हैं।

जबकि सरकारी कॉलेजों में नॉन-क्लीनिकल (जिसमें मरीजों को ऑपरेट नहीं करते) सब्जेक्ट्स जैसे एनॉटामी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री की सीटें लगातार खाली रहने लगीं। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की महंगी फीस के कारण ज्यादातर स्टूडेंट वहां नहीं जा पाते हैं। इसलिए पिछले कुछ सालों से पर्सेंटाइल घटाया जाने लगा है। दरअसल NEET PG एंट्रेंस पास करने के लिए परसेंटाइल का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी अगर किसी का परसेंटाइल 50 आया है तो इसका मतलब होता है, एग्जाम में बैठने वाले 50% स्टूडेंट्स से उसने बेहतर परफॉर्म किया है। ये कैंडिडेट की रैंक और एग्जाम में शामिल कुल कैंडिडेट की संख्या पर निर्भर करता है। 2025 में जीरो या उससे कम मार्क्स लाने वाले कैंडिडेट की संख्या 126 है। इनमें से 14 कैंडिडेट के जीरो आए हैं। वहीं -40 मार्क्स लाने वाला सिर्फ एक कैंडिडेट है। इसलिए जीरो पर्सेंटाइल के हिसाब से सबसे कम स्कोर वाले को भी कट-ऑफ में रखा गया है। NBEMS ने जो नोटिफिकेशन जारी किया, उसके मुताबिक जीरो पर्सेंटाइल के तहत -40 मार्क्स तक के स्टूडेंट काउंसलिंग के काबिल हैं।

ये पहली बार नहीं है, जब NEET PG में कट-ऑफ पर्सेंटाइल जीरो किया गया है। इससे पहले 2023 में सभी कैटेगरी के स्टूडेंट्स के लिए कट-ऑफ पर्सेंटाइल जीरो किया गया था। हालांकि तब मेडिकल बॉडी ने जीरो पर्सेंटाइल के साथ मार्क्स नहीं बताया था। तब इस तरह का विरोध भी नहीं देखा गया था। इस पूरे विवाद पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) सरकार के फैसले को सपोर्ट कर रही है।12 जनवरी को IMA ने कट-ऑफ घटाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को चिट्ठी लिखी थी। जिसमें कहा कि मौजूदा कट-ऑफ से काबिल उम्मीदवार काउंसलिंग के प्रोसेस से बाहर हो जा रहे हैं। IMA के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार नायक बताते हैं कि संगठन को शिकायत मिल रही थी कि बहुत सारी सीटें खाली हैं और कट-ऑफ 50 पर्सेंटाइल से कम होने से ये सीटें भरी जा सकती हैं। वे कहते हैं, 'NEET PG देने के बाद किसी को डिग्री नहीं मिल जाती है।

इसमें 50% मार्क्स के साथ MBBS पास करने वाले स्टूडेंट बैठते हैं।' 'SC या OBC स्टूडेंट भी इतने या इससे ज्यादा मार्क्स से पास हुए हैं। इसलिए उनकी योग्यता पर सवाल नहीं है। ये डॉक्टर अब भी प्रैक्टिस कर सकते हैं, लेकिन वे पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए जा रहे हैं। पीजी में एडमिशन मिलने के बाद इन्हें भी तीन साल बाद 50% मार्क्स से पास होने के बाद ही डिग्री मिलेगी।' पर्सेंटाइल घटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार हो रही है। दो राउंड की काउंसलिंग हो चुकी है। उसके बाद 18,000 सीटें खाली हैं। इनमें आधी से ज्यादा सीट सरकारी मेडिकल कॉलेजों की हैं। जो लोग एससी/एसटी/ओबीसी स्टूडेंट्स को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, वे समझ लें कि ये (पर्सेंटाइल घटाना) सबके लिए किया गया है।

जो लोग राजनीति करना चाह रहे हैं, वही इस तरह की बातें कर रहे हैं। जनरल कैटेगरी के लिए 7 पर्सेंटाइल किया गया है। नियमों के मुताबिक, रिजर्व कैटेगरी के लिए इससे 10 पर्सेंटाइल कम होना चाहिए। इसलिए ये जीरो किया गया है। ये सभी काबिल डॉक्टर हैं। नेगेटिव प्रचार नहीं करना चाहिए। डॉ अनिल कहते हैं कि जो लोग एससी/एसटी/ओबीसी को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि MBBS के एडमिशन में इन कैटेगरी से आने वाले स्टूडेंट्स का मार्क्स और जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स के मार्क्स में ज्यादा अंतर नहीं होता है। ये सिर्फ रिजर्व कैटेगरी से आने वाले स्टूडेंट्स को बदनाम करने की मानसिकता है।

हालांकि फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA) सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहा है। उसका कहना है कि निगेटिव मार्क्स के साथ पीजी मेडिकल ट्रेनिंग की परमिशन देना किसी भी एकेडेमिक स्टैंडर्ड के हिसाब से सही नहीं है। FAIMA के चीफ एडवाइजर डॉ बिभू आनंद सवाल उठाते हैं कि सरकार का ये कदम प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की सीटें भरने के लिए किया गया है। ये कदम हेल्थ सेक्टर को नुकसान पहुंचा सकता है। प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलवाने का ये एक नेक्सस चल रहा है।

इसलिए पर्सेंटाइल इस तरह से कम किया जा रहा है। अगर किसी ने MBBS क्वालिफाई किया है तो फिर NEET PG में जीरो या नेगेटिव मार्क्स कैसे आ सकते हैं। कम से कम उन्हें बेसिक नॉलेज तो होगी। मेरिट वाले कैंडिडेट सरकारी कॉलेजों में ही जाएंगे। जीरो पर्सेंटाइल होने से प्राइवेट कॉलेज में पैसे देकर जाने का रास्ता साफ हो जाता है।' यह सभी के लिए गलत है।

NEET PG 2025
रिवाइज्ड कट-ऑफ डिटेल्स

जनरल-EWS (आर्थिक कमजोर)

पहले क्वालिफाइंग परसेंटाइल	50th
रिवाइज्ड क्वालिफाइंग परसेंटाइल	7th
रिवाइज्ड कट-ऑफ स्कोर	103

जनरल- PwBD (दिव्यांग)

पहले क्वालिफाइंग परसेंटाइल	45th
रिवाइज्ड क्वालिफाइंग परसेंटाइल	5th
रिवाइज्ड कट-ऑफ स्कोर	90

SC/ST/OBC+PwBD

पहले क्वालिफाइंग परसेंटाइल	40th
रिवाइज्ड क्वालिफाइंग परसेंटाइल	0th
रिवाइज्ड कट-ऑफ स्कोर	-40

क्या ईरान पर हमला करेगा अमेरिका?

तेजी से बढ़ रहा जंगी बेड़ा; ईरानी नेता बोले- खाड़ी के सभी अमेरिकी मिलिट्री बेस हमारे निशाने पर

अमेरिका और ईरान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के खिलाफ सैन्य विकल्प पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने ऐसे सैन्य विकल्पों की मांग की है, जिनका असर 'निर्णायक' हो। रक्षा मंत्रालय पेंटागन और व्हाइट हाउस ने इन पर काम करना शुरू कर दिया है। इनमें ईरानी शासन को सत्ता से हटाने की योजना भी शामिल है। दूसरी तरफ आज अमेरिकी जंगी बेडा USS अब्राहम लिंकन भी मिडिल ईस्ट पहुंच सकता है। इसके चलते आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान पर कोई अचानक सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी गतिविधियों के जवाब में ईरानी सुप्रीम काउंसिल के जावेद अकबरी ने कहा है कि मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सभी सैन्य अड्डे ईरान के निशाने पर हैं। हमारी मिसाइलें आदेश के इंतजार में दुश्मन पर गरजने को तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी जंगी जहाज USS अब्राहम लिंकन अरब सागर में ईरान की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

ईरान के कई शहर इसकी स्ट्राइक रेंज में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह अरब सागर में अमेरिकी सेंट्रल कमांड के जोन में आ चुका है। साथ ही अमेरिका का C 37-B एयरक्राफ्ट भी ईरान के उत्तर में तुर्कमेनिस्तान के अशगाबाद बेस पहुंच गया है। USS अब्राहम लिंकन पहले साउथ चाइना सी में तैनात था। 18 जनवरी को यह मलक्का स्ट्रेट पार कर हिंद महासागर में दाखिल हुआ। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक USS अब्राहम लिंकन 20 नॉट से ज्यादा की रफ्तार से आगे बढ़ा और बाद में अपनी लोकेशन छिपाने के लिए ऑटोमैटिक पहचान सिस्टम बंद कर दिया। इसी रफ्तार से चलने पर आज मिडिल ईस्ट में पहुंच सकता है। अब्राहम लिंकन के साथ कई डिस्ट्रॉयर जहाज और न्यूक्लियर पनडुब्बियां भी चल रही हैं। एयरक्राफ्ट कैरियर पर 48 से 60 F/A-18 फाइटर जेट मौजूद हैं। ये बिना ईंधन भरे 2300 किलोमीटर दूर तक हमला कर सकते हैं।

US एयरफोर्स ने जॉर्डन में कम से कम 12 F-15 फाइटर जेट्स तैनात किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि और विमान भी रास्ते में हैं। 20 से 22 जनवरी के बीच अमेरिकी C-17 सैन्य ट्रांसपोर्ट विमान कई बार जॉर्डन के मफराक अल-खवाजा एयरबेस पहुंचे। रिपोर्ट के मुताबिक इन विमानों से पैट्रियट-3 मिसाइल डिफेंस सिस्टम लाए गए हैं। इसके अलावा हिंद महासागर में स्थित डिएगो गार्सिया स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर लगातार कार्गो विमान उतर रहे हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका संभावित सैन्य ऑपरेशन के लिए रसद और सैनिकों की तैनाती कर रहा है। एक अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि मिडिल ईस्ट में अतिरिक्त एयर-डिफेंस सिस्टम तैनात करने पर भी विचार चल रहा है, ताकि इलाके में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ईरान के संभावित हमले से बचाया जा सके। एक वरिष्ठ ईरानी सैन्य अधिकारी जनरल अली अब्दोल्लाही अलीअबादी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने हमला किया तो मिडिल ईस्ट में उसके सभी सैन्य अड्डे और इजराल के केंद्र ईरान के निशाने पर होंगे। दूसरी तरफ इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) के कमांडर ने मोहम्मद पाकपुर ने कहा कि उनकी सेना की उंगली ट्रिगर पर है। गुरुवार को एक लिखित बयान में पाकपुर ने कहा कि ईरान की सेना पहले से ज्यादा तैयार है।

इजराइल के अर्थव्यवस्था मंत्री नीर बरकात ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने इजराइल के खिलाफ फिर से कोई हमला किया, तो उसे पहले से "सात गुना ज्यादा ताकत" से जवाब दिया जाएगा। स्विट्जरलैंड के दावोस में मीडिया से बात करते हुए बरकात ने कहा कि इजराइल पहले भी ईरान को निशाना बना चुका है और आगे किसी भी उकसावे पर जवाब और ज्यादा कठोर होगा। उन्होंने दावा किया कि पिछली सैन्य कार्रवाई में इजराइल ने ईरान की सैन्य कमजोरी को उजागर कर दिया है। ईरान में 5000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत रॉयटर्स ने एक ईरानी अधिकारी के हवाले से बताया ईरान में अब तक 5000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 500 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। ईरान में 28 दिसंबर को मंहगाई के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुए थे, जो बाद में पूरे देश में फैल गए।

अमेरिकी मानवाधिकार संगठन HRANA के मुताबिक, अब तक 4519 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 4,251 प्रदर्शनकारी शामिल हैं। 9,049 मौतों की अभी जांच चल रही है। डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में सत्ता परिवर्तन की खुलकर वकालत की है। उन्होंने पिछले हफ्ते पोलिटिको से कहा, "ईरान में नए नेतृत्व के बारे में सोचने का वक्त आ गया है।" उन्होंने ईरानी नागरिकों से विरोध प्रदर्शन जारी रखने और संस्थानों पर कब्जा करने की अपील भी की थी। हालांकि अगले दिन ट्रम्प ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि बंदियों को फांसी देने की योजना फिलहाल रोकी गई है। दूसरी ओर, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने ट्रम्प पर ईरान में हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरानी जनता को हुए नुकसान और मौतों के जिम्मेदार हैं। इसके जवाब में ट्रम्प ने खामेनेई पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ईरान की तबाही के लिए वही जिम्मेदार हैं और वहां डर और हिंसा के जरिए शासन चलाया जा रहा है।

रूस कर रहा खेल, अमेरिका बेबस, भारत-चीन को फायदा

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। हाल के दिनों में भारत ने रूस से तेल की खरीदारी कम की है लेकिन रूस अब भी भारत के लिए क्रूड का सबसे बड़ा सप्लायर बना हुआ है। रूस के तेल पर अमेरिका और पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगा रखा है। इस बीच अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला करके वहां के तेल को बेचना शुरू कर दिया है। साथ ही ईरान पर प्रतिबंध और बढ़ाने की बात कही है। इससे शैडो फ्लीट या डार्क फ्लीट एक बार फिर चर्चा में है। यह टैंकरों का एक ऐसा नेटवर्क होता है जिनका यूज रूस, ईरान और वेनेजुएला के प्रतिबंधित तेल का कारोबार होता है। एक अनुमान के मुताबिक इसका साइज ग्लोबल टैंकर की कुल क्षमता को करीब 18.5% है।

इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह बिजनेस कितना बड़ा है। तेल का इस काले खेल का सबसे बड़ा खिलाड़ी रूस है। डार्क फ्लीट में अक्सर पुराने जहाजों का यूज किया जाता है। इनमें से ज्यादातर पश्चिमी देशों की कंपनियों के होते हैं। ये अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को चकमा देने के लिए कई तरह के अवैध तरीके अपनाते हैं। इनमें फर्जी झंडे लगाना, फर्जी लोकेशन भेजना, बार-बार नाम बदलना और जीपीएस सैटेलाइट से बचने के लिए ट्रांसपोंडर बंद करना शामिल है। इन जहाजों का ऑनरशिप स्ट्रक्चर इतना जटिल होता है कि उन्हें पकड़ पाना आसान नहीं होता है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद ऐसे जहाजों की संख्या में बड़ी तेजी आई है। ये जहाज रूस के बाल्टिक और ब्लैक सी बंदरगाहों से तेल लेकर जाते हैं और इससे रूस को सालाना अरबों डॉलर की कमाई होती है।

दुनिया में शैडो फ्लीट में 3,300 से अधिक जहाज हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक हाल के दिनों में सिंगापुर के आसपास इस तरह की जहाजों की बड़ी मूवमेंट देखी गई है। ये जहाज अक्सर प्रतिबंधित तेल और सैन्य साजोसामान ले जाते है। अमूमन ये रात के समय जहाजों के बीच कार्गो को ट्रांसफर करते हैं। अक्सर मलेशिया के तट पर इस तरह के एक्टिविटी को अंजाम दिया जाता है। इससे सेफ्टी और पर्यावरण को गंभीर खतरा हो सकता है। इनमें से अधिकांश कंपनियों का मालिकाना हक ऐसी शेल कंपनियों के पास होता है जो दुबई जैसे देशों से ऑपरेट करती हैं।

जानकारों का कहना है कि यह पता लगाना मुश्किल होता है कि इन जहाजों का मालिक कौन हैं और उनका बीमा कौन करता है। अक्सर वे बंकरिंग करते थे, जो जहाजों के बीच समुद्र में फ्यूल ट्रांसफर करने की प्रक्रिया है। इससे यह ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है कि वह जहाज वास्तव में कहां से आया है और वह तेल कहां से आया है।

कभी-कभी, वे तेल मिलाते हैं, इसलिए आपके पास एक वैध जहाज होगा जो समुद्र में एक शैडो फ्लीट के साथ जहाज-से-जहाज ट्रांसफर करेगा और वे तेल मिला देंगे ताकि यह पता लगाना मुश्किल हो जाए कि वह तेल वास्तव में कहां से आया है। रूस और ईरान ग्लोबल मार्केट में प्रतिबंधित कच्चे तेल के प्रमुख विक्रेता हैं जबकि खरीदारों में भारत और चीन सबसे ऊपर हैं। Kpler के अनुसार 2025 के अंतिम तीन महीनों में भारत और चीन ने शेडो फ्लीट से करीब 20 फीसदी कच्चा तेल खरीदा। एसएंडपी की एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है।

यह तेल चीन तक एक अस्पष्ट प्रक्रिया के जरिए पहुंचता है। ईरानी कच्चे तेल ले जाने वाले जहाज दक्षिण पूर्व एशिया के तटीय इलाकों में दूसरे जहाजों में अपना माल शिफ्ट करते हैं। फिर ये जहाज चीनी बंदरगाहों की ओर बढ़ते हैं। शैडो फ्लीट 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से चर्चा में आया। पश्चिमी देशों ने रूस के तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था। इन प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस ने तेल टैंकरों का एक डार्क फ्लीट डेवलप किया।

Kpler के अनुसार 2022 में इस बेडे. में केवल 97 जहाज थे लेकिन 2025 के अंत तक यह बेड़ा 3,313 जहाजों तक पहुंच गया। पिछले साल इस डार्क फ्लीट ने करीब 100 बिलियन डॉलर का क्रूड ट्रांसपोर्ट किया जो ग्लोबल ऑयल फ्लो का 6-7% था। इतना ही नहीं पश्चिमी देशों का आरोप है कि रूस इनका यूज स्पाइंग यानी जासूसी के लिए भी कर रहा है। इनके जरिए समुद्र में अमेरिका और दूसरे देशों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

डीजीपी के अश्लील वीडियो में महिलाएं कौन

सुसाइड के लिए उकसाने-वसूली के आरोप, 14केजी गोल्ड स्मगल करते पकड़ी गई थी एक्ट्रेस बेटी

19 जनवरी, 2026 की दोपहर एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल होना शुरू हुआ। इसमें पुलिस की वर्दी पहने एक शख्स महिलाओं से अश्लील हरकतें करते दिख रहा है। दावा किया गया कि ये शख्स कर्नाटक के डीजीपी रामचंद्र राव हैं और वीडियो उनके ऑफिस का है। शाम होते-होते सीएम सिद्धारमैया ने राव के खिलाफ जांच के आदेश दिए और 20 जनवरी को उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। वीडियो में दिख रहीं महिलाएं कौन हैं, ये अभी तक पता नहीं चला है। पुलिस सोर्स के मुताबिक, वीडियो 2017 का है। तब राव नॉर्थ रेंज के आईजी थे। वायरल वीडियो पर राव का कहना है कि यह फर्जी है और इसे बनाने वालों पर केस करूंगा।

राव पहले भी विवादों में रहे हैं। उन पर कारोबारियों से जब्त पैसे हड़पने, सोने की तस्करी में आरोपी बेटी को बचाने के आरोप लग चुके हैं। बेंगलुरु सिटी के पुलिस कमिश्नर रह चुके IPS भास्कर राव दावा करते हैं कि रामचंद्र राव से तंग होकर पहले भी महिलाएं सुसाइड कर चुकी हैं। सीएम ऑफिस से मिले आदेश के बाद वीडियो क्लिप की जांच की गई। टीम में शामिल कर्नाटक पुलिस के एक सीनियर ऑफिसर ने बताया, '47 सेकेंड का ये वीडियो सीक्रेट तरीके से शूट किया गया है। इसे कई अलग-अलग क्लिप जोड़कर बनाया गया है। इसे शूट करने की तारीख अभी स्पष्ट नहीं है। रामचंद्र राव ने पुलिस को बताया है कि वीडियो में दिख रहा ऑफिस बेलगावी का है। वहां वे 8 साल पहले पोस्टेड थे। उनके बयान के आधार पर वीडियो में नजर आ रही महिला का पता लगा रहे हैं। उस तक पहुंचना अभी मुश्किल है क्योंकि महिला ने रामचंद्र राव के खिलाफ इस मामले में कोई शिकायत नहीं की थी। कर्नाटक पुलिस के सोर्स ने बताया कि दो एंगल से पूरे मामले की जांच की जा रही है: पहला किसी ने निजी फायदे के लिए रामचंद्र राव को हनीट्रैप में फंसाने की कोशिश की है। दूसरा किसी ने साजिशन महिला से उनका अवैध रिश्ता उजागर करने के लिए ऐसा किया हो। DGP राव मई, 2026 में रिटायर होने वाले हैं। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या उनकी छवि खराब करने के लिए जानबूझकर यह हरकत की गई। रामचंद्र राव ने दावा किया है कि ये क्लिप AI के जरिए बनाई गई है।

उन्होंने कहा, 'मैं भी सोच रहा हूं कि यह कैसे और कब हुआ और किसने किया। इस जमाने में कुछ भी हो सकता है। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। ये मुझे बदनाम करने की साजिश है। मैं गृहमंत्री से इसकी शिकायत करूंगा और उन्हें समझाऊंगा कि मेरे खिलाफ गलत जानकारी फैलाई जा रही है। हालांकि, जांच के बाद कर्नाटक सरकार ने माना कि राव की गतिविधियां अखिल भारतीय सेवा कोड ऑफ कंडक्ट, 1968 के नियम 3 का उल्लंघन हैं। इसलिए IPS रामचंद्र राव को DGP के पद से सस्पेंड कर दिया गया। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राव के सस्पेंशन का आदेश जारी करते हुए कहा- 'DGP ने अभद्र व्यवहार किया है। ये एक सरकारी कर्मचारी के लिए अशोभनीय है और इससे सरकार को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।' आदेश में कहा गया है कि सस्पेंशन के दौरान राव राज्य सरकार की लिखित अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकते। बेंगलुरु सिटी के पुलिस कमिश्नर रह चुके रिटायर्ड IPS ऑफिसर भास्कर राव दावा करते हैं कि रामचंद्र राव का रिकॉर्ड शुरुआत से खराब रहा है। वे कहते हैं, 'रामचंद्र राव चिकमंगलूर का SP था, तब भी उसके दूसरी महिलाओं से रिश्ते थे। उस पर सोने की तस्करी और अवैध वसूली जैसे आरोप लग चुके हैं। सरकार को उसे तुरंत पुलिस सर्विस से हटा देना चाहिए।'

भास्कर राव आरोप लगाते हैं कि रामचंद्र राव का नाम कई बार जूनियर स्टाफ के साथ गलत बर्ताव की वजह से चर्चा में रहा। उसने खासकर उन महिला पुलिसकर्मियों को परेशान किया, जो बेंगलुरु के बाहर से आती थीं। कलबुर्गी में एक महिला ने इसकी वजह से सुसाइड कर ली थी। बाद में ये मामला दबा दिया गया। 3 मार्च, 2025 को रामचंद्र राव की सौतेली बेटी और कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 14 किलो से ज्यादा सोने के साथ अरेस्ट किया गया था। राजस्व खुफिया निदेशालय के मुताबिक, रान्या के पास 14.2 किलो सोना था, जिसकी कीमत 12.56 करोड़ रुपए थी। जांच में पता चला कि उसने एयरपोर्ट की सुरक्षा जांच से बचने के लिए प्रोटोकॉल का गलत इस्तेमाल किया था। इसमें रामचंद्र राव ने भी उसकी मदद की थी।

भारत से एक्स्ट्रा 25% टैरिफ हटा सकता है अमेरिका

वित्तमंत्री बोले- भारत ने रूस से तेल खरीद घटाई, ये अमेरिका की बड़ी जीत

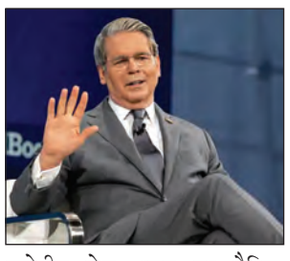

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प सरकार भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ में से आधा टैरिफ हटाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने गुरुवार को अमेरिकी मीडिया वेबसाइट पॉलिटिको को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, इसलिए टैरिफ में राहत देने की गुंजाइश बन रही है।

बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25% टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है। उन्होंने कहा कि टैरिफ अभी भी लागू हैं, लेकिन अब इन्हें हटाने का रास्ता निकल सकता है।

अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था। पहली बार 1 अगस्त को व्यापार घाटे को लेकर 25% टैरिफ लगाया गया। इसके बाद 27 अगस्त को रूस से तेल खरीदने की वजह से एक बार और 25% टैरिफ लगाया गया।

बेसेंट ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा है।

बेसेंट रूसी तेल खरीदने पर लगने वाले 500% टैरिफ प्रस्ताव पर बोल रहे थे। इसमें अमेरिका उन देशों पर 500% तक टैरिफ लगा जा सकता है, जो रुस का तेल खरीदते हैं।

बेसेंट ने कहा कि 500% टैक्स लगाने का प्रस्ताव सीनेटर ग्राहम ने सीनेट में रखा है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रम्प को इसकी जरूरत नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के पास पहले से ही एक कानून (आईईईपीए) के तहत यह अधिकार है कि वे राष्ट्रीय आपात स्थिति का हवाला देकर दूसरे देशों पर भारी आर्थिक प्रतिबंध या टैक्स लगा सकते हैं।

अमेरिका, पुतिन पर दबाव बढ़ाने के लिए भारत समेत कई देशों से कह रहा है कि वे रूस से तेल खरीद बंद करें। भारत ने इस दबाव को गलत और अनुचित बताया है और कहा है कि उसकी एनर्जी पॉलिसी देश के हितों के हिसाब से तय होती है।

पिछले हफ्ते दावोस में भी बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से कहा था कि ट्रम्प के 25% टैरिफ लगाने के बाद भारत ने तेल की खरीद काफी कम कर दी थी और अब लगभग बंद कर दी है।

कुछ हालिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत की कुछ निजी कंपनियों ने रूस से तेल इंपोर्ट कम किया है, लेकिन भारत सरकार का कहना है कि रूस से तेल की खरीद जारी है।

भारत रूसी तेल खरीदने के मामले में तीसरे नंबर पहुंचा

भारत दिसंबर 2025 में रूस से तेल खरीदने के मामले में तीसरे नंबर पर खिसक गया। इस दौरान तुर्किये ने भारत को पीछे छोड़ते हुए रूस का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। तुर्किये ने दिसंबर में रूस से 2.6 बिलियन यूरो यानी करीब 27,300 करोड़ रुपए का तेल खरीदा।

भारत ने दिसंबर में रूस से 2.3 बिलियन यूरो यानी लगभग 23,000 करोड़ रुपए का हाइड्रोकार्बन इंपोर्ट किया। नवंबर में यह आंकड़ा 3.3 बिलियन यूरो यानी करीब 34,700 करोड़ रुपए था, यानी एक महीने में भारत की खरीद में काफी गिरावट आई।

चीन अब भी रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बना हुआ है। चीन ने दिसंबर में रूस से 6 बिलियन यूरो यानी करीब 63,100 करोड़ रुपए का तेल खरीदा। भारत के रूसी तेल आयात में आई इस बड़ी गिरावट की सबसे बड़ी वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज रही।

कनाडा के बाद ब्रिटेन से झगड़ा मोल ले बैठे ट्रम्प

कहा- अफगानिस्तान में नाटो सैनिक लड़ाई से दूर रहे ब्रिटिश पीएम बोले- यह हमारे सैनिकों का अपमान

लंदन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कनाडा के पीएम मार्क के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से झगड़ बैठे हैं। स्टार्मर ने ट्रम्प के अफगानिस्तान में यूरोपीय सैनिकों के बारे में दिए गए बयान को अपमानजनक और चौंकाने वाला बताया है।

ट्रम्प ने गुरुवार को फॉक्स नेटवर्क के एक इंटरव्यू में कहा था कि अमेरिका को कभी नाटो गठबंधन की जरूरत नहीं पड़ी और यूरोपीय सहयोगी अफगानिस्तान में फ्रंट लाइन्स से पीछे रहे थे। उन्होंने दावा किया कि सहयोगी देशों ने कुछ सैनिक भेजे जरूर थे, लेकिन वे बड़ी लड़ाई से दूर रहे।

इस बयान पर स्टार्मर ने शुक्रवार को कहा-स्टार्मर ने कहा कि अगर खुद उन्होंने ऐसा कोई गलत बयान दिया होता तो वे लोगों से माफी मांगते। वहीं, ब्रिटिश प्रिंस हैरी ने कहा कि नाटो सैनिकों के बलिदान को सच्चाई और सम्मान के साथ याद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं वहां सेवा दे चुका हूं। मैंने आजीवन दोस्त बनाए और कई दोस्त खोए भी।'

प्रिंस हैरी ब्रिटेन के राजा चार्ल्स III के छोटे बेटे हैं और वे वेल्स के प्रिंस विलियम के छोटे भाई हैं। वे ड्यूक ऑफ ससेक्स के खिताब से जाने जाते हैं। प्रिंस हैरी ब्रिटिश आर्मी में सेवा दे चुके हैं, वे दो बार अफगानिस्तान में तैनात हुए थे।

प्रिंस हैरी अपाचे हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में काम कर चुके हैं। अफगानिस्तान युद्ध में उनकी सेवा काफी चर्चित रही और उन्होंने कई बार कहा है कि सेना ने उन्हें एक बड़ा मकसद दिया था। डच विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने ट्रम्प के बयान को झूठा बताया। पोलैंड के पूर्व विशेष बल कमांडर और रिटायर्ड जनरल रोमन पोल्को ने कहा कि ट्रम्प ने हद पार कर दी है।

उन्होंने कहा, हमने इस गठबंधन के लिए खून बहाया, अपनी जानें दीं। हमने साथ मिलकर लड़ाई की लेकिन सभी घर नहीं लौटे। पोलैंड के रक्षा मंत्री व्लादिस्लाव कोसिनियाक-कामिश ने कहा कि पोलैंड के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और इसे कमतर नहीं दिखाया जा सकता। ब्रिटेन के पूर्व एमआई6 प्रमुख रिचर्ड मूर ने कहा कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने सीआईए के बहादुर अधिकारियों के साथ खतरनाक मिशनों में काम किया और अमेरिका को अपना सबसे करीबी सहयोगी माना। ट्रम्प के बयान पर ब्रिटेन के लिबरल डेमोक्रेट्स नेता एड डेवी ने एक्स पर लिखा कि ट्रम्प ने वियतनाम युद्ध में ड्राफ्ट से बचने के लिए पांच बार छूट ली थी, फिर वे दूसरों के बलिदान पर सवाल कैसे उठा सकते हैं।

अफगानिस्तान में नाटो के तहत मुख्य रूप से दो बड़े अभियान चले, जिनमें ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड, डेनमार्क सहित दर्जनों देशों के हजारों सैनिकों ने हिस्सा लिया।

पहला और सबसे बड़ा अभियान अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा सहायता बल (आईएसएएफ) था, जो 2001 से 2014 तक चला। इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आदेश पर शुरू किया गया और 2003 से नाटो ने इसका नेतृत्व संभाला।

भारतीय मूल के व्यक्ति ने मामूली झगड़े के बाद पत्नी को गोली मारी

3 रिश्तेदारों की भी हत्या की

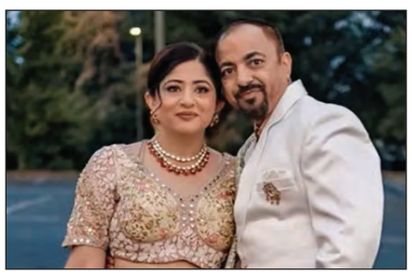

वाशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के जॉर्जिया में एक भारतीय व्यक्ति ने मामूली झगड़े के बाद अपनी पत्नी और तीन रिश्तेदारों की गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि मामला घरेलू विवाद से जुड़ा है और 51 वर्षीय विजय कुमार नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फायरिंग के वक्त घर के अंदर तीन बच्चे मौजूद थे। खुद को बचाने के लिए बच्चे एक अलमारी में छिप गए थे। बच्चों ने ही पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। अटलांटा स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता दी जा रही है। दूतावास ने ट्वीट किया, एक पारिवारिक विवाद से जुड़ी इस गोलीबारी की घटना से हम बेहद दुखी हैं। घटना की सूचना शुक्रवार को पुलिस को दी गई। पुलिस जब मौके पर पहुंचे, तो घर के अंदर चार लोगों के शव मिले।

पुलिस ने पीड़ितों की पहचान विजय कुमार की पत्नी 43 साल की मीमू डोगरा, लॉरेंसविले के रहने वाले 33 साल के गौरव कुमार, 37 साल की निधि चंदर और 38 साल के हरीश चंदर के रूप में की है।

यूरोप की सबसे ताकतवर फ्रांस-जर्मनी की जोड़ी टूटने के करीब

मेलोनी के साथ दोस्ती बढ़ा रहे जर्मन चांसलर, मैक्रों से क्यों हुए नाराज

बर्लिन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जर्मनी और फ्रांस यूरोप की सबसे ताकतवर जोड़ी मानी जाती रही है। लेकिन अब इसमें दरार आने लगी है। यूरो न्यूज के मुताबिक जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज अब इटली की दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ दोस्ती बढ़ा रहे हैं।

मर्ज ने इसका इशारा दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से ही कर दिया था। उन्होंने कहा कि 23 जनवरी को रोम में होने वाली इटली-जर्मनी समिट में वह और मेलोनी मिलकर यूरोपीय यूनियन को बेहतर और अलग तरीके से चलाने के लिए कुछ नए सुझाव सामने रखेंगे।

अमेरिकी वेबसाइट द पॉलिटिको के मुताबिक मर्ज-मेलोनी दोनों ही दक्षिणपंथी सोच वाले हैं, अमेरिका के साथ रिश्तों को जरूरी मानते हैं और ट्रम्प के साथ टकराव से बचना चाहते हैं। इसके अलावा दोनों की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से कुछ न कुछ नाराजगी भी है।

यही वजह है कि पहले जर्मनी यूरोपीय नीति तय करने के लिए फ्रांस की ओर देखता था। लेकिन अब व्यापार, उद्योग और अमेरिका से रिश्तों जैसे मुद्दों पर आगे बढ़ने के लिए इटली के साथ खड़ा दिख रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक मर्ज का मेलोनी की ओर झुकाव आंशिक रूप से फ्रांस से नाराजगी की वजह से है। जर्मनी इस बात से खफा है कि फ्रांस ने दक्षिण अमेरिका के साथ होने वाले मर्कोसुर ट्रेड डील को कमजोर करने की कोशिश की।

मर्कोसुर दक्षिण अमेरिका का एक क्षेत्रीय व्यापार समूह है। इसमें ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे, पराग्वे जैसे देश शामिल हैं। यूरोपीय यूनियन इन देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करना चाहता है। जर्मनी की इकोनॉमी निर्यात पर टिकी है। उसे इस समझौते में ज्यादा फायदा नजर आ रहा है।

वहीं, फ्रांस इस समझौते का विरोध कर रहा है। फ्रांस में किसान बहुत बड़े राजनीतिक ताकत रखते हैं। किसान संगठनों को लगता है कि दक्षिण अमेरिका से सस्ता अनाज, डेयरी, बीफ के आयात से उनकी इंडस्ट्री तबाह हो जाएगी। मैक्रों सरकार को किसानों के नाराज होने का डर है। इस वजह से वे मर्कोसुर डील को टालमटोल कर रहे हैं।

जर्मनी का कहना है कि सालों की बातचीत के बाद यह समझौता तैयार हुआ लेकिन फ्रांस घरेलू राजनीति और किसानों के दबाव में इसे रोक रहा है।

मर्कोसुर के अलावा दोनों देशों के बीच 100 अरब यूरो (10.7 लाख करोड़) के एक फाइटर जेट प्रोजेक्ट को लेकर भी विवाद है। इस प्रोजेक्ट का नाम फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (FCAS) है। यह एक पूरा एरियल वॉरफेयर सिस्टम है।

15 हजार के लिए मां और नवजात को 6 दिन बंधक बनाया

बोली-अस्पताल में 5000 जमा कराया, 3 साल के बेटे को भी रोके रखा, नॉर्मल-डिलीवरी से जन्म

गरियाबंद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से सटे ओडिशा के एक निजी हॉस्पिटल में डिलीवरी के बाद गर्भवती, नवजात और उसके तीन साल के बेटे को बंधक बनाने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार भुजिया जनजाति से है। धर्मगढ़ स्थित मां भंडारणी क्लिनिक में डिलीवरी के बाद 15 हजार नहीं चुकाने पर तीनों को प्रबंधन ने 6 दिन तक बंधक बनाकर रखा।

मैनपुर की रहने वाली नवीना चींदा (23 साल) को लेबर पेन होने पर परिवार उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां नॉर्मल डिलीवरी होने पर 20 हजार का बिल बना। परिवार सिर्फ 5 हजार ही चुका पाया, 15 हजार कहीं से भी लाकर देने की बात कही। पीड़िता की सास पैसों के इंतजाम के लिए गांव वापस लौटी। मामला मीडिया में आया तो जवाब लेने जब पत्रकार संचालक के पास पहुंचे तो उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि परिवार ने पैसों की दिक्कत बताई होती तो उन्हें पहले ही जाने देते। वहीं, संचालक चैतन्य मेहेर ने कैमरा भी बंद करवा दिया जिसके बाद मां, नवजात और उसके 3 साल के बेटे को एंबुलेंस से गांव भेजा गया। जिले के आदिवासी ब्लॉक मैनपुर के मूचबहल के मालिपारा वार्ड की रहने वाली नवीना चींदा को 18 जनवरी को लेबर पेन उठा। जिसके बाद कालाहांडी के धर्मगढ़ स्थित मां भंडारणी क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। उसी दिन नॉर्मल डिलीवरी के बाद उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया।

अमेरिका के 15 राज्यों में बर्फीले तूफान का खतरा

इमरजेंसी घोषित, 20 करोड़ लोगों पर संकट, 7000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में बर्फीले तूफान की चेतावनी के बाद 15 राज्यों में इमरजेंसी ने घोषित कर दी गई है। वहीं दो दिनों में 7000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, 20 करोड़ यानी करीब दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में आ सकते हैं।

तूफान के डर से लोग ग्रॉसरी स्टोर पर जमा हो रहे हैं। कई दुकानों में पानी, अंडे, मक्खन और मीट की कमी हो गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तूफान के साथ भारी बर्फबारी, बारिश और ठंड आएगी, जिससे हालात बेहद खतरनाक हो सकते हैं।

ट्रांसपोर्टेशन अधिकारियों ने वीकेंड पर यात्रा में देरी और कैंसिलेशन की चेतावनी दी है। कई बड़े शहरों के एयरपोर्ट भी इससे प्रभावित हुए हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, शनिवार को अमेरिका में 3,200 से अधिक उड़ानें और रविवार को करीब 4,800 से उड़ानें रद्द हुईं। मौसम विभाग के मुताबिक यह तूफान अमेरिका के हाई प्लेन्स से शुरू होकर धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ेगा। इसके असर से मेम्फिस, नैशविल, वॉशिंगटन डीसी, बाल्टीमोर, फिलाडेल्फिया और न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों में बर्फबारी होगी।

सदर्न रॉकीज और प्लेन्स से लेकर मिड-अटलांटिक होते हुए नॉर्थ-ईस्ट तक भारी बर्फ गिरने का अनुमान है। NWS के अनुसार, कोलोराडो से लेकर वेस्ट वर्जीनिया और बोस्टन तक कई इलाकों में 12 इंट से ज्यादा बर्फ पड़ सकती है।

न्यूयॉर्क शहर के आसपास के कुछ हिस्सों में रविवार सुबह से सोमवार तक 10 से 14 इंच बर्फबारी हो सकती है और 30 मील प्रति घंटे की हवाएं चल सकती हैं। दक्षिण-पूर्वी अमेरिका के बड़े हिस्से में भी जमने वाली ठंड होगी। अमेरिका के कई राज्य इस समय भीषण ठंडी हवाओं से जूझ रहे हैं। इसकी बड़ी वजह पोलर वोर्टेक्स (ध्रुवीय भंवर) को माना जा रहा है। पोलर वोर्टेक्स में हवाएं काउंटर क्लॉकवाइज (घड़ी की उल्टी दिशा) बहती हैं।

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 8 लोगों की मौत

80 से ज्यादा लापता, तलाश में जुटे बचावकर्मी

नुसंतारा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में शनिवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। इसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 82 लोग लापता हो गए। बचावकर्मी गहरे कीचड़ में फंसे लोगों की तलाश में जुटे रहे। कई दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण नदियां उफान पर आ गईं। पश्चिम जावा प्रांत के पश्चिम बांडुंग जिले के पासिर लांगू गांव में तबाही मचा दी। कीचड़, चट्टानें और पेड़ पहाड़ की ढलान से नीचे लुढ़क गए, जिससे लगभग 34 घर दब गए।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि बचावकर्मी कीचड़ और मलबे के ढेर के नीचे दबे होने की आशंका वाले 82 निवासियों की तलाश कर रहे थे, जबकि 24 लोग आपदा से बचने में कामयाब रहे। सुबह 3 बजे हुए भूस्खलन में घर और लोग बह जाने के बाद सबसे बुरी तरह प्रभावित पासिर कुनिंग गांव से लगभग आठ शव निकाले गए। टेलीविजन स्टेशनों ने पासिर लांगू में श्रमिकों और निवासियों द्वारा हताशा में खुदाई करते हुए फुटेज प्रसारित किए, जहां सड़कें और हरे-भरे सीढ़ीदार चावल के खेत कीचड़ भरे भूरे रंग के कीचड़ में बदल गए थे, क्योंकि गांव मोटी मिट्टी, चट्टानों और उखड़े हुए पेड़ों से ढका हुआ था।

पश्चिम जावा के आपदा प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख टेटेन अली मुंगकु एंगकुन ने कहा, अस्थिर मिट्टी और भारी बारिश खोज और बचाव कार्यों को जटिल बना रही है। उन्होंने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने भूस्खलन के तुरंत बाद नुकसान का आकलन किया। आपोतकालीन बचाव दल तैनात किए। भूस्खलन क्षेत्र से 100 मीटर (गज) के दायरे में रहने वाले परिवारों को भूस्खलन के और अधिक होने की आशंका के चलते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और यदि उन्हें गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दे, मिट्टी हिलती हुई दिखाई दे या उन्हें लगे कि स्थिति असुरक्षित है तो तुरंत खाली करने का आग्रह किया।

चीनी सेना के शीर्ष तक पहुंचा जिनपिंग का 'सफाई अभियान'

टॉप जनरल झांग बर्खास्त, कुछ बड़ा होने वाला है?

बीजिंग, 24 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में सेना के अंदर भ्रष्टाचार को लेकर लंबे समय से चल रही जांच शीर्ष स्तर तक पहुंच गई है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने सबसे सीनियर जनरल झांग यूक्सिया को पद से हटा दिया है। उनको भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के दायरे में लाते हुए बर्खास्त किया गया है। यह चीनी सेना में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई में और तेजी आने का संकेत है।

शी ने हालिया महीनों में कई शीर्ष सैन्य अफसरों को उनके पदों से हटाया है। इस घटनाक्रम ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में शुमार चीनी आर्मी को प्रभावित कर रहा है।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को अपने बयान में कहा, 'कम्युनिस्ट पार्टी के सैन्य फैसले लेने वाली टॉप बॉडी के दो वाइस चेयरमैन में सीनियर और चीन के नंबर-1 जनरल झांग यूक्सिया के खिलाफ अनुशासन और कानून उल्लंघन के आरोपों की जांच हो रही है। जनरल झांग यूक्सिया 1989 के तियानमेन स्क्वायर विरोध प्रदर्शनों के बाद से सेना में सबसे सीनियर एक्टिव सदस्य हैं, जिन्हें बर्खास्तगी का सामना करना पड़ा है।

जांच के दायरे में आए जनरल झांग शक्तिशाली केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के उपाध्यक्ष हैं। सीएमसी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीनी सेना की सर्वोच्च कमान है। सीएमसी में झांग की स्थिति उन्हें चीनी सेना में सर्वोच्च रैंक का सैन्य अधिकारी बनाती है। ऐसे में इस कार्रवाई ने चीन के बाहर भी दुनिया का ध्यान खींचा है।

झांग के साथ जांच के दायरे में आए दूसरे वरिष्ठ अधिकारी जनरल लियू जेनली हैं। जेनली सीएमसी के सदस्य और ज्वाइंट स्टाफ डिपार्टमेंट में चीफ ऑफ स्टाफ हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि सीपीसी केंद्रीय समिति ने विचार विमर्श के बाद झांग यूक्सिया और लियू जेनली के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया।

चतरा जवाहर नवोदय विद्यालय में घुसा जंगली हाथी

चहारदीवारी तोड़ कैंपस में घुसा, फुटबॉल पोस्ट तोड़ा, दो घंटे डरे-सहमे रहे स्टूडेंट्स

कोडरमा/चतरा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा जिले में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला जिला मुख्यालय स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय का है, जहां देर शाम एक जंगली हाथी अचानक घने जंगलों से निकलकर स्कूल परिसर में घुस आया। हाथी ने स्कूल की चारदीवारी को तोड़ते हुए भीतर प्रवेश किया।

हाथी के आने से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। चिंघाड़ने की तेज आवाज सुनते ही छात्रावास में रह रहे छात्र और शिक्षक अपनी जान बचाने के लिए कमरों में दुबक गए। हाथी ने सबसे ज्यादा नुकसान स्कूल के खेल मैदान में पहुंचाया। मैदान में लगे फुटबॉल के गोल पोस्ट को उसने उखाड़ फेंका और अभ्यास के लिए लगाए गए नेट को पूरी तरह कुचल दिया। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, यह नुकसान लाखों रुपए का है। स्टूडेंट्स और शिक्षकों ने बताया कि हाथी पहले मैदान में इधर-उधर दौड़ा और फिर गोल पोस्ट को धक्का देकर गिरा दिया। बच्चों के नियमित अभ्यास के लिए तैयार किया गया मैदान कुछ ही मिनटों में बर्बाद हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना के समय कोई छात्र मैदान में मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

संघर्ष विराम की बातचीत के बीच भी रूस-यूक्रेन के हमले जारी

कीव, 24 जनवरी (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में संयुक्त अरब अमीरात में संघर्ष विराम के मुद्दे पर बातचीत हो रही हैं। हालांकि संघर्ष विराम की बातचीत के बीच भी हमले जारी हैं। रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन की राजधानी कीव में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

कीव के शहरी सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने एक बयान जारी कर कहा कि रूसी ड्रोन के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और चार अन्य घायल हुए हैं। वहीं यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में भी रूस ने हमला किया। इस हमले में 14 लोग घायल हुए हैं।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधि संयुक्त अरब अमीरात में संघर्ष विराम पर चर्चा के लिए शनिवार को दूसरे दिन मिलने वाले हैं।

इससे पहले शुक्रवार को दोनों पक्षों की मुलाकात हुई थी। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री ने बताया कि रूस और यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान पर चर्चा कर रहे हैं।

वहीं अमेरिका ने कहा कि शुक्रवार को दोनों पक्षों में हुई बातचीत काफी उत्पादक रही। रूस-यूक्रेन युद्ध को रुकवाने के लिए हाल के दिनों में कई कूटनीतिक पहल हुई हैं।

हालांकि अभी भी दोनों पक्षों के बीच गंभीर मुद्दे हैं, जिन पर सहमति बनाना चुनौती है।

पुतिन ने भी ट्रंप के विशेष प्रतिनिधियों से की बातचीत

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावोस में कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता होने के करीब है। हालांकि कुछ संवेदनशील मुद्दे हैं, खासकर सीमा के रेखांकन का मुद्दा अभी भी अनसुलझा है।

यूएई में अमेरिका की मध्यस्थता में रूस-यूक्रेन की बातचीत से पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ से चर्चा भी की। इस बातचीत में रूस ने जोर दिया कि शांति समझौते के लिए कीव को पहले उन इलाकों से अपनी सेना हटानी होगी, जो लड़ाई में रूस ने कब्जा लिए हैं।

भूपेश के स्वागत में 15 कारों में युवाओं का स्टंट

विंडो से लटककर सेल्फी ली, रील बनाई, अंबिकापुर में हुड़दंग मचाते रहे

सरगुजा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अंबिकापुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के स्वागत में आए युवाओं का चलती कार में स्टंट करने का वीडियो सामने आया है। 23 जनवरी की शाम बघेल भागवत कार्यक्रम में शामिल होने अंबिकापुर पहुंचे थे।

इस दौरान युवाओं ने 15 अलग-अलग गाड़ियों का काफिला बनाकर गांधी चौक पहुंचकर उनका स्वागत किया। इसके बाद शहर भर में वे स्टंट करते हुए गाड़ियों में लटककर लौटे और शोर मचाते हुए मोबाइल से रील भी बनाई।

स्थानीय लोगों ने यह वीडियो वायरल कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 8 फोर व्हीलर जब्त कर लिए। अन्य गाड़ियों की तलाश अभी जारी है। साथ ही, संबंधित युवाओं के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला और सरगुजा पुलिस को भी टैग किया। जिसके बाद पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया। वाहन चालकों के खिलाफ बीएनएस एवं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। बताया जा रहा है 15 गाड़ियों में 80 से ज्यादा युवा शामिल होने आए थे। इनमें से करीब एक दर्जन वाहनों में सवार होकर निकले युवकों ने गाड़ियों में लटककर स्टंट किया। नंबर के आधार पर 8 गाड़ियां जब्त की गई है, अन्य गाड़ियों की तलाश जारी है। हालांकि किन युवाओं पर कार्रवाई हुई इसकी जानकारी पुलिस ने सार्वजनिक नहीं की है।

सरगांव नरेश विंदेश्वर शरण सिंहदेव (विंक्की बाबा) ने सरगांव द पैलेस रिसॉर्ट में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन कराया था। जिसमें शामिल होने भूपेश बघेल पहुंचे थे। इस दौरान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, खाद्य आयोग के पूर्व अध्यक्ष गुरप्रीत सिंघ बाबरा भी मौजूद रहे।

तभी शहर के युवाओं ने शाम 5 बजे गांधी चौक पर बघेल का स्वागत किया। शहर के गांधी चौक, आकाशवाणी चौक से नगर निगम होते हुए गाड़ियों का काफिला वापस निकला तभी युवाओं ने हुड़दंगी की और लटककर स्टंट करते दिखे।।

सरगुजा आईजी दीपक कुमार झा ने मामले में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। थाना कोतवाली पुलिस टीम ने रैली में शामिल वाहनों की तलाश शुरू की और 8 वाहनों को जब्त किया। जब्त वाहनों में इनोवा, स्कॉर्पियो, अर्टिगा शामिल हैं। सभी 8 वाहनों के चालकों के खिलाफ बीएनएस की धारा 125, 281, 285, 3 (5) एवं धारा 184 मोटरयान अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

पुलिस सभी वाहनों के चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई कर रही है। रैली में शामिल अन्य वाहनों की तलाश की जा रही है।

हुड़दंगियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने कहा कि वाहनों से स्टंट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। पूर्व में स्कूल संचालकों की बैठक लेकर चेताया गया है कि फेयरवेल पार्टी के दौरान छात्र भी वाहनों से स्टंट करते मिले तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

पिछले साल फेयरवेल पार्टियों के दौरान ऐसे कई वीडियो सामने आए थे, जिसमें छात्र सड़कों में वाहनों से लटककर स्टंट करते दिखे थे।

बाराबंकी-एटा में बिजली गिरी, 2 जिलों में ओले गिरे

यूपी में 10 शहरों में बारिश, 4 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

बाराबंकी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में मौसम बिगड़ गया है। शनिवार तड़के लखनऊ, कानपुर, हरदोई समेत पूर्वी यूपी के 10 जिलों में रिमझिम बारिश हुई। देर रात हाथरस और इटावा में ओले गिरे। अचानक मटर के दाने बराबर ओले गिरने से अफरा-तफरी मच गई। बाराबंकी में बिजली गिरने से घर के बाहर लगे इलेक्ट्रिक मीटर जल गए। ऐसे ही एटा में देर रात ट्रैक्टर-ट्रॉली पर बिजली गिरी। मौके पर भीषण आग लग गई। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ी राज्यों में भीषण बर्फबारी और मूसलाधार बारिश का असर यूपी में साफ दिख रहा है। आज 15 जिलों में ओले और बारिश का अलर्ट है। 20 जिलों में 40 से 50 की स्पीड से आंधी भी चल सकती है। अगले 4 दिन तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। कोहरे और ठंड से मिल रही राहत पर ब्रेक लगेगा। पारा 3-4°C लुढ़क सकता है। इससे पहले शुक्रवार को पश्चिमी यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। नोएडा, गाजियाबाद समेत कई जिलों में देर रात से शुरू हुई बारिश रुक-रुक कर दिन भर होती रही।

अखिलेश बोले- मुख्यमंत्री नोएडा इंजीनियर की मौत के जिम्मेदार

एसआईआर में 'फातिमा' के घर में 'राधा' रह रहीं, पूरा केजीएमयू गिरा देना चाहिए

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- नोएडा में साफ्टवेयर इंजीनियर की मौत के जिम्मेदार मुख्यमंत्री हैं। अगर डीएम को हटा दोगे तो वोटर लिस्ट ठीक नहीं हो पाएगी। कम से कम पुलिस अधिकारी को हटाना चाहिए था जिसकी वजह से जान गई। लेकिन लड़के के खिलाफ ही बोलने लगे। बीजेपी का ये चरित्र बहुत खराब है।

लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने वोटर लिस्ट पढ़ी- देखिए भगवान दास के घर में मोहम्मद अफजल का नाम। 'फातिमा' के घर में 'राधा' रह रहीं। कम से कम वोटरलिस्ट तो ये लोग सेक्युलर बना दे रहे हैं। केजीएमयू में मजारों को तोड़ने पर कहा- केजीएमयू की पूरी बिल्डिंग को गिरा देनी चाहिए, क्योंकि उसे क्रिश्चियन ने बनाया था। सपा मुख्यालय पर भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जयंती भी मनाई गई।

अखिलेश यादव ने कहा- बीजेपी सरकार ने डॉयल 100 को बर्बाद कर दिया, इसलिए नोएडा में इंजीनियर की जान गई। डॉयल 100 रिस्पांस सिस्टम बेहतर करने के लिए बनाया था। सबको एक एसओपी बनाकर दिया।

हमें इस बात की खुशी है कि शंकराचार्य डटे हुए हैं। एक एक सनातनी उनके साथ है। उन्होंने कम से कम नकली सनातनों की पोल खोल दी। हमारा उनसे सीधा संपर्क है। मैंने आजतक जाति नहीं देखी। किसी भी बीजेपी नेता के घर से पहली रोटी गाय को नहीं जाती है। हमारे यहां तो पहली रोटी गाय को जाती है।

जनगणना में बताएं कि कोविड वैक्सीन से कितने मरे

जनगणना में ये भी बताया जाए कि कोविड वैक्सीन से कितने लोगों की मौत हुई? ये प्वाइंट आना चाहिए। कैंसर, हार्ट अटैक के मामले क्यों बढ़े हैं। वैक्सीन लगने के बाद बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है। सरकार को बदनामी से नहीं डरना चाहिए।

मुख्यमंत्री किसी को काम नहीं करने दे रहे

मुख्यमंत्री योगी किसी को काम नहीं करने दे रहे हैं। हर मंत्री परेशान है। बिजली विभाग बर्बाद हो गया है। हम लोग फायदा में लाए थे लेकिन उसे बर्बाद कर दिया गया।

युवक से मारपीट कर मारा चाकू, पेट में ही धंसा

सरगुजा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अंबिकापुर में शनिवार दोपहर तीन युवकों ने एक युवक से मारपीट की और उस पर चाकू से हमला कर दिया। पेट में चाकू लगने से युवक की हालत बिगड़ गई। उसे मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर उसकी जान बचाई। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर के मायापुर के चांदनी चौक स्थित चाय दुकान में बौरीपारा निवासी ऋतिक जायसवाल अपने दोस्तों के साथ पहुंचा था। उसी दौरान स्कूटी में सवार होकर तीन युवक मौके पर पहुंचे और ऋतिक जायसवाल से विवाद करते हुए मारपीट की।

बीच-बचाव के लिए उसके दोस्त आए तो एक युवक ने चाकू निकाला और ऋतिक के पेट में वार कर दिया। चाकू मारने के बाद तीनों भाग निकले।

शहीद जवान को 11 साल के बेटे ने दी मुखाग्नि

छोटे बेटे ने किया सैल्यूट, नहीं पहुंचे मंत्री-विधायक, पत्नी बोली- अब बच्चों को कैसे पालूंगी

आरा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा में शहीद हुए जवान हरेराम कुंवर (38) का भोजपुर जिले के महुली घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे प्रियांशु (11) ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले प्रियांशु ने अपने पिता के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

अंतिम संस्कार से पहले शहीद के पिता ने भी अपने बेटे को श्रद्धांजलि दी। वहीं, छोटे बेटे आदर्श (8) ने अपने पिता को सैल्यूट कर अंतिम विदाई दी। घाट पर सेना की ओर से शहीद को आखिरी सलामी दी गई। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

हालांकि, शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए जिले के कोई विधायक या मंत्री और नेता नहीं पहुंचे। मुखाग्नि देने के बाद बड़े बेटे प्रियांशु ने कहा, 'पापा हमेशा कहते थे कि खूब पढ़ो और एक बड़े ऑफिसर बनो। पिछली बार जब वे छुट्टी पर आए थे, तब उनसे आखिरी बार बात हुई थी।'

जम्मू-कश्मीर के डोडा में गुरुवार दोपहर एक ऑपरेशन के लिए जाते समय जवानों की बुलेटप्रूफ कैस्पर गाड़ी करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गई थी। इस हादसे में भोजपुर के हरेराम समेत 10 जवान शहीद हो गए।

जवान हरेराम कुंवर का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह तिरंगे में लिपटा हुआ उनके गांव पहुंचा। जिसके बाद वहां मौजूद हर शख्स की आंखें छलक उठीं। शहीद की पत्नी खुशबू पार्थिव शरीर से लिपटकर फूट-फूटकर रो पड़ीं।

रोते हुए उन्होंने अपने पति से कहा, 'मैं आपके भरोसे घर संभाल रही थी..आपने वादा किया था कि हमेशा मुझे संभालोगे।'

खुशबू ने सेना के एक अधिकारी का हाथ पकड़कर कहा, 'मेरे बच्चे लावारिस हो गए हैं। अब ये कैसे पढ़ेंगे? इनकी जिम्मेदारी कौन उठाएगा? आपने धोखा क्यों दिया...मैं बच्चों को अकेले कैसे पालूंगी?'

उनकी चीख-पुकार ने वहां मौजूद हर किसी को भावुक कर दिया। शहीद की मां बेटे का चेहरा देखते ही बार-बार बेहोश हो जा रही थीं। वहीं, पिता का कहना है कि मुझे अपने बेटे पर गर्व है।

हाईकोर्ट बोला-21 साल बाद अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार नहीं

कर्मचारी की मौत के बाद दो पत्नी का विवाद अनुकंपा नियुक्ति की मांग वाली याचिका खारिज

बिलासपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। 'अनुकंपा नियुक्ति कोई अधिकार या विरासत में मिलने वाला पद नहीं है, बल्कि यह परिवार को अचानक आए आर्थिक संकट से उबारने के लिए दी जाने वाली एक तात्कालिक सहायता है।' यह टिप्पणी कर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस एके प्रसाद ने 21 साल पुराने मामले में लगी याचिका को खारिज कर दिया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि, अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य मृतक कर्मचारी के परिवार को तत्काल राहत देना है, न की वर्षों बाद रोजगार उपलब्ध कराना। इतने लंबे समय बाद किया गया दावा नीति और कानून दोनों के खिलाफ है।

दो पत्नियों के बीच विवाद और नाबालिग होने का तर्क नीति में तय समय सीमा को बढ़ाने का आधार नहीं बन सकता।

दरअसल, रायगढ़ जिले के घरघोड़ा क्षेत्र निवासी निजेश चौहान ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, इसमें अनुकंपा नियुक्ति की मांग की थी। बताया कि उसके पिता शिक्षा विभाग में मंडल संयोजक के पद पर कार्यरत थे। उनका 19 फरवरी 2005 को निधन हो गया था।

वह उस समय नाबालिग था। पिता की दो पत्नियां होने के कारण अनुकंपा नियुक्ति को लेकर विवाद भी चला।

जिसे बाद में सिविल कोर्ट में समझौते के जरिए निपटाया गया। इस वजह से अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन करने में देरी हुई।

शिक्षा विभाग ने बताया कि, याचिकाकर्ता ने वयस्क होने के बाद 2019 में यानी पिता की मौत के करीब 14 साल बाद अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। देरी के कारण आवेदन खारिज कर दिया गया था। इससे पहले लगाई गई याचिका में हाईकोर्ट के निर्देश पर मामले पर पुनर्विचार हुआ, लेकिन 16 जनवरी 2023 को फिर से देरी के आधार पर दावा नामंजूर कर दिया गया।

अब हाईकोर्ट ने कहा कि, अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य मृतक कर्मचारी के परिवार को तत्काल राहत देना है, न की सालों बाद रोजगार उपलब्ध कराना।

इतने लंबे समय बाद किया गया दावा नीति और कानून दोनों के खिलाफ है। राज्य सरकार की नीति के अनुसार विशेष परिस्थितियों में भी अनुकंपा नियुक्ति के लिए अधिकतम 5 साल की सीमा तय है।

पाकुड़-साहेबगंज में पत्थर कोयले की रेलवे ढुलाई बंद

पाकुड़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकुड़ और साहेबगंज जिलों में रेल यात्री सुविधाओं की मांग को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। शनिवार, 24 जनवरी को रेलवे से कोयले की ढुलाई पूरी तरह बंद कर दी गई।

इससे पहले, 16 जनवरी से रेलवे रैक में पत्थर की लोडिंग अनिश्चितकाल के लिए बंद थी। इस कारण रेलवे को प्रतिदिन लगभग 10 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान है।

आंदोलनकारियों की मुख्य मांगों में पटना और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करना, कोविड काल में बंद की गई एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनों को फिर से चलाना, यात्री सुविधाओं में वृद्धि करना और पाकुड़ रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों को 18 मिनट का ठहराव देना शामिल है।

पत्थर व्यवसायियों द्वारा शुरू किए गए इस अनिश्चितकालीन बंद का समर्थन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने किया है। बीते 20 जनवरी को एक बैठक में झामुमो के केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा के आह्वान पर लिट्टीपाड़ा विधानसभा के विधायक हेमलाल मुर्मू ने घोषणा की थी कि 24 जनवरी से पत्थर के साथ कोयले की ढुलाई भी रेलवे रैक में बंद कर दी जाएगी।

इसी घोषणा के तहत शनिवार को रेलवे रैक में कोयले की ढुलाई बाधित हुई। लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने स्पष्ट किया कि रेलवे को हर हाल में उनकी मांगों को पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि आज से कोयले की ढुलाई भी बाधित कर दी गई है।

सोने का हांडा-गढ़ा होने का झांसा देकर 13 लाख ठगे

बीमारी ठीक कराने पूजा करवाया, फिर पैसे-ज्वेलरी ले लिए, 3 आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले में सोने-चांदी के हंडे निकालने का झांसा देकर एक युवक से 13 लाख की ठगी हुई है। आरोपी महालक्ष्मी दवाखाना के नाम से आयुर्वेदिक कैंप लगाकर शारीरिक बीमारियों के शर्तिया इलाज का दावा करते थे।

कमल साहू नामक युवक को उसके खेत में सोने-चांदी के आभूषणों का हंडा गड़ा होने और उसे निकालने के लिए पूजा-पाठ करने का झांसा दिया। झांसे में आकर उसने 13,74,000 रुपए नगद और लगभग एक तोला सोने के आभूषण आरोपियों को दे दिए। ठगी का एहसास होने के बाद पीड़ित थाने पहुंचा। पुलिस ने 3 ठगों को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। अक्टूबर 2025 में ग्राम खैरा (पाटन) के रहने वाले शिकायतकर्ता कमल साहू की आरोपियों से मुलाकात हुई।

उन्होंने बीमारी ठीक कराने के नाम पर पूजा करवाया और लटुवा रोड पुलिया के पास हांडा होने की बात कही थी।

इस झांसे के नाम पर आरोपियों ने शिकायतकर्ता कमल साहू से कुल 13,74,000 रुपये नगद और लगभग एक तोला सोने के आभूषण ठग लिए।

शिकायत मिलने पर थाने में धारा 318(4), 61(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एसपी भावना गुप्ता के निर्देश पर एक विशेष टीम ने जांच की और आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने ठगी की बात कबूल कर ली है।

तीनों आरोपियों को 23 जनवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी आयुर्वेदिक कैंप लगाकर लोगों को शर्तिया इलाज का लालच देते थे और फिर उन्हें ठगी का शिकार बनाते थे। पुलिस ने इन्हें कांकेर जिले के ग्राम जामगांव से हिरासत में लिया गया। उनके कब्जे से ठगी की रकम में से 4 लाख 80 हजार रुपए नगद, सोने के आभूषण और घटना में प्रयुक्त कार (सीजी-11-ई-4500) जब्त की है।

ओडिशा में लूटा बैंक, धनबाद में दो धराए

बैंक ऑफ महाराष्ट्र से लूटा था 5 करोड़ का सोना झारखंड-ओडिशा पुलिस की ज्वाइंट कार्रवाई

धनबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के क्योंझर जिले के बड़बिल स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई करोड़ों रुपए की सनसनीखेज बैंक डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। झारखंड और ओडिशा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में इस मामले में धनबाद से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह डकैती 19 जनवरी 2026 को अज्ञात अपराधियों द्वारा अंजाम दी गई थी, जिसमें बैंक से भारी मात्रा में सोना लूट लिया गया था।

घटना के बाद बड़बिल थाना में कांड संख्या 29/26 के तहत धारा 310(2) बीएनएस और 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। वारदात के बाद से ही पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी।

जांच के दौरान क्योंझर के अपर पुलिस अधीक्षक प्रत्युष मोहपात्रा के नेतृत्व में ओडिशा पुलिस की एक विशेष टीम धनबाद पहुंची। यहां धनबाद पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया। टीम ने निरसा और सिंदरी थाना क्षेत्र के कई संभावित ठिकानों पर एकसाथ दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी और डकैती में लूटा गया 288 ग्राम सोना बरामद किया गया। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त दो स्कॉर्पियो वाहन और चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किए गए, जिनका इस्तेमाल वारदात की योजना और आपसी संपर्क के लिए किया गया था।

सड़क सुरक्षा माह में मंत्री ने बिना हेलमेट बाइक चलाई

गजेंद्र यादव ने वीडियो पोस्ट किया, सोशल मीडिया पर लोग बोले- बाहुबली का मुखड़ा कैसे दिखेगा

दुर्ग-भिलाई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सड़क सुरक्षा महीना चल रहा है। इस दौरान शुक्रवार को स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव बिना हेलमेट पहने बाइक चलाते दिखे। ऐसे ही शहर में घूमते रहे। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इसका वीडियो पोस्ट किया है।

लोग सवाल उठा रहे हैं कि, जब आम नागरिकों पर ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, तो मंत्री और जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? हेलमेट लगेगा तो बाहुबली का चांद का मुखड़ा नहीं दिखेगा न। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर मंत्री गजेंद्र यादव की जमकर आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया यूजर्स ने मंत्री गजेंद्र यादव के बिना हेलमेट बाइक चलाने पर गुस्सा जाहिर किया है। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि, ट्रैफिक नियम क्या सिर्फ आम जनता के लिए ही है? दुर्ग पुलिस जहां आम लोगों के चालान तुरंत काट देती है, वहां एक मंत्री के बिना हेलमेट बाइक चलाने पर पुलिस की चुप्पी सवालों के घेरे में है। कई यूजर्स ने तंज कसते हुए लिखा कि, मंत्री जी हेलमेट तो लगा लेते, आप पर कौन करेगा कार्रवाई?

तिरुवनंतपुरम नगर-निगम ने बीजेपी पर लगाया जुर्माना

यहां बीजेपी का ही मेयर, पीएम के दौरे पर फ्लैक्स बोर्ड लगाने को लेकर पुलिस केस भी दर्ज

तिरुवनंतपुरम, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने भारतीय जनता पार्टी(बीजेपी) पर 19.7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल दौरे के दौरान शहर में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाने पर लगाया गया है। बोर्ड लगाने से क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम के सचिव की शिकायत के बाद कैंटोनमेंट पुलिस ने शुक्रवार देर रात बीजेपी जिला अध्यक्ष करमना जयन के खिलाफ मामला दर्ज किया। दिसंबर में हुए नगर निगम चुनाव में तिरुवनंतपुरम में बीजेपी ने 50 सीटें जीती थीं। इसके बाद 26 दिसंबर को बीजेपी के वीवी राजेश को यहां का मेयर बनाया गया था।

एफआईआर में केरल हाई कोर्ट के कई आदेशों और स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन का आरोप है। इसमें कहा गया कि बीजेपी जिला समिति ने प्रधानमंत्री के दौरे के हिस्से के रूप में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाए। इससे पालियम जंक्शन से पुलिमूडु जंक्शन तक जनता को असुविधा हुई। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा विधिवत जारी किए गए आदेशों की अवज्ञा) और 285 (सार्वजनिक रास्तों में खतरा, बाधा और जोखिम पैदा करना) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120(b) (जनता को बाधा, असुविधा और खतरा पैदा करना) के तहत दर्ज किया गया है।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बीजेपी नेताओं को अवैध रूप से लगाए गए फ्लेक्स बोर्ड हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

चतरा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। चतरा जिले में पुलिस ने अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की है। इटखोरी थाना क्षेत्र के गुल्ली पारगढा में एक अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नकली शराब और उपकरण बरामद किए, साथ ही इस धंधे में संलिप्त 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। चतरा पुलिस को यह सफलता नियमित वाहन चेकिंग अभियान के दौरान मिली। पुलिस ने अवैध शराब लदी दो संदिग्ध गाड़ियों को रोका। कड़ी पूछताछ और तलाशी के बाद अवैध कारोबार का खुलासा हुआ। पुलिस की छापेमारी में गुल्ली पारगढा स्थित मिनी फैक्ट्री का पर्दाफाश हुआ। यहां ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली शराब तैयार की जा रही थी। गिरोह ब्रांडेड बोतलों में नकली शराब भरकर उसे बाजार में बेचने की तैयारी में था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी अमिता लकड़ा और थाना प्रभारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौके से नामी कंपनियों के नकली ढक्कन, स्टीकर और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण भारी मात्रा में बरामद किए गए हैं।

चपरासी से लेकर अधिकारी तक किसकी कितनी बढ़ेगी सैलरी? ये है कैलकुलेशन

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारी और पेंशनभोगी इस समय सिर्फ एक ही खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, 8वां वेतन आयोग । नवंबर में इसके गठन की अधिसूचना आने के बाद से ही सरकारी महकमे में हलचल तेज है। आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए 18 महीने का वक्त दिया गया है। जानकारों का मानना है कि नया वेतन आयोग 2027 के अंत या 2028 की शुरुआत में लागू हो सकता है।लेकिन, इन सबके बीच सबसे बड़ी बहस 'फिटमेंट फैक्टर' को लेकर छिड़ी हुई है। यह वो आंकड़ा है जो तय करेगा कि महीने के अंत में आपके खाते में कितनी रकम आएगी। हाल ही में फेडरेशन ऑफ नेशनल पोस्टल ऑर्गेनाइजेशंस ने सरकार के सामने एक बड़ा प्रस्ताव रखा है, जिसने इस चर्चा को और हवा दे दी है। आइए समझते हैं कि अगर फिटमेंट फैक्टर 2 या 3 होता है, तो एक चपरासी से लेकर बड़े अधिकारी तक की सैलरी में क्या बदलाव आएगा।

फिटमेंट फैक्टर से तय होगी सैलरी

सरकारी कर्मचारियों की सैलरी तय करने में फिटमेंट फैक्टर की भूमिका सबसे अहम होती है। यह एक ऐसा मल्टीप्लायर है जिससे आपकी बेसिक सैलरी गुणा होती है। 7वें वेतन आयोग के समय यह फैक्टर 2.57 था, जिससे बेसिक सैलरी 7,440 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हो गई थी।अब, पोस्टल कर्मचारियों के संगठन एफएनपीओ ने नेशनल काउंसिल को भेजे अपने पत्र में मांग की है कि ए, बी, सी और डी ग्रुप के कर्मचारियों के लिए फिटमेंट फैक्टर को 3 से 3.5 के बीच रखा जाए। उन्होंने साफ कहा है कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए सैलरी में सम्मानजनक बढ़ोतरी जरूरी है। हालांकि, चर्चा यह भी है कि सरकार इसे 2 तक सीमित रख सकती है। इन दोनों ही परिस्थितियों में जमीन-आसमान का अंतर है।

फिटमेंट फैक्टर 2 रहा, तो कितनी बढ़ेंगी सैलरी

मान लीजिए सरकार थोड़ा कड़ा रुख अपनाती है और फिटमेंट फैक्टर को '2' पर सेट करती है। नेक्सडिग्म सॉल्यूशंस के एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसका सीधा असर बेसिक पे पर पड़ेगा। अगर हम लेवल-1 के कर्मचारी (जैसे चपरासी या एंट्री लेवल स्टाफ) की बात करें, जिनकी अभी अनुमानित बेसिक 18,000 रुपये है, तो फैक्टर 2 होने पर उनकी नई बेसिक सैलरी 36,000 रुपये हो जाएगी। यानी सीधे तौर पर 18,000 रुपये का इजाफा। वहीं, अगर हम थोड़ा ऊपर बढ़ें और लेवल-10 के अधिकारियों को देखें, तो उनकी सैलरी 56,100 रुपये से बढ़कर 1,12,200 रुपये हो जाएगी। सबसे टॉप लेवल यानी लेवल-18 (कैबिनेट सेक्रेटरी स्तर) पर यह बढ़ोतरी 2.5 लाख रुपये तक जाकर 5 लाख रुपये हो जाएगी। यानी फैक्टर 2 होने पर भी सैलरी में अच्छी खासी बढ़ोतरी दिखेगी, लेकिन कर्मचारी इससे ज्यादा की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

फिटमेंट फैक्टर 3 रहा, तो कितनी बढ़ेंगी सैलरी

वहीं अगर सरकार एफएनपीओ और अन्य कर्मचारी संगठनों की मांग मान लेती है और फिटमेंट फैक्टर को '3' कर देती है, तो यह किसी लॉटरी से कम नहीं होगा। संगठन ने अपनी 60 पन्नों की रिपोर्ट में पे-मैट्रिक्स और भत्तों में भी बदलाव का सुझाव दिया है।फैक्टर 3 होने का मतलब है कि लेवल-1 के कर्मचारी की बेसिक सैलरी, जो फैक्टर 2 पर 36,000 रुपये बन रही थी, वो सीधे 54,000 रुपये हो जाएगी। लेवल-10 के अधिकारियों की सैलरी 1,68,300 रुपये तक पहुंच जाएगी। और अगर हम सबसे ऊंचे पद यानी लेवल-18 की बात करें, तो उनकी बेसिक सैलरी 7.5 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। यह आंकड़ा कर्मचारियों को काफी आकर्षित कर रहा है और यही वजह है कि 3 या 3.5 के फैक्टर पर इतना जोर दिया जा रहा है।

25 फरवरी को होने वाली है निर्णायक बैठक

अब सभी की निगाहें 25 फरवरी की तारीख पर टिकी हैं।

एफएनपीओ के सदस्य शिवाजी वासिरेड्डी के अनुसार, इस दिन नेशनल काउंसिल जॉइंट मॉनिटरिंग कमेटी की एक अहम बैठक होने जा रही है। इस बैठक का मकसद सभी कर्मचारियों की मांगों को एक साथ लाना और एक फाइनल ड्राफ्ट तैयार करना है। बैठक के बाद तैयार किया गया यह ड्राफ्ट 8वें वेतन आयोग की चेयरपर्सन रंजना प्रकाश देसाई को सौंपा जाएगा।

बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, 28 को राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की कवायद तेज कर दी है। संसद के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले, 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है।

बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अभिभाषण से होगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक 27 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में होगी। इस बैठक में सरकार और विपक्ष सत्र के एजेंडे पर अपनी-अपनी बात रखेंगे।

1 फरवरी को बजट, इतिहास में दुर्लभ मौका

इस बार केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा, जो रविवार है। यह संसद के इतिहास में एक दुर्लभ अवसर माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवां बजट पेश करेंगी। बजट सत्र 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा।

विपक्ष-सत्ता पक्ष आमने-सामने

यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है, जब विपक्षी कांग्रेस 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम' को लेकर देशभर में अभियान चला रही है। कांग्रेस का कहना है कि यह कानून यूपीए काल की मनरेगा व्यवस्था की जगह लाया गया है। वहीं, भाजपा इस नए कानून को सुधारवादी बताते हुए पुरानी व्यवस्था की खामियां दूर करने की जरूरत पर जोर दे रही है। साफ है कि सत्र के दौरान इस मुद्दे पर तीखी बहस के आसार हैं।

लंबित विधेयक और वैश्विक दबाव

लोकसभा में फिलहाल नौ विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। ये विधेयक संसदीय समितियों के पास विचाराधीन हैं। इसके अलावा, बजट ऐसे समय में पेश हो रहा है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का असर दिख रहा है। संसद सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर 2 से 4 फरवरी तक चर्चा होगी, जबकि 28 जनवरी और 1 फरवरी को शून्यकाल नहीं होगा।

बीएसएनएल 4जी पर सरकार की बड़ी तैयारी

गांव-गांव तक हाईस्पीड इंटरनेट पहुंचाने का प्लान बताया सिंधिया ने

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बीएसएनएल 4जी का रोलआउट पिछले साल किया गया था, लेकिन अभी पूरे देश में स्वदेशी 4जी नेटवर्क नहीं पहुंच सका है। देश के कोने-कोने तक बीएसएनएल 4जी को पहुंचाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरदित्य सिंधिया ने बताया है कि सरकार कौन सी बड़ी तैयारी करने जा रही है। ईटी टेलिकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, बीएसएनएल ने 1 लाख 4जी साइट्स लगा दी हैं। इसके अलावा, 22 हजार नई 4जी साइटों को लगाने की योजना पर काम चल रहा है। सरकार इससे भी आगे जाने की सोच रही है यानी टावरों की संख्या में और इजाफा जाएगा।

क्या कहा ज्योतिरादित्य सिंधिया ने?

रिपोर्ट के अनुसार, सरकार 22 हजार नए टावरों से भी आगे जाने की सोच रही है। इसके लिए फंड की जरूरत होगी, जिसके लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वित्त मंत्री से मुलाकात की है। उन्होंने ज्यादा जानकारी देने से इनकार किया, लेकिन बताया कि इस पर काफी काम हो गया है।

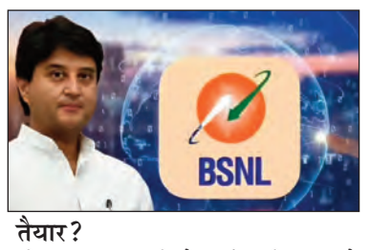

बीएसएनएल 4जी नेटवर्क कौन कर रहा तैयार?

बीएसएनएल 4जी नेटवर्क पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। इसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की लीडरशपि वाले ग्रुप ने तैयार किया है जिसमें तेजस नेटवर्क्स और सी-डॉट जैसी संस्थाएं शामिल हैं। पिछले साल जब बीएसएनएल 4जी की शुरुआत देश में हुई तब करीब 98 हजार साइटें एक्टिव हो गई थीं। इसके बाद टावरों को 1 लाख तक पहुंचाया गया। अब 22 हजार नए टावर लगाने पर काम तेजी से चल रहा है। इससे देश के तमाम इलाकों में बीएसएनएल 4जी पहुंचेगा, लेकिन इतना काफी नहीं है। सरकार ने और साइटें लगाने की योजना बनाई है, जिससे गांव-गांव तक स्वदेशी इंटरनेट पहुंचेगा। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की सोच से एक्सपर्ट भी सहमत हैं।

रूस से तेल आयात घटा रहा इंडियन ऑयल

ब्राजील-अंगोला से खरीद बढ़ी; अमेरिका से व्यापार समझौते में मदद

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने मार्च में रूसी तेल में कटौती की भरपाई के लिए ब्राजील की पेट्रोब्रास समेत कई अन्य देशों से 70 लाख बैरल तेल खरीदा है। घरेलू रिफाइनरियां अपने शीर्ष आपूर्तिकर्ता रूस से दूरी बनाने और मध्य पूर्व से आयात बढ़ाने के लिए रणनीतियों में बदलाव कर रही हैं। यह कदम भारत को अमेरिका के साथ टैरिफ कम करने के लिए व्यापार समझौता करने में मदद कर सकता है। सूत्रों के अनुसार, आईओसी ने शेल से अबू धाबी के मुरबान ग्रेड का 10 लाख बैरल और व्यापारी मर्कुरिया से अपर जाकुम ग्रेड का 20 लाख बैरल खरीदा है। एक्सॉन से अंगोला के हंगो और क्लोव ग्रेड का 10 लाख बैरल भी खरीदा है। आईओसी ने वैकल्पिक अनुबंध के तहत पेट्रोब्रास से ब्राजील के बुजियोस तेल के 20 लाख बैरल भी खरीदे हैं, जो पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर सौदा करने की सुविधा प्रदान करता है। गोपनीयता समझौतों के कारण तेल खरीदी के कुल मूल्य का आंकड़ा कंपनियों ने नहीं दिया है। आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में भारत का रूसी तेल आयात दो वर्षों में सबसे निचले

स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, ओपेक देशों से आयात का हिस्सा 11 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गया। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत रियायती रूसी समुद्री कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा, आईओसी ने पिछले माह कोलंबिया की सरकारी तेल कंपनी इकोपेट्रोल से वैकल्पिक आपूर्ति समझौते के तहत पहला कोलंबियाई तेल खरीदा। इक्वाडोर के ओरिएंट क्रूड की भी पहली बार खरीदी की थी।

अमेरिका से व्यापार समझौते को मिल सकती है मजबूती

ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि रूस से तेल आयात में कटौती और अन्य देशों से खरीद बढ़ाने का यह कदम भारत को अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते में मदद कर सकता है। खासतौर पर टैरिफ में राहत और ऊर्जा व्यापार को लेकर भारत की स्थिति मजबूत हो सकती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
सूर्योदय 06-53
सूर्यास्त. 18-03
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष रविवार 25 January 2026
तिथि - सप्तमी 23-10 रात तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - रेवती 13-35 तक उपरान्त अश्विनी
योग - सिद्ध 11-45 तक उप. साध्य
करण - गर 13-16 तक उप. वणिज

श्री नर्मदा ज.श्री माधवाचार्य ज.
अचला रथ आरोग्य सप्तमी

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर...	06-11 बजे
चंद्र	मीन	मे	कुंभ....	08-02 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	09-40 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	11-16 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	13-01 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	15-01 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	17-13 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---	19-26 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	21-32 बजे
			तुला----	23-37 बजे
			वृश्चिक..	01-48 बजे
			धनु.....	04-01 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-42 से 18-06 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 06-53 - 08-15 अशुभ	शुभ। 18-03 - 19-42 शुभ
चंचल 08-15 - 09-40 शुभ	अमृत 19-42 - 21-17 शुभ
लाभ 09-40 - 11-04 शुभ	चंचल 21-17 - 22-53 शुभ
अमृत 11-04 - 12-29 शुभ	रोग 22-53 - 00-29 अशुभ
काल 12-29 - 13-53 अशुभ	काल 00-29 - 02-04 अशुभ
शुभ 13-53 - 15-18 शुभ	लाभ 02-04 - 03-40 शुभ
रोग 15-18 - 16-42 अशुभ	उत्पात 03-40 - 05-15 अशुभ
उत्पात 16-42 - 18-03 अशुभ	शुभ 05-15 - 06-53- शुभ

वैश्विक चुनौतियों के बीच दावोस में भारत पर दुनिया ने जताया भरोसा, पांच दिन चली वार्षिक बैठक का समापन

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की पांच दिवसीय वार्षिक बैठक शुक्रवार को समाप्त हो गई। वैश्विक परिदृश्य पर जहां भू-राजनीतिक संघर्षों, संरक्षणवाद, बढ़ते कर्ज और आर्थिक सुस्ती के बादल छाए रहे, वहीं भारत ने दुनिया के सामने 'उम्मीद की किरण' पेश की है।

भारत का मजबूत पक्षः निवेश और विकास

सम्मेलन में 'भारतीय विकास की कहानी' मजबूती से गूंजी। भारत के 10 राज्यों ने निवेश आकर्षित करने के लिए अपना पक्ष रखा और करोड़ों रुपये के निवेश समझौतों की घोषणा की। विदेशी नेताओं और मुख्य अर्थशास्त्रियों के आउटलुक ने माना कि इस साल वैश्विक आर्थिक स्थितियां कमजोर हो सकती हैं, लेकिन भारत दक्षिण एशिया में विकास का सबसे मजबूत केंद्र बना रहेग। हालांकि, इन भारी-भरकम निवेश आंकड़ों पर दबी जुबान में सवाल भी उठे।

ट्रंप की वापसी और 'अच्छी डील' का वादा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सम्मेलन में चर्चा के केंद्र में रहे। अपनी विशिष्ट शैली में उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधा, लेकिन साथ ही यूक्रेन और गाजा शांति योजनाओं पर प्रगति के संकेत भी दिए। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की और रूसी राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध समाप्त करने का संदेश भेजा। भारत पर भी ट्रंप का रुख नरम नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताते हुए ट्रंप ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर जल्द ही एक अच्छी डील होने का भरोसा दिलाया। कई अन्य यूरोपीय नेताओं ने भी भारत के साथ व्यापार समझौतों का जिक्र किया।

एआई की सुनामी और गिरता भरोसा

सम्मेलन में 'विश्वास की कमी' और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जोखिम प्रमुख चिंता के विषय रहे। एंथ्रोपिक के सीईओ ने चेतावनी दी कि अगले कुछ वर्षों में हमें ऐसे सिस्टम को नियंत्रित करने की चुनौती होगी जो इंसानों से ज्यादा स्मार्ट होंगे। वहीं, आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने एआई को लेबर मार्केट से टकराने वाली सुनामी करार दिया, जिसके लिए दुनिया अभी तैयार नहीं है। वहीं डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने समापन सत्र में कहा कि यह 'अनिश्चितता का क्षण है, लेकिन पीछे हटने का नहीं, बल्कि जुड़ने का समय है।' विश्व आर्थिक मंच ने अप्रैल में सऊदी अरब में 'ग्लोबल कोलैबोरेशन एंड ग्रोथ मीटिंग' आयोजित करने की घोषणा की है।

आईएमएफ की बड़ी चेतावनी

इस सुनामी से मिडिल क्लास और युवाओं को सबसे ज्यादा खतरा

नई दिल्ली,24 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जॉब मार्केट में भारी उथल-पुथल मचाने वाला है। इसका सबसे ज्यादा असर युवा कर्मचारियों और मिडिल क्लास पर पड़ेगा। जॉर्जीवा ने एआई को 'नौकरियों के बाजार में आने वाली सुनामी' बताया। आईएमएफ के शोध के मुताबिक, आने वाले सालों में विकसित देशों में 60% नौकरियां एआई से प्रभावित होंगी। ये नौकरियां बेहतर हो सकती हैं, खत्म हो सकती हैं या बदल सकती हैं। दुनिया भर में लगभग 40% नौकरियां इससे प्रभावित होने का अनुमान है। एआई पहले से ही कुछ कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी और वेतन बढ़ा रहा है। लेकिन, जॉर्जीवा ने आगाह किया कि अगर सरकारें और कंपनियां इस बदलाव को ठीक से नहीं संभाल पाईं तो अमीरी-गरीबी का फासला और बढ़ सकता है।

आईएमएफ चीफ ने जताई चिंता

विकसित देशों में करीब 10% नौकरियां एआई की मदद से बेहतर हुई हैं। इससे अक्सर ज्यादा वेतन मिलता है। स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी फायदा होता है। लेकिन, जॉर्जीवा ने चिंता जताई कि सबसे ज्यादा खतरा उन शुरुआती स्तर की नौकरियों (एंट्री लेवल रोल्स) को है, जिनमें अक्सर युवा काम करते हैं। ये नौकरियां ऑटोमेशन के कारण सबसे ज्यादा शिकार हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'जो काम खत्म हो रहे हैं, वे अक्सर शुरुआती स्तर की नौकरियों में होते हैं। इसलिए नौकरी ढूंढ रहे युवाओं के लिए अच्छी जगह पाना मुश्किल हो जाएगा।' जॉर्जीवा ने यह भी बताया कि जिन कर्मचारियों के काम सीधे तौर पर एआई से नहीं बदलेंगे, उनके वेतन पर भी दबाव आएगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि प्रोडक्टिविटी से होने वाला फायदा उन लोगों को ज्यादा मिलेगा जो एआई का इस्तेमाल अच्छी तरह कर सकते हैं। अगर ऐसा नहीं हुआ तो वेतन स्थिर रह सकता है या कम हो सकता है। ऐसे में मिडिल क्लास पर भी इसका असर पड़ेगा ही।

जॉर्जीवा ने दी चेतावनी

जॉर्जीवा को इस बात की भी चिंता है कि एआई इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि सरकारें और नियम बनाने वाले लोग इसके लिए जरूरी नियम और सुरक्षा उपाय नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो असमानता और बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा, 'यह बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। फिर भी हम नहीं जानते कि इसे सुरक्षित कैसे बनाया जाए। हम नहीं जानते कि इसे इनक्लूसिव कैसे बनाया जाए।' मजदूर संगठनों ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं। यूएनआई ग्लोबल यूनियन की महासचिव क्रिस्टी हॉफमैन ने कहा कि एआई से होने वाली प्रोडक्टिविटी का फायदा अक्सर नौकरियों में कटौती के रूप में सामने आता है। खासकर तब तक जब तक कि यह फायदा ज्यादा लोगों में बराबर बांटा न जाए। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे एआई टूल्स लागू करने से पहले कर्मचारियों से सलाह लें और यह सुनिश्चित करें कि इसका फायदा पूरी अर्थव्यवस्था में फैले। दावोस में मौजूद अन्य लीडर्स ने भी एआई से जुड़े बड़े खतरों पर रोशनी डाली। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने चेतावनी दी कि अगर एआई के फायदे कुछ शक्तिशाली कंपनियों तक ही सीमित रहे तो समाज इसे स्वीकार करना बंद कर सकता है। यूरोपीय सेंट्रल बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लैगार्ड ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार बाधाएं एआई के विकास को धीमा कर सकती हैं। साथ ही ग्लोबल असमानता को भी बढ़ा सकती हैं।

भारतीय व्यवसायों को वैश्विक मंच देगा जोहो

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जोहो ने भारतीय व्यवसायों को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को कुंभकोणम से जोहो एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। जोहो के सह-संस्थापक व चीफ साइंटिस्ट डॉ. श्रीधर वेम्बु ने कहा, ईआरपी प्लेटफॉर्म में ऐसे फीचर्स को शामिल किया गया है जो मौजूदा पारंपरिक प्लेटफार्म में नहीं है। जहां पहले से उपलब्ध अन्य प्लेटफार्म में एआई को एक अतिरिक्त लेयर के रूप में जोड़ा जाता है, वहीं जोहो ईआरपी के पूरे प्लेटफार्म में पहले से इसे समाहित किया गया है। मेड इन इंडिया, एआई नेटिव जोहो ईआरपी भारतीय व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर विकास करने में सक्षम बनाएगा।वेम्बु ने कहा, जोहो ईआरपी भारतीय व्यवसायों को सरलता से कम लागत में आगे बढ़ने में सहायक होगा। इस एक ही प्लेटफार्म में कोर फाइनेंशियल मैनेजमेंट, बिलिंग, स्पेंड मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, आमेनीचैनल कॉमर्स और पेरोल मैनेजमेंट को इंटीग्रेट किया गया है। एसेट मैनेजमेंट, बजटिंग, वित्तीय समापन की सुविधा भी दी गई है।यह हमारे लिए एक सपने जैसा है। 15 साल से अधिक समय से हम इस पर काम कर रहे थे। इसका यूजर इंटरफेस मॉर्डन होने के साथ इतना यूजर फ्रेंडली है कि इसे अपनाना बहुत सरल होगा। प्लेटफार्म को आसानी से कस्टमाईज किया जा सकता है। जोहो ईआरपी में मैन्यूफैक्चरिंग, डिस्ट्रीब्यूशन, रिटेल और नॉन प्रॉफिट संगठनों के लिए उनकी जरूरत के अनुसार फीचर्स हैं। यह उनकी संचालन और अनुपालन से जुड़ी विशेष जरूरतों को पूरा करता है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
ये समय उन लोगो से अपने आप को अलग करने का समय है जो आपके विचारो से असहमत है या जो आपके साथ चलने या सहयता करने में असमर्थ है । यह वित्तीय संतुलन के हिसाब से भी एक बड़ा कदम होगा । आपकी इस व्यापारिक रणनीति के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आपकी आय सुरक्षित है और जिसे आप अपनी संपत्ति को जोड़ने के लिए उपयोग कर सकते है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है , जिससे की आपकी भूमिका के लिए प्रशंसा और सम्मान आपको मिलने की संभावना है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कर्म करने का भी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यो की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मुंबई को नई मेयर के लिए करना होगा इंतजार, टल गया चुनाव

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई को नए मेयर के लिए अभी और इंतजार करना होगा। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) में मेयर पद का चुनाव फिलहाल टाल दिया गया है। मेयर का चुनाव अब फरवरी के पहले हफ्ते में कराए जाने की संभावना है। देरी की वजह तकनीकी दिक्कतें बताई जा रही हैं, क्योंकि सत्ताधारी पार्टियां अपने पार्षदों और ग्रुप्स को रजिस्टर नहीं कर सकी हैं। बीएमसी में आरक्षण घोषित होने के बाद 31 जनवरी को चुनाव कराने की तैयारी थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना के नगरसेवकों के गुट का रजिस्टेशन का काम अभी पूरा नहीं हो सका है। इसी वजह से चुनाव की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। लॉटरी प्रक्रिया से यह तय हो गया है कि मुंबई की मेयर कोई महिला होगी जो सामान्य वर्ग से होगी।

मिली जानकारी के अनुसार, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) दोनों दलों के 65 नगरसेवकों की गुट की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया तो हो चुकी है, लेकिन उनके प्रमाणपत्र अब तक महानगरपालिका सचिव कार्यालय में जमा नहीं कराए गए हैं। जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक मेयर का चुनाव कराना संभव नहीं है। अब संभावना है कि मुंबई मेयर का चुनाव फरवरी महीने के पहले हफ्ते में कराया जाएगा। वहीं बीजेपी और शिंदे शिवसेना के संयुक्त गुट को लेकर सियासी तस्वीर अभी भी साफ नहीं हो सकी है। दोनों बीजेपी और शिवसेना संयुक्त रूप से गुट बनाकर रजिस्ट्रेशन करेंगे कि अलग-अलग यह अभी तय नहीं हो सका है।

निकाय चुनाव के बाद रजिस्ट्रेशन कराने की प्रक्रिया एक जरूरी काम है। लेकिन राजनीतिक दलों को रजिस्टर कराने की प्रक्रिया अभी भी अधूरी है। 89 पार्षदों वाली बीजेपी और 29 पार्षदों वाली शिवसेना ने अपने-अपने ग्रुप्स को रजिस्टर नहीं किया है। बीजेपी गणतंत्र दिवस के बाद 27 जनवरी को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू करेगी।

मध्यड़ में महिला अपनी 2 बेटियों के साथ ट्रेन के आगे कूदी महिला व 6 साल की बेटी की हुई मौत

हांसी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-हिसार रोड पर स्थित गांव मध्यड़ के रेलवे ट्रैक पर हिसार के गांव भागना की एक महिला ने अपने दो बेटियों के साथ ट्रेन के आगे कूद गई। जिससे महिला की व उसकी छह वर्षीय बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी तीन वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। वहीं, मामले में पुलिस छानबीन कर रही है।

मौके पर एंबुलेंस में पहुंच चुकी है। घटना की जानकारी के बाद परिजन में मौके पर पहुंचे हैं। फिलहाल सही कारणों का पता नहीं लगा है। परिजनों के बयान दर्ज होने के बाद ही कारणों का पता लगेगा। मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा है कि महिला की 4 बेटियां हैं।

केआरके को बांद्रा कोर्ट से नहीं मिली राहत, पुलिस हिरासत में रहेंगे

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के बांद्रा कोर्ट में कमाल राशिद खान (केआरके) से जुड़े फायरिंग मामले में अहम सुनवाई हुई। कोर्ट में पेशी के दौरान पुलिस ने बताया कि मामले में दो राउंड फायर किए गए थे और मौके से एक कारतूस भी बरामद किया गया है। हालांकि, फायरिंग के पीछे की मंशा अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है और जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, फायरिंग की घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि इससे सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा हो सकता था। वहीं, केआरके के वकील ने पुलिस के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक अनजान व्यक्ति ने दो अलग-अलग फ्लैट्स की ओर फायरिंग की थी। उन्होंने कोर्ट को बताया कि दोनों बिल्डिंग्स के बीच की दूरी लगभग 400 मीटर है, जबकि जिस हथियार का जिक्र किया जा रहा है, उसकी रेंज केवल 20 मीटर है, इससे केआरके पर लगे आरोप संदिग्ध लगते हैं।

कोर्ट में केआरके की ओर से यह भी कहा गया कि वह उस व्यक्ति को नहीं जानते, जिसने फायरिंग की और उनका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। केआरके ने दावा किया कि फायरिंग का कोई इरादा नहीं था और उनके पास वैध हथियार लाइसेंस है। उन्होंने खुद को एक जाना-माना बिजनेसमैन बताते हुए कहा कि वह पिछले कई वर्षों से मुंबई में रह रहे हैं और उनके फरार होने की कोई संभावना नहीं है। केआरके ने यह भी आरोप लगाया कि वह सोशल मीडिया, खासकर फेसबुक, पर फिल्मों और फिल्मी हस्तियों पर टिप्पणी करते हैं; इसी वजह से फिल्म इंडस्ट्री के कुछ लोग उन्हें गलत तरीके से निशाना बना रहे हैं। उनका कहना है कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। सभी दलीलें सुनने के बाद बांद्रा कोर्ट ने केआरके को 27 जनवरी तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। पुलिस अब इस मामले में फायरिंग की मंशा और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच करेगी। बता दें कि 18 जनवरी को मुंबई के अंधेरी के ओशिवारा स्थित एक रिहायशी इमारत में दो बार गोली चलने की तेज आवाज आई थी। गनीमत रही कि किसी तरह की जानमाल की हानि नहीं हुई। रिहायशी बिल्डिंग में लेखक-निर्देशक नीरज कुमार मिश्रा और मॉडल प्रतीक वैध भी रहते हैं और उन्होंने रात के समय गोली की आवाज सुनी थी।

रोहिणी आचार्य का सीएम नीतीश पर तीखा हमला, पूछा- बिहार में बेटियों के खिलाफ क्यों नहीं रुक रहे अपराध?

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में लड़कियों के खिलाफ अपराध के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इस पर लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में लगभग रोज बहन - बेटियों के साथ अत्याचार और यौनाचार हो रहा है, फिर भी सरकार गहरी नींद में सोई हुई है। रोहिणी आचार्य ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संबोधित एक्स पोस्ट में कहा, माननीय मुख्यमंत्री जी।।।

ये शर्म का विषय है कि क़ानून के राज के आपके तमाम दावों के बावजूद बिहार में बेटियां असुरक्षित हैं। उन्होंने आगे लिखा कि दुःखद सच्चाई ये है कि सरकार की संवेदनहीनता, महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सरकारी - प्रशासनिक उदासीनता और नाकामी की वजह से बहन - बेटियों के लिए बिहार तनिक भी सुरक्षित नहीं रह गया है। हैरानी की बात है कि पूरे प्रदेश में लगभग रोज बहन - बेटियों के साथ अत्याचार - दुराचार - यौनाचार हो रहा है , फिर भी सरकार गहरी नींद में सोई हुई है।

रोहिणी ने सीएम से पूछा, ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बिहार में अपराधियों को कानून का रत्तीभर भी भय नहीं है ? आपके तमाम निर्देशों के बावजूद बेटियों के प्रति हिंसक व यौन अपराध की घटनाएं खत्म होने का नाम क्यों नहीं ले रही हैं ? क्या बिहार में अपराधियों के बीच ये धारणा कायम हो चुकी है कि वो अपराध करने के बाद भी बड़ी आसानी से बच जाएंगे ? रोहिणी आचार्य ने तस्वीर के माध्यम से दो घटनाओं का जिक्र किया है। इसमें से एक घटना सारण की है, जहां नाबालिग के गर्दन में चाकू रखकर 3 युवकों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। वहीं, दूसरी घटना पटना की है, जिसमें एक युवती को जिंदा जलाने की खबर सामने आई है।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में रेलवे लाइन पर धमाका मालगाड़ी का इंजन क्षतिग्रस्त; लोको पायलट घायल

फतेहगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सरहिंद क्षेत्र में रेलवे लाइन पर देर रात एक बड़ा धमाका होने की खबर सामने आई है। यह ब्लास्ट फतेहगढ़ सहिब-सरहद रेलवे स्टेशन से चार किलोमीटर दूर फ्रेट कॉरिडोर रेलवे लाइन पर हुआ। यह घटना रात करीब 11 बजे उस दौरान घटी जब जब एक मालगाड़ी फ्रंट कोरिडोर रेल लाइन से गुजर रही थी। जानकारी के मुताबिक, यह नई रेलवे लाइन विशेष रूप से मालगाड़ियों के संचालन के लिए बनाई गई है। जैसे ही मालगाड़ी का इंजन खानपुर फाटकों के पास पहुंचा, तभी अचानक जोरदार धमाका हो गया। धमाके के कारण रेलवे लाइन का करीब 12 फीट हिस्सा पूरी तरह उड़ गया।

इस धमाके में मालगाड़ी के लोको पायलट को भी चोटें आई हैं। घायल चालक को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और इस बाबत रेलवे अधिकारियों को जानकारी दी गई। वहीं, इसे लेकर डीजीपी लॉ ऑर्डर ने बताया की अलग अलग टीम मामले की जांच कर रही। धमाके में आरडीएक्स का इस्तेमाल किया गया या नहीं। यह अभी कहना मुश्किल है। मामले की जांच के लिए अलग-अलग टीम जुट गई हैं। धमाके में घायल लोको पायलट को चंडीगढ़ ले जाया गया है, क्षतिग्रस्त इंजनको अंबाला ले जाया गया है।

घटनास्थल पर पहुंचे डीआईजी रोपड़ डॉक्टर नानक सिंह ने बताया किइस घटना के पीछे आतंकवादी गतिविधि से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक सैंपल एकत्र कर जांच के लिए भेज दिए गए हैं। रेलवे लाइन पर हुए ब्लास्ट के बाद डॉग स्क्वाडड और बम स्क्वाड ने रेलवे लाइन तथा आसपास के क्षेत्र में सघन जांच शुरू कर दी है।

डीआईजी ने बताया की सभी जांच एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। आपसी तालमेल के साथ इस घटना की यह तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। डीआईजी ने बताया कि रेलवे लाइन पर हुआ ब्लास्ट ज्यादा घातक नहीं था। क्षतिग्रस्त इंजन में सवार एक रेल कर्मचारी मामूली रूप से घायल हुआ है। ब्लास्ट से रेल इंजन के शीशे टूट गए। क्षतिग्रस्त रेल इंजन को अंबाला भेज दिया गया है। देर रात चले सर्च अभियान के बाद अब दिन के उजाले में पंजाब पुलिस व एजेंसियां जांच में जुटी हैं।

मक्सी रेलवे स्टेशन के पास हादसा पटरी टूटने से ट्रैक से उतरी मालगाड़ी

शाजापुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के मक्सी रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार को एक मालगाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर पटरी से नीचे उतर गई। जानकारी के अनुसार मालगाड़ी उज्जैन से गुना की ओर जा रही थी। हादसे में मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। घटना के बाद रेलवे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना का मुख्य कारण रेल पटरी का टूटना बताया जा रहा है। पटरी टूटते ही मालगाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और डिब्बे पटरी से उतर गए। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

रेल यातायात को नियंत्रित करते हुए मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। हालांकि मौके पर मौजूद अधिकारी घटना को लेकर स्पष्ट एवं आधिकारिक जानकारी देने से बचते रहे। हादसे के चलते कुछ समय के लिए रेल परिचालन प्रभावित रहा, जिसे धीरे-धीरे सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्टेशन प्रबंधन मुकेश जैन ने बताया कि प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण ट्रैक में खराबी हो सकता है। मामले की विस्तृत जांच के लिए उज्जैन से रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची है, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

भारी बर्फबारी मनाली में फंसे टूरिस्ट

शिमला, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण 600 से ज्यादा टूरिस्ट जगह जगह फंसे हुए है। मनाली में बड़ी संख्या में पर्यटकों ने पूरी रात गाड़ियों में बिताई। इनके पास खाने-पीने को कुछ नहीं है। माइनस में टैम्परेचर के बावजूद ठंड से बचने को कंबल तक नहीं है। इससे कई पर्यटकों की हालत बिगड़ती जा रही है। मनाली के 16 व 17 मील के पास 100 से भी ज्यादा गाड़ियां फंसी है। इनमें टूरिस्ट सड़क खुलने की उम्मीद में है। सड़क पर भारी बर्फ होने के कारण गाड़ियों की आवाजाही नहीं हो पा रही। दिल्ली से आई टूरिस्ट रिंकी ने बताया- वह 24 घंटे से मनाली से आठ किलोमीटर पहले गाड़ी में है। उनके साथ टैंपो में पांच लोग है। उन्होंने पूरी रात भूखे-प्यासे बिताई। ठंड से उनकी स्थिति बिगड़ रही है। शिमला, कुफरी और नारकंडा में भी बर्फबारी के कारण वाहनों की आवाजाही बंद है। इससे शहर की सड़कों पर रात दो-तीन बजे तक टूरिस्ट गाड़ियों में फंसे रहे। बर्फ पर गाड़ियां स्किड हो रही है। प्रदेश में भारी बर्फबारी के बाद कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। इससे पानी की टंकियां जम गई है। घरों व होटल में पानी नहीं आ रहा। शिमला, चंबा, कुल्लू, किन्नौर और लाहौल स्पीति जिला का हिमाचल से संपर्क कट गया है। प्रदेश में पांच नेशनल हाईवे समेत 1290 सड़कें और 8500 से ज्यादा बिजली के ट्रांसफॉर्मर ठप पड़े हैं।

घर में घुसे तेंदुए से भिड़ गया शख्स लड़ाई में तेंदुए को मार डाला; खुद भी गंभीर रूप से हुआ घायल

कटक, 22 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक जिले के नरसिंहपुर में शनिवार की दरमियानी रात एक हैरान कर देने वाली घटना घटी। पश्चिमी वनांचल वन विभाग के अंतर्गत आने वाले जयपुर सेक्शन के अनंत प्रसाद गांव में एक तेंदुए और एक युवक के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस संघर्ष में तेंदुए की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब गांव का एक युवक अपने घर में सो रहा था। तभी अचानक एक तेंदुआ घर में घुस आया और सो रहे युवक पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से घर में अफरा-तफरी मच गई।

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। एमटीएम की नवनिर्वाचित नगर सेवक सहर शेख ने अपने बयान पर मांगी माफी। मुम्ब्रा पुलिस को लिखित माफीनामा में सहर ने कहा कि वो भारत देश और भारतीय तिरंगे से प्यार करती है और मुम्ब्रा को हरा कर देंगे इस बयान के पीछे उनका मकसद ये था कि पूरे मुम्ब्रा में अपनी पार्टी एमआईएम के सभी पार्षद विधायक को भविष्य में जिताकर लाएंगे। किरीट सोमैया भाजपा नेता ने मुम्ब्रा पुलिस थाने जाकर सहर शेख के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की लिखित शिकायत दी थी जिसके बाद पुलिस ने उन्हें नोटिस जारी किया था। इस नोटिस के बाद सहर शेख ने पुलिस थाने में लिखित माफीनामा जमा कराया। भाजपा नेता किरिट सोमैया आज सुबह 11 बजे मुंब्रा पुलिस थाने में दूसरी बार पहुंचकर उन्होंने पुलिस से पूछा कि एमआईएम पार्षद सहर शेख ने लिखित माफीनामा दिया है क्या , पुलिस ने बताया है कि सहर ने पुलिस को लिखित माफीनामा दिया है, इस माफीनामा से किरित सोमैया पूरी तरह संतुष्ट हो गए हैं।

मुम्ब्रा को हरा कर देंगे... एमआईएम पार्षद सहर शेख ने मांगी माफी, कहा- देश और तिरंगे से प्यार

भाजपा नेता किरिट सोमैया का बयान

एमआईएम की सहर शेख ने अब माफी मांग ली है। हम मुंब्रा को हरा-भरा बना रहे हैं। यह एक भड़काऊ भाषण है जो हिंदुओं को उकसाता है। हमारी शिकायत के बाद पुलिस ने उन्हें दो बार बुलाया था। सहर ने लिखित माफी मांगी है। मेरा इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था, इसलिए मैं माफी मांगती हूं। मेरी राय में हरा रंग मेरी पार्टी का झंडा है, लेकिन मैं जीवन भर भारत के तिरंगे के लिए काम करूंगी। चूंकि सहर युवा हैं, इसलिए हमने उनका माफीनामा भी स्वीकार कर लिया है। वह 29 साल की लड़की है। उसने माफी मांग ली है। हमने उसकी माफी स्वीकार कर ली है। बाहर से मदद पाने वाले ये कट्टरपंथी मुस्लिम अब अपनी नई पीढ़ी को बर्बाद कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी जहां भी सत्ता में रही है, हमने कहीं भी भेदभाव नहीं किया है। प्रिय बहन शिंदे और देवा भाऊ की प्रिय बहनें भी भेदभाव नहीं करतीं। चाहे मुस्लिम हो या हिंदू, सभी बहनें प्रिय हैं। मोदी सरकार की क्या योजना है? लेकिन ये कट्टरपंथी उन्हें भड़काने की कोशिश कर रहे हैं और आने वाले कुछ सालों में मुंबई उन्हें मुसलमान बनाना चाहता है।

टिकट बंटवारे पर राजद विधायक के सवालों से गरमाई सियासत

भाजपा ने कहा- तेजस्वी को जवाब देना चाहिए

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद से राष्ट्रीय जनता दल में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव के लिए चुनौतियां कम होने का नाम नहीं ले रही। पहले परिवार में भाई और बहन की बयानबाजी का सामना करना पड़ा है। अब पार्टी के एक और वरिष्ठ नेता ने बयान देकर सियसात गरमा दी है। यह बयान टिकट बंटवारा से जुड़ा है। राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने आरोप लगाया कि नेतृत्व ने स्थानीय और मजबूत नेताओं को दरकिनार कर दूसरे जिलों से आए नेताओं को टिकट दिया। दल में कुछ लोग भी हैं जो नाम के समाजवादी हैं और एक साथ दो तीन जिलों की राजनीति चलाते हैं। ऐसे लोग अगर दल में रहेंगे तो उनके कहने पर टिकट मिलते रहेंगे। तब तक पार्टी की स्थिति बेहतर नहीं हो सकती है। विधानसभा में हम प्रभाव नहीं छोड़ पाएंगे।

भाई वीरेंद्र ने दिनारा विधानसभा सीट पर टिकट बंटवारे के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि मैं और विजय मंडल एक साथ विधायक रह चुका हूं। आखिरकार यादव जाति के उम्मीदवार को ही टिकट देना था कि तत्कालीन विधायक विजय मंडल का टिकट क्यों काटा गया? विजय मंडल को टिकट देने में क्या दिक्कत थी। यह गलत हुआ। बता दें कि राजद ने दिनारा विधानसभा से राजद ने विजय मंडल का टिकट काटकर शशि शंकर कुमार को प्रत्याशी बनाया था। लेकिन, यहां से उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के उम्मीदवार आलोक कुमार सिंह ने जीत हासिल की।

वहीं भाजपा के प्रवक्ता नीरज कुमार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने अपनी ही पार्टी के टिकट वितरण प्रणाली पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि योग्य कार्यकर्ताओं को टिकट नहीं देकर अन्य आधार पर टिकट दिया गया। तेजस्वी यादव को जवाब देना चाहिए कि वह कभी ईवीएम पर तो कभी चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे थे जबकि उनके ही विधायक तेजस्वी की टिकट वितरण प्रणाली पर सवाल उठारहे हैं। यह राजद के अंदर आंतरिक कलह को भी दर्शाता है।

वर्दी घोटाले में कार्रवाई: सीएम धामी ने दिए डीआईजी के निलंबन के आदेश

देहरादून, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में वर्दी सामग्री खरीद से जुड़े घोटाले में संलिप्त पाए जाने पर निदेशक होमगार्ड (डिप्टी कमांडेंट) अमिताभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही मामले की जांच के लिए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान होमगार्ड्स के लिए वर्दी सामग्री की खरीद प्रक्रिया से जुड़ा यह मामला है, जिसमें टेंडर प्रक्रिया में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए थे। महानिदेशक, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा, देहरादून की ओर से शासन को भेजी गई रिपोर्ट में टेंडर प्रक्रिया में नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई। महादिनदेशक की संतुति पर सीएम धामी ने डिप्टी कमांडेंट को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

आसमान में लौटा 'सफेद शिकारी', 9 साल बाद हुई 'आकाश के रक्षक' की वापसी

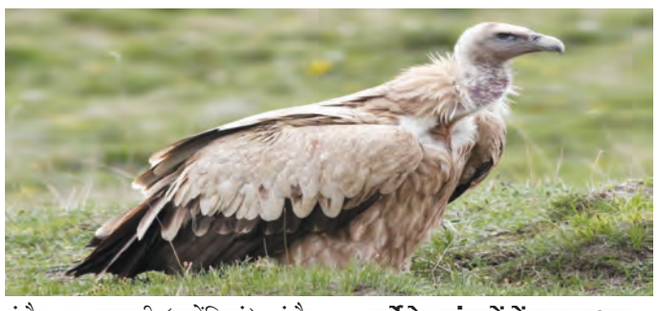

इंदौर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के आकाश से लगभग गायब हो चुकी इजिप्शियन वल्चर यानी सफेद गिद्धों की प्रजाति एक बार फिर शहर के बाहरी इलाकों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। नेचर एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन एंड अवेयरनेस सोसायटी द्वारा हाल ही में किए गए एक विस्तृत सर्वे में यह सुखद जानकारी सामने आई है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ये दुर्लभ सफेद गिद्ध विशेष रूप से देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड और कंपेल के आसपास के क्षेत्रों में उड़ान भरते देखे गए हैं।

सर्वे के आंकड़ों में हुआ सुधार

देवगुराड़िया पहाड़ी का क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से इन गिद्धों का प्राकृतिक वास स्थल रहा है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में इनकी आबादी में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। एनजीओ एनडब्ल्यूसीएस द्वारा हर साल दिसंबर और जनवरी के महीनों में गिद्धों की गणना के लिए सर्वे किया जाता है। इस वर्ष के सर्वे में उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। करीब डेढ़ महीने तक चली इस प्रक्रिया के बाद क्षेत्र में 15 सफेद गिद्धों की पहचान की गई है। यदि पिछले साल के आंकड़ों से तुलना करें तो यह संख्या 7 अधिक है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि यह सुधार अभी शुरुआती है क्योंकि 9 साल पहले इसी क्षेत्र में गिद्धों की संख्या 83 हुआ करती थी।

नगर निगम आयुक्त को सौंपा जाएगा प्रस्ताव

गिद्धों के संरक्षण को लेकर संस्था अब ठोस कदम उठाने की तैयारी में है। एनडब्ल्यूसीएस के अध्यक्ष रवि शर्मा ने जानकारी दी कि वे लंबे समय से इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। संस्था की योजना है कि इंदौर नगर निगम मौजूदा डंपिंग यार्ड के अलावा शहर से लगभग 15 से 20 किलोमीटर दूर एक ऐसा स्थान चिन्हित करे, जहां कचरे की प्रोसेसिंग खुले में की जा सके। इससे गिद्धों को कचरे में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने और भोजन प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस प्रस्ताव को लेकर जल्द ही निगमायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।

सगाई की अफवाह के बीच जिया शंकर ने तोडी चुप्पी

'बिग बॉस ओ.टी. टी. ' से लोकप्रियता तथा पहचान पाने वाली जिया शंकर ने आखिरकार अपने रिश्ते को लेकर चल रही तमाम अफवाहों पर विराम लगा दिया है। हाल ही में वह सड़कों पर एक शख्स का हाथ थामे नजर आई, जिसके बाद फैंस के बीच सवालों की बाढ़ आ गई कि जिया किसे डेट कर रही है। लंबे समय से अभिषेक मल्हन के साथ उसकी सगाई की चर्चाएं उड़ रही थीं, लेकिन अब खुद जिया ने सच सामने लाते हुए वीडियो स्टोरी शेयर की है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर उसने एक मिस्ट्री मैन के साथ वीडियो शेयर किया है । वह हाथ पकड़े हुए आगे-आगे चल रहा है और जिया उसके पीछे-पीछे। खास बात है कि वीडियो एक दिल वाली इमोजी भी नजर आती है । ऐसे में लोगों का कहना है कि हो न हो वह उसका ब्वॉयफ्रैंड है। हालांकि, पूरे वीडियो में कहीं भी उस आदमी का चेहरा नहीं नजर आया।

एक रिपोर्ट के अनुसार, माना जा रहा है कि जिया शायद करण धनक को डेट कर रही है। करण अमेरिका में एक हुक्का पार्लर चलाता है और वेप व कैनेबिस से जुड़े लीगल बिजनैस भी करता है । हालांकि जिया की तरफ से करण को डेट करने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अफवाह गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही जिया ने अभिषेक संग सगाई की अफवाह पर चुप्पी तोड़ी थी । उसने इस रिश्ते को सिरे से साफ नकार दिया था और यह भी कहा था कि, "मैं उन्हें न ही डेट कर रही हूं और न ही मैंने कोई सगाई की है।

अभिषेक और जिया पहली बार 'बिग बॉस ओ.टी. टी. 2' में मिले थे । शो के दौरान उनकी दोस्ती लोगों को काफी पसंद आई। इसके बाद दोनों ने एक म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। शायद इसी वजह से फैंस और सोशल मीडिया पर लोग उन्हें एक खास रिश्ते में देखने लगे ।

वह अरेंज मैरिज के लिए भी तैयार थी। इतना ही नहीं, एक इंटरव्यू में तो उसने कहा था कि वह दो बच्चे गोद लेगी। उसका कहना था, मम्मी (वह), दो कुत्ते और एक बिल्ली के साथ आराम से रहेगी ।'

मां ने अकेले पाला जिया को

दूसरी ओर जिया ने यह भी बताया था, किसी ने भी मेरी तरह जिंदगी नहीं जी है । मेरे पिता नहीं हैं और सिंगल मां के साथ रहना आसान नहीं है। मेरे परिवार में कोई आदमी नहीं है, यहां तक कि मेरे परिवार में भाई भी नहीं है । सिर्फ मैं और मेरी मां हैं।

वहीं जिया की मां सुरेखा गवली ने बताया था कि उनकी बेटी को कभी समझ नहीं आया कि उसके पिता और वह कैसे अलग हो गए। सुरेखा ने खुलासा किया कि जिया का बचपन कठिन था, जब वह केवल 13 साल की थी, तब उसने अपने माता-पिता को अलग होते हुए देखा था । वह डिप्रैशन में चली गई थी। तब से जिया ने सब कुछ अपने दम पर हासिल किया। उसके लिए यह आसान नहीं था, लेकिन वह बिना किसी गॉडफादर या सपोर्ट के इंडस्ट्री में अपने लिए एक मजबूत जगह बनाने में कामयाब हुई है ।

जिया ने यह भी बताया था कि उसके पिता उसे एक रुपया नहीं देते थे । वे सभी लोग तब किराए के एक घर में रहकर गुजारा करते थे।

सनी लियोन जल्द साऊथ इंडियन सिनेमा में डेब्यू करने वाली है

सनी लियोन ने खुलासा किया है कि बचपन में उसे लुक्स को लेकर बहुत ज्यादा परेशान किया गया है। उसने बताया कि उसे बचपन में इतने ज्यादा ताने दिए गए कि उसे वह आज तक नहीं भूल पाई है और उससे उबरने के लिए उसे काफी मेहनत करनी पड़ी।

सनी ने कहा, "बुलिंग करना कोई फन नहीं है। मैं एक गोरी भारतीय लड़की थी जिसके पैरों, बाहों और चेहरे पर घने काले बाल थे, और मैं अच्छे तरीके से ड्रैसअप भी नहीं होती थी, इसलिए बहुत अजीब लगती थी। इसके लिए मुझे बहुत ज्यादा तंग किया गया । इसलिए मैं कहती हूं बुलिंग करना सही नहीं है। यह मजाक नहीं है। इसका कुछ हिस्सा जिंदगी भर मेरे साथ रहा जो कि अच्छा अहसास नहीं है ।

ऐसा करने वालों को कायर बताते हुए सनी ने कहा, "बुलिंग एक सर्किल की तरह है। आमतौर पर ऐसा होता है कि जिनके साथ बुलिंग होती है वे भी सामने वाले के साथ वैसा ही करने लगते हैं। वे परेशान होकर किसी को धमकाने लगते हैं इसलिए मैं सबको कहना चाहती हूं कि अगर आप कभी इसका शिकार हुए हैं तो दूसरों के साथ वैसा न करें। अगर आपकी बुलिंग की जाती है तो आप कोशिश कर सकते हैं कि दूसरों के साथ वैसा ही रवैया न अपनाएं। आमतौर पर बुलिंग करने वाले कायर होते हैं।

होस्ट कर रही है रियलिटी शो डेटिंग और रियलिटी शो की दुनिया में 'स्प्लिट्सविला' हमेशा से खास जगह रखता आया है । पिछले कई सालों में यह शो दर्शकों के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है और अब 16वें सीजन के साथ यह एक बार फिर नए ट्विस्ट और रोमांच के साथ लौटा है।

इस बार का सीजन 'स्प्लिट्सविला एक्स 6 : प्यार या पैसा' नाम से दर्शकों के सामने है जिसमें प्यार और पैसों के बीच प्रतियोगियों की जंग दिखाई जा रही है। इस सीजन को भी पिछली कई सीजन की ही तरह सनी होस्ट कर रही है।

सनी ने कहा, स्प्लिट्सविला मेरे लिए हमेशा खास रहा है क्योंकि यह हर पीढ़ी के बदलते प्यार और रिश्तों की कहानी को दर्शाता है। समय के साथ न सिर्फ प्रतियोगियों की सोच बदली है, बल्कि डेटिंग का तरीका और प्यार की समझ भी बदल गई है। इस सीजन में भावनाओं और रिश्तों की परीक्षा पहले कहीं ज्यादा होगी। प्रतियोगियों को अपने रिश्तों और दोस्ती की ताकत दिखानी होगी, जबकि ट्विस्ट और खेल की रणनीतियां उनके रास्ते में बाधा डालेंगी।

मलयालम सीखना एक चुनौती थी

सनी के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। वह जल्द साऊथ इंडियन सिनेमा में डेब्यू करने वाली है। उसकी साऊथ की पहली फिल्म है 'विस्टा विलेज' ।

सनी ने कहा, इस फिल्म में काम करना एक बहुत ही खास अनुभव रहा है। मलयालम सीखना निश्चित रूप से एक चुनौती थी, लेकिन साथ ही बहुत फायदेमंद भी रही । इसने मुझे अपने किरदार से जुड़ने में मदद की । कासरगोड के खूबसूरत, दुर्गम इलाकों में शूटिंग करना वाकई यादगार रहा और मुझे केरल में हमेशा बहुत प्यार मिला है।

मैं इस फिल्म के लिए वाकई बहुत उत्साहित हूं, खासकर इसकी रिलीज को लेकर । यह फिल्म चार भाषाओं में मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में भी रिलीज की जाएगी जिसका मैं बेसब्री से इसका इंतजार कर रही हूं।

डायना पेंटी ने चुनौतियों से गढ़ी सफलता की कहानी

डायना ने खुद से एक वायदा किया- हर बार कुछ नया और अलग करने का। वह एक जैसे किरदार दोहराने में विश्वास नहीं रखती । उसके लिए एक कलाकार के रूप में फिल्म इंडस्ट्री में अपने विविध और रूढ़ियों को तोड़ने वाले किरदारों के लिए जानी जाने वाली डायना पेंटी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सामाजिक अपेक्षाओं को चुनौती देना और उनसे आगे बढ़ना उसके करियर की सबसे बड़ी ताकत रहा है।मॉडलिंग से अभिनय और फिर उद्यमिता तक का उसका सफर इस बात का उदाहरण है कि पहचान को समय के साथ नए सिरे से परिभाषित करना और बदलाव को अपनाना कितना जरूरी है।

डायना का सफलता मंत्र

डायना का कहना है कि चुनौतियां हमेशा से उसके लिए प्रेरणास्रोत रही हैं। अपनी पहली फिल्म 'कॉकटेल' को याद करते हुए उसने बताया कि उसने बिना किसी अभिनय पृष्ठभूमि के फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उस समय उसे यह भी स्पष्ट नहीं था कि वह अभिनेत्री बनना चाहती है या नहीं, लेकिन उसने इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया ।

डायना के अनुसार, 'कॉकटेल' जैसे बड़े प्रोजैक्ट से करियर की शुरुआत करना उसके लिए जोखिम भरा था, लेकिन उसने पूरी तैयारी और समर्पण के साथ इस अवसर को अपनाया। सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण जैसे विविधता दिखाना जरूरी है।

स्थापित कलाकारों के साथ काम करना और होमी अदजानिया के निर्देशन में पहली ही फिल्म करना उसके लिए सीखने का बड़ा मौका था । उसने आंखें बंद कर इस प्रक्रिया में खुद को झोंक दिया और तय किया कि जो भी करेगी, पूरी ईमानदारी और मेहनत से करेगी।

'कॉकटेल' के बाद डायना ने खुद से एक वायदा किया- हर बार कुछ नया और अलग करने का । वह एक जैसे किरदारों को दोहराने में विश्वास नहीं रखती । उसका मानना है कि एक कलाकार के रूप में विविधता दिखाना बेहद जरूरी है। अलग-अलग भूमिकाएं निभाकर वह न सिर्फ दर्शकों को चौंकाना चाहती है, बल्कि खुद को भी लगातार चुनौती देती रहती है।

'ओट्रोवर्ट' होने की पहचान

डायना ने अपनी शख्सियत को लेकर भी दिलचस्प बात साझा की। उसने बताया कि सोशल मीडिया पर उसने एक नया शब्द जाना- 'ओट्रोवर्ट' । उसके अनुसार, वह न पूरी तरह अंतर्मुखी है और न ही पूरी तरह बहिर्मुखी । वह लोगों के साथ सहज रहती है, लेकिन उन्हीं के साथ जिनके साथ वह सहज महसूस करती है । इसी वजह से वह खुद को 'ओट्रोवर्ट' मानती है।

युवाओं के लिए सलाह

एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक महसूस करने वालों के लिए डायना की सलाह साफ है- अपनी शख्सियत चाहे जैसी भी हो, खुद पर विश्वास रखें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें। वह कहती है कि सच्चाई, प्रामाणिकता और अपनी अलग पहचान ही सबसे बड़ी ताकत होती है। अगर दुनिया में सभी एक जैसे होते, तो यह जगह बेहद नीरस होती।

डायना के अनुसार अपने जुनून का पालन करना और वही करना जो आपको सच में उत्साहित करता है, रूढ़ियों को तोड़ने का सबसे सहज तरीका है । हो सकता है कि सही फैसले लेने के कारण कुछ समय के लिए लोग आपको पसंद न करें, लेकिन लंबे समय में वही फैसले आपको सम्मान दिलाते हैं।

बोल्ड सीन में भावनाओं से ज्यादा तकनीक होती है: रसिका दुग्गल

रसिका दुग्गल ने वैब सीरीज 'मिर्जापुर' से खूब लोकप्रियता बटोरी । इस सीरीज में उसके कुलभूषण खरबंदा के साथ काफी ज्यादा इंटीमेट सीन्स थे।इसे लेकर रसिका ने अब खुलकर बात की है। उसने बताया है कि 'मिर्जापुर' के सैट पर इंटीमेट सीन्स की शूटिंग कैसे की थी। उसके अनुसार ऐसे सीन्स के लिए सैट पर प्रोफैशनल होते हैं।

एक हालिया इंटरव्यू में रसिका ने इंटीमेट सीन्स को लेकर बात करते हुए कहा, "इंटीमेट सीन के लिए हमारे पास अब इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर हैं जो एक बहुत अच्छा बदलाव है । मुझे लगता है कि सैट पर उनका होना बहुत अच्छा है- जैसे डॉंस के लिए कोरियोग्राफर होता है और एक्शन सीक्वेंस को भी कोरियोग्राफ किया जाता है, इसी तरह इंटीमेट सीन्स के लिए इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर होते हैं ।

इंटीमेट सीन कैसे शूट होते हैं, इस सवाल पर रसिका ने कहा, " जैसे अलग-अलग तरह के डायरैक्टर होते हैं, इसी तरह अलग-अलग तरह के इंटीमेसी डायरैक्टर होते हैं जिनका काम करने का अपना तरीका होता है लेकिन ये बहुत टैक्निकल होता है। जैसे पहले हमने वर्कशॉप्स की थीं, हमने एक्सरसाइज की यह समझने के लिए कि दूसरे इंसान के लिए क्या कंफर्टेबल है और क्या नहीं है। ये सब कोऑर्डिनेट करने के लिए कोई होता है कि सीन के लिए क्या जरूरी है, यह क्लोज सैट है या नहीं।

वह आगे कहती है, "ये सब बेसिक चीजें हैं कंफर्टेबल महसूस कराने के लिए। फिर कोरियोग्राफ उसी तरह से होता है - जैसे आपने पहले रिहर्सल की होती है कि शॉट यहां से शुरू होगा, आपकी बॉडी का यह पार्ट दिखाया जाएगा और आप इससे कंफर्टेबल हो या नहीं और जब आप अपने को-एक्टर के साथ मूव करते हो तो वह मूवमैंट कैसी होगी। इस सबके बारे में बहुत ही प्रोफैशनल और टैक्निकल ढंग से चर्चा की जाती है और उसी तरीके से पहले उसकी रिहर्सल होती है ।

अब फिल्म प्रोडक्शन में भी उतर रही हैं आलिया भट्ट

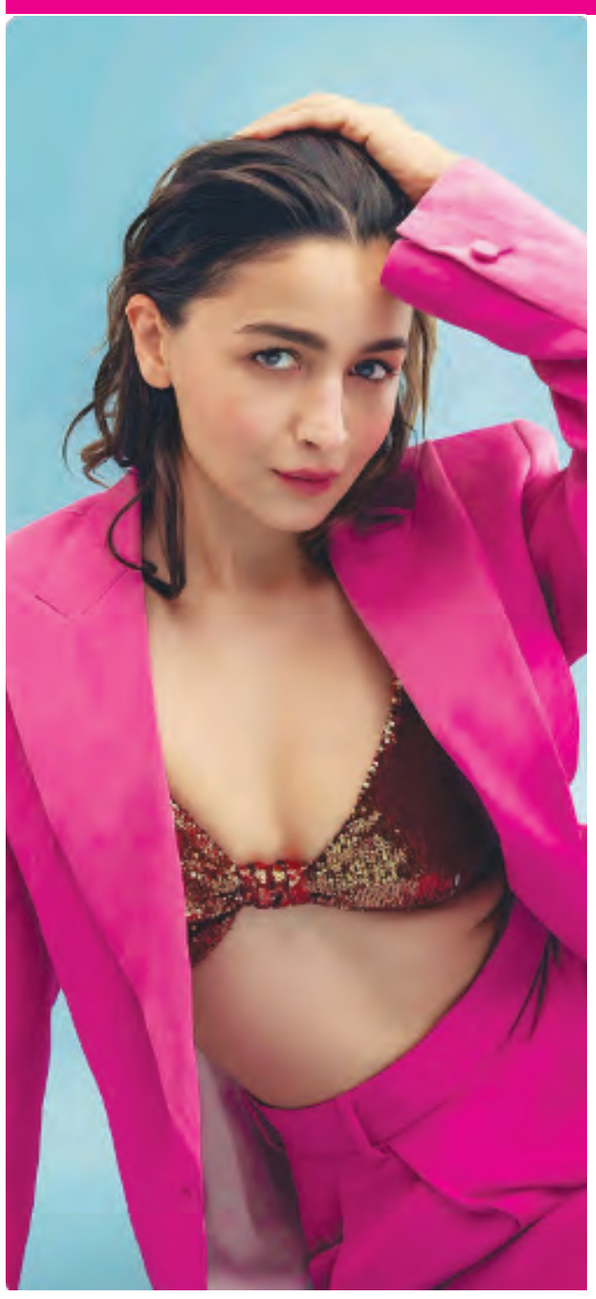

आलिया भट्ट इस समय बॉलीवुड की चोटी की और सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में से एक है। उसने अब तक के अपने करियर में एक से बढ़ कर एक कई यादगार किरदार किए हैं और यही उसे दूसरों से काफी अलग बनाते हैं। अब उसने खुलासा किया है कि वह एक साथ कई फिल्में नहीं करना चाहती जिसकी एक खास वजह भी उसने बताई है। आलिया ने कहा, "मैं अपने करियर को हिस्सों या मील के पत्थर के रूप में नहीं देखती । फिल्में चुनने का मेरा तरीका पहले जैसा ही है। अलग-अलग मौकों को तलाशना, खुद को चुनौती देना और लगातार अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना।

मां बनने के बाद बदला काम

हालांकि, आलिया को मां बनने के बाद ऐसे तरीके से काम करना ज्यादा आरामदायक लगता है जो उसे किसी प्रोजैक्ट में पूरी तरह से शामिल होने का मौका देता है।

उसने कहा, "स्वाभाविक रूप से मेरा काम और स्पीड बदल गई है क्योंकि मेरी एक बच्ची है लेकिन यह एक ऐसी स्पीड है जो मुझे आरामदायक लगती है, और मैं इससे खुश हूं। मैं एक समय में एक फिल्म पर ध्यान देना और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगाना पसंद करती हूं। पहले मैं एक साथ दो या तीन फिल्में करती थी, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करना चाहती।

एक्टिंग के अलावा वह अब फिल्म प्रोडक्शन के काम में भी उतर रही है। उसने बताया, "मैं कंटैंट प्रोड्यूस करने में भी शामिल हूं। हम ऐसे प्रोजैक्ट्स पर काम कर रहे हैं जो अगले साल शुरू होंगे, और मैं उस जर्नी में क्रिएटिव रूप से शामिल हूं क्योंकि मैं खुद को एक क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में देखती हूं। अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा अपनी सहज बुद्धि और मेरी अंतर्रात्मा जो कहती है, उसी का पालन किया है ।

एक्शन फिल्म को लेकर उत्साहित

आलिया ने यशराज बैनर की स्पाई यूनिवर्स सीरीज की अगली फिल्म 'अल्फा' को लेकर भी बयान दिया । उसने कहा, "अब जब मेरे करियर की बात हो रही है तो मैंने हमेशा अपने मन पर ही भरोसा किया है। मैं 'हॉर्ट ऑफ स्टोन' (उसकी हॉलीवुड फिल्म) को एक्शन फिल्म नहीं मानती । वह एक्शन से भरपूर फिल्म थी, लेकिन उसमें मेरा रोल एक्शन वाला नहीं था । 'अल्फा' में मुझे एक्शन करने का मौका मिला है और यही कारण है कि इसे लेकर मैं काफी एक्साइटेड हूं।

आलिया ने इस दौरान मां बनने के बाद अल्फा जैसी एक्शन फिल्म करने पर भी अपना रिएक्शन देते हुए कहा, बच्ची की मां बनने के बाद एक्शन फिल्म करना बहुत दिलचस्प था क्योंकि इससे मुझे यह देखने का मौका मिला कि मेरी बॉडी क्या-क्या कर सकती है। यह एक बहुत ही सीखने वाला एक्सपीरियंस था और इसने मुझे अपने शरीर को बहुत इज्जत देना सिखाया ।

'लव एंड वॉर' के बारे में भी बोली

डायरैक्टर संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वॉर' पर बात करते हुए आलिया ने कहा, "यह सच में एक बहुत ही खास फिल्म है । हम पूरे साल इसकी शूटिंग करते रहे हैं, और यह कभी भी काफी नहीं लगता ।

उसने आगे कहा, "संजय लीला भंसाली के साथ पार्टनरशिप एक परफॉर्मर के तौर पर मुझे काफी प्रभावित करती रहती है। वह सैट के माहौल को बहुत फोकस्ड और बहुत ज्यादा मेल- जोल वाला बनाते हैं । सैट पर माहौल बहुत शांत होता है। हम आते हैं, लगन से काम करते हैं और हर कोई कुछ अनोखा योगदान देता है। स्वाभाविक रूप से, फाइनल टच हमेशा संजय सर के हाथों में होता है । यह मेरे लिए फिल्म के सैट पर मिले सबसे अच्छे क्रिएटिव अनुभवों में से एक है।

अगली फिल्में

गौरतलब है कि शिव रावेल के डायरैक्शन में बनी फिल्म 'अल्फा' में आलिया के साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में उसका पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल लीड रोल में होंगे। उनकी ये दोनों ही फिल्में इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होंगी ।

इस बारे आलिया ने कहा, यहां बॉक्स ऑफिस नंबर नहीं होते, लेकिन ओ.टी. टी. का अपना मैट्रिक होता है। यहां पता चलता है कि आपके कंटैंट को कितने घंटे देखा गया है । 'गंगूबाई काठियावाड़ी' थिएटर के बाद ओ.टी. टी. पर रिलीज हुई थी, वह टॉप 10 ग्लोबल नॉन इंग्लिश फिल्मों की सूची में शामिल हुई। फिर ' आरआरआर' भी कई हफ्तों तक टॉप पर रही थी लेकिन इन सबके बावजूद, जो बात खास है वह यह है कि मौजूदा समय में किसी फिल्म के लिए बॉक्स ऑफिस नंबर्स ज्यादा से ज्यादा 4-5 हफ्ते के लिए मायने रखते हैं, जब तक कि वह ओ.टी. टी. पर न आ जाए।

'5 सालों के बाद किसी को बॉक्स ऑफिस नंबर याद नहीं रहने वाला। लोग सिर्फ इतना कहते हैं कि फिल्म अच्छी थी। तो मायने भी सिर्फ इतना ही रहता है कि आप अच्छी फिल्म बनाओ।

बहुत कठिन था वह दौर: रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती के लिए साल 2020 ऐसे मुश्किलें लेकर आया, जिससे वह आज तक नहीं उबरपाई है। उसने उस साल कई मुश्किलों का सामना किया। पहले अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का निधन, जिसे वह उन दिनों डेट कर रही थी और उसके बाद ड्रग्स केस के चलते आई मुश्किलें । उसको अपने भाई शौविक के साथ जेल तक जाना पड़ गया।

हाल ही में उसने अपने पॉडकास्ट में अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दिनों के बारे में बात की। उसने बताया कि कैसे सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उसकी जिंदगी पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई।

फिर याद आए मुश्किल दिन

रिया ने साल 2020 को याद करते हुए बताया कि वह साल उसकी जिंदगी में ऐसा अंधेरा लेकर आया था, जिससे बाहर निकलने और नई सुबह देखने में उसे काफी समय लग गया।

रिया को सुशांत की मौत के बाद काफी कुछ सहना पड़ा, लेकिन उस मुश्किल दौर में उसकी सहेलियां उसके साथ मजबूती से खड़ी रहीं । रिया के अनुसार, अगर उसके दोस्त उस मुश्किल समय में उसके साथ खड़े नहीं होते तो उनके लिए इससे बाहर आने में काफी समय लग जाता ।

पिता ने दोस्तों की भगवान से की थी तुलना रिया के साथ उसके हालिया पॉडकास्ट में उसकी पूरी गर्ल गैंग देखने को मिली। रिया ने बताया कि उसके पिता ने उससे एक बहुत ही भावुक बात कही थी। वह कहती है कि उसके पिता अक्सर कहते थे कि अगर ये लड़कियां नहीं होतीं तो उनका परिवार पूरी तरह टूट जाता।

रिया ने बताया कि उसके पिता कहते हैं, हमारे घर में भगवान की नहीं, बल्कि इन लड़कियों की फोटो होनी चाहिए, क्योंकि उन्हीं की वजह से हमारा परिवार उस मुश्किल दौर से बाहर आ सका है।

सुशांत सिंह राजपूत का निधन गौरतलब है कि 14 जून, 2020 को सुशांत की मौत की खबर आई थी, जिसने पूरे देश और बॉलीवुड इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया था । उसकी मौत के बाद उसकी गर्लफ्रैंड और लिव-इन पार्टनर रिया पर कई गंभीर आरोप लगे थे। इसी दौरान उसको ड्रग्स केस के चलते गिरफ्तार कर लिया गया । उसके साथ-साथ उसके भाई शौविक को भी गिरफ्तार किया गया था और काफी दिन उनको जेल में बिताने पड़े थे। हालांकि, 2025 उसे इस मामले में क्लीन चिट मिल गई।

गत वर्ष पांच साल बाद उसे पासपोर्ट वापस मिला था । उस मौके पर उसने कहा था, ' पिछले 5 सालों से धैर्य ही मेरा एकमात्र पासपोर्ट था। अनगिनत लड़ाइयां । कभी खत्म न होने वाली उम्मीद। आज मेरे पास फिर से अपना पासपोर्ट है। अपने दूसरे चैप्टर के लिए तैयार हूं।

पत्नी-बेटे को कुल्हाड़ी से काटने वाले को फांसी की सजा

> कोर्ट बोला-रक्षक ही भक्षक बन जाए तो कौन बचाएगा > मृत्युदंड से कम कुछ नहीं

कोटा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दोषी का दायित्व पत्नी और नाबालिग बच्चे का पालन-पोषण करना था।

यह उनका रक्षक था। मृतकों ने कभी नहीं सोचा होगा कि एक दिन यही उनकी हत्या कर देगा। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो परिवार में कौन किसको बचाएगा? दोषी का अपराध मानवता को पूर्णतया शर्मसार करने वाला, समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला है। ये टिप्पणी न्यायाधीश सरिता धाकड़ ने की। कोटा में एडीजे कोर्ट-2 ने 5 साल पुराने डबल मर्डर केस में दोषी को फांसी की सजा सुनाई। कोर्ट ने दोषी पिंटू (45) पर 50 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। दोषी ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी पर ताबड़तोड़ हमला किया था, फिर घसीटता हुआ तिराहे तक ले गया था। घटना में पत्नी और 6 माह के बेटे की मौत हो गई थी। पिंटू पैदल रामपुरा थाने चला गया था, वहां जाकर बोला था- मैंने अपनी पत्नी को मार डाला, मुझे गिरफ्तार कर लो। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया था, जिसमें दोषी पिंटू अपनी लहूलुहान पत्नी को घसीटता हुआ दिखाई दे रहा था, उसके हाथ में खून से सनी कुल्हाड़ी भी थी। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया था, जिसमें दोषी पिंटू अपनी लहूलुहान पत्नी को घसीटता हुआ दिखाई दे रहा था, उसके हाथ में खून से सनी कुल्हाड़ी भी थी।

कोर्ट ने मामले पर 3 अहम बातें कहीं

1. कोर्ट ने माना रेयर ऑफ टू रेयरेस्ट केस

अभियोजक भारत सिंह आसावत ने बताया- कोर्ट ने इसे रेयर ऑफ टू रेयरेस्ट केस माना है। कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा-हम एक हाईपोथिटिकल स्थिति का भी उल्लेख करना चाहेंगे। जब किसी व्यक्ति के द्वारा कोई जानवर मसलन कुत्ता आदि पाल लिया जाता है, तो वह भी कुछ समय के बाद परिवार का एक सदस्य हो जाता है। व्यक्ति उसे कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकता।

2. राक्षसी प्रकृति का है दोषी

कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा- आरोपी पिंटू मृतकों का पति/पिता था, पत्नी और बच्चे के सम्पर्क में था। जघन्य तरीके से हत्या करने से जाहिर होता है कि दोषी निर्दयी, पैशाचिक और राक्षसी प्रकृति का है, जिसमें लेशमात्र (नाममात्र) भी मानवता नहीं बची थी।

3. मृत्युदंड से कम सजा न्याय को विफल कर देगी

कोर्ट ने आगे कहा-दोषी को मृत्युदंड से कम यदि कोई भी दंड दिया जाता है तो उसे न केवल न्याय के उद्देश्य भी विफल होंगे। समाज में भी इस प्रकार की मनोवृति रखने वाले और आपराधिक कृत्य करने वाले अपराधियों को बढ़ावा मिलेगा। आमजन में ऐसे लोगों से हमेशा डर बना रहेगा।

नाकाबंदी तोड़कर भागी कार ने 2 भाइयों को कुचला

जोधपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में एक ओवरस्पीड कार ने स्कूटी सवार दो भाइयों को कुचल दिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर घायल है। पुलिस के अनुसार स्विफ्ट कार नाकाबंदी तोड़कर भाग रही थी। पुलिस के पीछा करने पर ड्राइवर ने स्पीड बढ़ा दी थी। एक्सीडेंट सुबह 4 बजे महामंदिर थाना क्षेत्र के ज्योतिबा फुले मार्ग पर हुआ। घटना का सीसीटीवी फुटेज आज सामने आया है। आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके 2 साथी फरार हैं।

स्कूल की तीसरी मंजिल पर जोरदार धमाका

'मौत' को छूकर लौटी 5 जिंदगियां

भीलवाड़ा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के आर्य विद्या मंदिर परिसर में शनिवार तड़के एक ऐसा खौफनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। स्कूल की तीसरी मंजिल पर बने एक कमरे में गैस लीकेज के कारण इतना जबरदस्त ब्लास्ट हुआ कि कमरे की दीवार ताश के पत्तों की तरह ढह गई और लोहे का दरवाजा रॉकेट की तरह 25 फीट दूर जाकर गिरा।

नींद में था परिवार, यमराज ने दी दस्तक!

हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ, जब स्कूल के प्रधानाध्यापक बालमुकुंद अपनी पत्नी और तीन मासूम बेटियों के साथ उसी कमरे में गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक एक तेज गूंज हुई और कमरा मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि दरवाजे के टुकड़े सड़क पार कर दूसरे घर के छज्जे पर जा गिरे। पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोग घरों से बाहर निकल आए।

बाल-बाल बचे मासूम और परिजन

कुदरत का करिश्मा ही कहिए कि इस भीषण धमाके के बावजूद प्रधानाध्यापक का पूरा परिवार मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकल आया। बालमुकुंद, उनकी पत्नी और तीनों बच्चियों को केवल मामूली चोटें आईं। सहायक उप निरीक्षक जयसिंह मीणा ने बताया कि गैस लीकेज से कमरा गैस चैंबर बन चुका था और एक छोटी सी चिंगारी ने बम जैसा असर दिखाया। घर का सारा सामान, टीवी, फ्रिज और अलमारियां खिलौनों की तरह बिखर गए।

एफएसएल टीम ने जुटाए नमूने

घटना की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली थाना पुलिस के साथ फॉरेंसिक स्पेशल टीम (एफएसएल) भी मौके पर पहुंची। टीम ने मलबे से नमूने जुटाए हैं ताकि धमाके की सटीक वजह और गैस के प्रकार का पता लगाया जा सके। फिलहाल, सभी घायल खतरे से बाहर हैं और उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है।

वन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ सड़कों पर उतरीं सेवा बस्तियां, कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन

जोधपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। शहर की विभिन्न सेवा बस्तियों (कच्ची बस्तियों) को वन विभाग का क्षेत्र बताकर की जा रही कार्रवाई और नोटिसों के विरोध में शनिवार को कलेक्ट्रेट के बाहर विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। मगजी घाटी, निम्बा निंबड़ी, रावटी जुनी बस्ती और शहर की अन्य बस्तियों के सैकड़ों निवासियों ने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्थाई समाधान की मांग की। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे प्रतिनिधियों ने बताया कि ये कॉलोनियां कई दशकों से बसी हुई हैं, लेकिन वन विभाग आए दिन इन बस्तियों को अपनी जमीन बताकर गरीब लोगों को परेशान कर रहा है। आरोप है कि वन विभाग ने कई निर्दोष लोगों के खिलाफ झूठे मुकदमे भी दर्ज कराए हैं, जिससे आमजन में भारी भय और आक्रोश व्याप्त है।

पशुधन सहायक भर्ती : राजस्थान हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के लिए पद सुरक्षित रखने के दिए आदेश

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने पशुधन सहायक भर्ती प्रक्रिया में फंसे अभ्यर्थियों को बड़ी राहत प्रदान की है। माननीय न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन ने मामले की प्रारंभिक सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और संबंधित प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं।

साथ ही, न्यायालय ने अंतरिम निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ताओं की संबंधित श्रेणी में एक-एक पद आगामी आदेश तक सुरक्षित रखा जाए। क्या है पूरा मामला? यह विवाद राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर से संबद्ध संस्थानों से डिप्लोमा इन एनिमल हसबेंड्री करने वाले अभ्यर्थियों से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं ने भर्ती परीक्षा में मेरिट हासिल की और दस्तावेज़ सत्यापन (डीवी) की प्रक्रिया भी पूरी की।

हालांकि, चयन प्रक्रिया के अंतिम चरणों में उनके नामों को यह कहते हुए अस्थायी सूची में डाल दिया गया कि जिस संस्थान से उन्होंने डिप्लोमा किया, उसके पास राज्य सरकार की एनओसी उपलब्ध नहीं थी। जबकि अभ्यर्थियों के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी विधिवत डिप्लोमा और अंकतालिकाएं मौजूद थीं।

न्यायालय में दी गई दलीलें

याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता तनवीर अहमद ने तर्क दिया कि: अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से चयनित होकर संस्थान में पहुंचे थे। परीक्षा का आयोजन और डिग्री/डिप्लोमा का वितरण सरकारी विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है।

संस्थान और सरकार के बीच एनओसी जैसे प्रशासनिक विवादों का खामियाजा उन अभ्यर्थियों को नहीं भुगतना चाहिए जिन्होंने अपनी योग्यता के दम पर मेरिट में स्थान बनाया है। न्यायालय ने इन तर्कों को प्रथम दृष्टया स्वीकार करते हुए माना कि अभ्यर्थियों के अधिकारों की रक्षा आवश्यक है।

सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच संघर्ष

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जयपुर सेंट्रल जेल से कैदियों के बीच आपसी भिड़ंत का मामला सामने आया है। जेल के भीतर एक मामूली बात पर शुरू हुई कहासुनी ने इतना तूल पकड़ लिया कि दो विचाराधीन बंदियों ने मिलकर एक दंडित (सजायाफ्ता) बंदी की जमकर पिटाई कर दी।

घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में बीच-बचाव कर स्थिति पर काबू पाया गया। वार्ड नंबर-11 में हुआ विवाद प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना जेल के वार्ड नंबर-11 की सेल नंबर-2 में घटित हुई। यहां बंद मालवीय नगर निवासी दंडित बंदी शशि भारती का सामना विचाराधीन बंदी पुनीत और नरेंद्र से हुआ। 18 जनवरी को इनके बीच किसी छोटी सी बात को लेकर बहस शुरू हुई थी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि पुनीत और नरेंद्र ने शशि भारती पर हमला बोल दिया और उसके साथ मारपीट की।

राजस्थान विद्यापीठ यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर सस्पेंड

> 10 लाख की अनियमितताओं का आरोप

उदयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ यूनिवर्सिटी के योग एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिलीप सिंह चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उन पर करीब 10 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली ने बताया कि डॉ. चौहान के विरुद्ध अनियमितताओं की विभागीय जांच लंबित है। जांच निष्पक्ष रूप से संपन्न हो, इसी को ध्यान में रखते हुए उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें केंद्रीय कार्यालय में अपनी नियमित उपस्थिति दर्ज करानी होगी। डॉ. चौहान माणिक्य लाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय में लंबे समय से योग एवं शारीरिक शिक्षा विभाग में कार्यवाहक निदेशक के पद पर कार्यरत थे।

10 लाख रुपये की वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप

प्रशासन के अनुसार, पद पर रहते हुए डॉ. चौहान पर लगभग 10 लाख रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताएं करने के आरोप हैं। इन्हीं तथ्यों के आधार पर उनके खिलाफ विभागीय जांच प्रक्रिया शुरू की गई है। रजिस्ट्रार ने यह भी बताया कि जांच समिति के गठन के बाद डॉ. चौहान द्वारा जांच को प्रभावित करने के प्रयास किए गए। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय की छवि धूमिल करने और भ्रामक व तथ्यहीन जानकारी प्रसारित करने के आरोप भी सामने आए हैं।

डॉ. चौहान पर लगाए गए प्रमुख आरोप

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार डॉ. चौहान पर निम्नलिखित आरोप लगाए गए हैं। नियमित सेवा में रहते हुए बिना सक्षम अनुमति एक ही समय में विभिन्न पाठ्यक्रमों, परीक्षाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल होकर दोहरा लाभ लेना। तथ्यों को छिपाकर एवं नियमों के विपरीत शैक्षणिक डिग्रियां अर्जित करना। ट्रैक सूट, ब्लेजर एवं अन्य सामग्री की खरीद में गंभीर वित्तीय अनियमितताएं कर विश्वविद्यालय को आर्थिक नुकसान पहुंचाना। पद का दुरुपयोग करते हुए हितों के टकराव की स्थिति उत्पन्न करना तथा पारिवारिक लाभ सुनिश्चित करना।

कर्तव्यों में घोर लापरवाही बरतना और विश्वविद्यालय की छवि को नुकसान पहुंचाना। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि विभागीय जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

85 साल की बुजुर्ग महिला से घर में घुसकर दुष्कर्म

भरतपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले के एक गांव में एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला सामने आया है। यहां 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने घर में घुसकर एक व्यक्ति द्वारा दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है और पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

पीड़िता के बेटे द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। उस समय वह स्वयं काम पर गया हुआ था, उसकी पत्नी लकड़ी इकट्ठा करने बाहर गई थी और बच्चे स्कूल में थे। घर में केवल उसके माता-पिता मौजूद थे। शिकायत में बताया गया कि पिता उस समय सो रहे थे।

एकल पट्टा प्रकरण : पूर्व मंत्री और अधिकारियों की बढ़ी मुश्किलें

एसीबी को मिली 'अग्रिम जांच' की अनुमति

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के चर्चित 'एकल पट्टा प्रकरण' में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच एक बार फिर पटरी पर लौट आई है।

जयपुर स्थित विशेष एसीबी कोर्ट ने ब्यूरो को इस मामले में अग्रिम जांच करने की विधिवत अनुमति दे दी है। इस आदेश के बाद पूर्व मंत्री शांति धारीवाल और तीन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ फाइलों का दोबारा खुलना तय माना जा रहा है।

सरकार बदलते ही बदला रुख उल्लेखनीय है कि पिछली सरकार के दौरान एसीबी ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट (एफआर) पेश कर शांति धारीवाल सहित तत्कालीन अधिकारियों को क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, प्रदेश में सत्ता परिवर्तन और भजनलाल शर्मा सरकार के गठन के बाद इस मामले की उच्च स्तरीय समीक्षा की गई। एसीबी ने ट्रायल कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर नए तथ्यों के आधार पर पुनः जांच की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है।

कोर्ट ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अभियोजन वापसी से जुड़े एक पुराने आवेदन को वापस लेने के सरकारी प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2021 में ही इस आवेदन को न्यायालय द्वारा खारिज किया जा चुका है, अतः अब उसे वापस लेने की प्रक्रिया का कोई कानूनी आधार नहीं है। यह प्रकरण वर्ष 2011 का है, जब जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा गणपति कंस्ट्रक्शन को नियमों को ताक पर रखकर एक एकल पट्टा जारी किया गया था।

दो चर्चित हत्याकांड के आरोपियों ने अलवर में रचाई शादी

खून से सने हाथों पर रची मेहंदी

अलवर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर में बसंत पंचमी के अवसर पर एक ऐसी अनोखी और सनसनीखेज शादी हुई, जिसकी चर्चा अब पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में हो रही है। जयपुर की ओपन जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रही पाली निवासी प्रिया सेठ और अलवर जिले के बड़ौदामेव निवासी हनुमान चौधरी विवाह के बंधन में बंध गए। दोनों हत्या के मामलों में दोषी ठहराए जा चुके हैं और फिलहाल सजा काट रहे हैं। इसके बावजूद दोनों ने अपने बीते अपराधों पर पश्चाताप जताते हुए नई जिंदगी शुरू करने का फैसला किया।

बसंत पंचमी की रात सीमित रिश्तेदारों की मौजूदगी में अलवर के एक निजी होटल में दोनों ने सात फेरे लिए। शुरुआत में शादी का कार्यक्रम बड़ौदामेव में आयोजित किया जाना था, लेकिन जैसे ही मामला मीडिया में आया, परिजनों ने आनन-फानन में कार्यक्रम स्थल बदल दिया। पूरी शादी को गोपनीय रखा गया, ताकि किसी तरह का विवाद न खड़ा हो। परिवार की महिलाओं को जयपुर जाने की जानकारी दी गई, जबकि असल में अलवर शहर के रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक होटल में सीमित लोगों के बीच विवाह संपन्न कराया गया।

नशे के खिलाफ डबल अटैक : कोतवाली और कुचेरा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से बड़ा खुलासा

28 लाख की एमडीएमए बरामद, तस्कर गिरफ्तार

नागौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर शहर में बढ़ते नशे के सौदागरों पर पुलिस ने एक साथ दोहरी कार्रवाई की है।

कोतवाली थाना पुलिस और डीएसटी (ड्रग्स सप्लाई टीम) ने घोसीवाड़ा मोहल्ले में छापेमारी कर 142.08 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली एमडीएमए (मेथिलीन डायोक्सी मेथमफेटामाइन) बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 28 लाख रुपये है। इस दौरान पुलिस ने शातिर तस्कर आशाराम गहलोत उर्फ आशीष को गिरफ्तार कर लिया।

चाचा के घर को बनाया था नशे का गोदाम

आरोपी ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए अपना घर छोड़कर चाचा के रिहायशी मकान को नशे का ठिकाना बना रखा था। पुलिस की सूचना पर चार गाड़ियों के साथ टीम ने अचानक दबिश दी और तलाशी में एमडीएमए के पैकेट बरामद हुए। शुरुआती जांच में पता चला कि आशाराम लंबे समय से शहर के युवाओं को नशे की गर्त में धकेल रहा था। वह बाहरी राज्यों से कम कीमत पर सिंथेटिक ड्रग्स मंगवाता और यहां ऊंचे दामों पर बेचता था।

कोडवर्ड और व्हाट्सएप कॉलिंग से करता था डील

आशाराम बेहद चालाक तरीके से काम करता था। वह ग्राहकों से कोडवर्ड में बात करता था और व्हाट्सएप कॉलिंग का इस्तेमाल करता था ताकि कॉल रिकॉर्डिंग से बचा जा सके। छोटे-छोटे पैकेट बनाकर लोकल युवाओं, कॉलेज स्टूडेंट्स तक ड्रग्स सप्लाई करता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पर नागौर और डीडवाना-कुचामन जिलों में पहले से एनडीपीएस एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं, जिसमें मादक पदार्थों की तस्करी और मारपीट शामिल हैं। कुल 6 मामले उस पर दर्ज होने की पुष्टि हो रही है।

कुचेरा पुलिस की समानांतर कार्रवाई

एक ओर कोतवाली में यह बड़ी सफलता मिली, वहीं कुचेरा थाना पुलिस ने भी नाकाबंदी और इनपुट के आधार पर नशे की सप्लाई चेन पर प्रहार किया है। एसपी मृदुल कच्छावा के निर्देश पर पूरे जिले में ऑपरेशन नीलकंठ के तहत अभियान तेज है। हाल के दिनों में कुचेरा, जायल, मेड़ता, पादूकलां आदि क्षेत्रों में भी एमडीएमए और अन्य ड्रग्स की बरामदगी हुई है, जिसमें कई सप्लायर्स गिरफ्तार हो चुके हैं।

पुलिस की जांच जारी

पुलिस अब इस नेटवर्क की गहराई तक पहुंचने में जुटी है। सवाल उठ रहे हैं कि इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई? शहर में इसके मुख्य खरीदार कौन हैं? क्या यह सिंथेटिक ड्रग्स का कोई बड़ा अंतरराज्यीय नेटवर्क है? आरोपी से पूछताछ जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अशोक गहलोत का 'धमाका'

राजस्थान को 'अशांत' घोषित करना शर्मनाक डिस्टर्ब एरिया एक्ट पर सरकार को घेरा

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'डिस्टर्ब एरिया एक्ट' को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए गहलोत ने कहा कि जिस राजस्थान की रगों में 'पधारो म्हारे देस' और आपसी भाईचारे की संस्कृति दौड़ती है, उसे अब 'अशांत' घोषित करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने इसे राजस्थान के इतिहास का सबसे शर्मनाक कदम करार दिया।

'शांति का मॉडल बनाम सांप्रदायिक प्रयोगशाला'

अशोक गहलोत ने अपनी सरकार के कामकाज की याद दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर देश का पहला 'शांति और अहिंसा विभाग' बनाया था। ऐसे में कांग्रेस पार्टी का उद्देश्य संवाद, सद्भाव और प्रेम के जरिए समाज को मजबूत करना था ताकि नफरत को पनपने का मौका नहीं मिल सके। पूर्व सीएम गहलोत ने गंभीर आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले इस विभाग को निष्क्रिय कर दिया, ताकि नफरत के एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चेतावनी देते हुए कहा कि राजस्थान को 'सांप्रदायिक प्रयोगशाला' बनाने की कोशिश की जा रही है। उनके अनुसार, डिस्टर्ब एरिया एक्ट लागू करना प्रदेश की मूल संस्कृति और पहचान को नष्ट करने जैसा प्रतीत है। अशोक गहलोत के इस बयान ने राजस्थान की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या वाकई यह कानून सुरक्षा के लिए है या इसके पीछे कोई गहरी राजनीतिक बिसात बिछी है?

मेडारम में बिछड़ने वाले बच्चों की पहचान के लिए 'रिस्ट बैंड'

वनदेवताओं की जातरा में बच्चों और दिव्यांगों को सुरक्षा

डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने सीटीएमएस का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी जनजातीय जातरा के रूप में प्रसिद्ध मेडारम सम्मक्का-सारलम्मा महा जातरा में श्रद्धालुओं के साथ आने वाले छोटे बच्चों और दिव्यांगों के यदि बिछड़ जाने की स्थिति में उनकी पहचान तुरंत कर उन्हें सुरक्षित रूप से माता-पिता तक पहुंचाने में चिल्ड्रन ट्रैकिंग एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीटीएमएस) के रिस्ट बैंड अत्यंत प्रभावी रूप से कार्य करेंगे। यह बात राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने कही। शनिवार को अपने कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में डीजीपी ने वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के सहयोग से तैयार किए गए इस नवीन क्यूआर-कोड आधारित रिस्ट बैंड और संबंधित पोस्टरों का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर डीजीपी ने कहा कि इस माह की 28 से 31 तारीख तक मुलुगु जिले में अत्यंत भव्य रूप से आयोजित होने वाली मेडारम जातरा में तेलंगाना के साथ-साथ महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ से लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। इतनी भारी भीड़ में छोटे बच्चों, बुज़ुर्गों और दिव्यांगों के बिछड़ने की आशंका रहती है। पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए उनकी सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से यह तकनीक अपनाई गई है। उन्होंने बताया कि एसआईबी आईजीपी बी. सुमति ने पिछले डेढ़ महीने से कड़ी मेहनत कर इस प्रणाली को तैयार किया है और इसके निर्माण में वोडाफोन प्रबंधन द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की। महिला सुरक्षा विभाग की डीजीपी चारु सिन्हा की निगरानी में इस व्यवस्था को जातरा में पूरी तरह लागू किया जाएगा। डीजीपी ने यह भी कहा कि भविष्य में महाकुंभ मेला जैसे अन्य बड़े आयोजनों में भी इस प्रणाली का उपयोग किया जा सकता है। सीटीएमएस प्रणाली के तहत जातरा में आने वाले बच्चों और दिव्यांगों का विवरण दर्ज कर उनके हाथ में एक विशेष क्यूआर-कोड रिस्ट बैंड पहनाया जाएगा। इसके लिए राज्यभर में 11 विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर मौजूद टीमें बच्चों का नाम, माता-पिता का विवरण और फोन नंबर दर्ज करेंगी। यदि कोई व्यक्ति बिछड़ा हुआ मिलता है, तो वहां मौजूद स्वयंसेवक या पुलिसकर्मी अपने स्मार्टफोन से रिस्ट बैंड पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करेंगे। तुरंत माता-पिता या अभिभावकों के फोन नंबर और डायल-100 की जानकारी दिखाई देगी। इससे तुरंत परिवार को सूचित कर उस व्यक्ति को सुरक्षित रूप से सौंपा जा सकेगा। इसके बाद परिवार से मिलन की फोटो भी सिस्टम में अपलोड की जाएगी। इस कार्यक्रम के लिए कुल 25,000 रिस्ट बैंड उपलब्ध कराए गए हैं। ये 27 से 31 जनवरी तक 24 घंटे कार्यरत 11 केंद्रों पर उपलब्ध रहेंगे। ये केंद्र हनमकोंडा हयग्रीवाचारी ग्राउंड, हैदराबाद के उप्पल बस स्टेशन, एमजीबीएस, करीमनगर, पडकाल, पेद्दापल्ली, मंथनी, एतूरुनागरम, कातराम बस स्टेशनों तथा वारंगल और काजीपेट रेलवे स्टेशनों में स्थापित किए गए हैं। इन क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। स्थानीय पुलिस, महिला सुरक्षा विभाग और टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों के समन्वय से यह प्रक्रिया संचालित की जाएगी। डीजीपी ने जनता से अपील की कि यदि कोई क्यूआर-कोड रिस्ट बैंड पहने व्यक्ति अकेला दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त डीजीपी महेश एम. भगवत, चारु सिन्हा, डी.एस. चौहान, आईजीपी चंद्रशेखर रेड्डी, बी. सुमति, डॉ. गजरावु भूपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम भट्टी का बचाव उजागर करता है सिंगरेणी कोयला घोटाला : श्रवण

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजु श्रवण कुमार ने शनिवार को सिंगरेणी कोयला खदान टेंडरों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर अपने बहनोई को तेलंगाना के संसाधनों के नुकसान पर लाभ पहुंचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। तेलंगाना भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान श्रवण ने कहा कि उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का के हालिया बयान, जो बीआरएस के आरोपों का जवाब देने के लिए दिए गए थे, वास्तव में कोयला घोटाले की पुष्टि करते हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि अगर टेंडर प्रक्रिया पारदर्शी थी, तो सरकार व्यापक जांच क्यों कराने में हिचकिचा रही है। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि टेंडर केवल तब रद्द किए गए जब पार्टी ने आपत्ति जताई और जनता का दबाव बढ़ा। उन्होंने सरकार से इस फैसले के पीछे की परिस्थितियों को स्पष्ट करने की मांग की। श्रवण ने मुख्यमंत्री पर उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का के खिलाफ नकारात्मक मीडिया रिपोर्ट तैयार करने का भी आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी नेताओं को डराने के लिए पुलिस मशीनरी और एसआईटी नोटिस का इस्तेमाल किया गया।

केसीआर परिवार के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस कांग्रेस में नहीं : केंद्रीय मंत्री बंडी संजय

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने कांग्रेस नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कथित फोन टैपिंग मामले और अन्य भ्रष्टाचार घोटालों में पर्याप्त सबूत होने के बावजूद सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और उनके परिवार के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस नहीं है।

करीमनगर में मीडिया से बात करते हुए बंडी संजय ने रेवंत रेड्डी सरकार को रीढ़विहीन और अक्षम करार दिया। बंडी संजय ने कहा कि पुलिस के पास फोन टैपिंग के ठोस सबूत मौजूद हैं। उन्होंने दावा किया, जब मुझे पूछताछ के लिए बुलाया गया था, तब पुलिस ने स्वयं मुझे सबूत दिखाए थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि न्यायाधीशों के फोन तक टैप किए गए। इसके बावजूद केसीआर परिवार के किसी भी सदस्य की गिरफ्तारी न होने पर उन्होंने सवाल उठाया। विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यह एक कभी न खत्म होने वाला टीवी सीरियल बन गया है। पहाड़ खोदते हैं और चूहा भी नहीं पकड़ पाते, उन्होंने टिप्पणी की। हालांकि उन्होंने एसआईटी अधिकारियों को ईमानदार और सक्षम बताया, लेकिन आरोप लगाया कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के दबाव में उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) को तलब किए जाने पर भी सवाल उठाया। बंडी संजय ने दोहराया कि सिरसिला में एक वॉर रूम स्थापित किया गया था, जहां से केटीआर के निर्देशों पर फोन टैपिंग की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेतृत्व ने राज्य को औपनिवेशिक तरीके से चलाया और फोन सर्विलांस के दुरूपयोग से हजारों करोड़ रुपये के लेन-देन हुए। उन्होंने दावा किया कि रियल एस्टेट डेवलपर्स, कारोबारी और फिल्मी हस्तियों को धमकाकर बीआरएस के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा, मेरा फोन, मौजूदा मुख्यमंत्री का फोन, मंत्रियों के फोन और यहां तक कि न्यायाधीशों के फोन भी टैप किए गए।

उन्होंने सवाल उठाया कि कथित मास्टरमाइंड्स को आरोपी की बजाय गवाह क्यों बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि केसीआर शासन के दौरान हालात ऐसे हो गए थे कि लोग सामान्य कॉल से बचते थे और व्हाट्सऐप कॉल पर निर्भर हो गए थे। बंडी संजय ने चेतावनी दी कि लगातार हस्तक्षेप से एसआईटी अधिकारियों का मनोबल टूट सकता है और वे इस्तीफा तक दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि छह महीने पहले जब उन्हें तलब किया गया था, तब पुलिस ने बताया था कि उनका नंबर माओवादी सूची में डाला गया था। अंत में बडी संजय ने कहा कि कांग्रेस सरकार निष्पक्ष जांच कराने में सक्षम नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि राज्य सरकार औपचारिक रूप से सीबीआई जांच की मांग करती है, तो केंद्र सरकार फोन टैपिंग समेत सभी भ्रष्टाचार मामलों की जांच के लिए तैयार है।

रोजगार मेला युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा रहा है : केंद्रीय मंत्री

11 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गईं

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने शनिवार को कहा कि रोज़गार मेला युवाओं के लिए भरोसे और आत्मविश्वास का मंच बन गया है, क्योंकि केंद्र सरकार पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया को लगातार आगे बढ़ा रही है। हकीमपेट स्थित राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (एनआईएसए) में आयोजित 18वें रोजगार मेला को संबोधित करते हुए बंडी संजय ने कहा कि पहले 17 रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 11 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं, जबकि नवीनतम चरण में देशभर में 61,000 नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवाओं के प्रति प्रतिबद्धता वार्षिक जॉब कैलेंडर और आरोप-मुक्त भर्ती प्रक्रिया में साफ झलकती है। बिना किसी विवाद के इतने बड़े पैमाने पर भर्ती होना प्रणाली की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को दर्शाता है। एनआईएसए में विभिन्न केंद्रीय सरकारी विभागों के लिए 238 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। केंद्रीय मंत्री ने नए नियुक्त कर्मचारियों से राष्ट्र की सेवा पूरी निष्ठा से करने और 'विकसित भारत @2047' के विज़न में योगदान देने का आह्वान किया।

केटीआर और हरीश राव आरोपी नहीं, सिर्फ गवाह : राव

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फोन टैपिंग मामले को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने स्पष्ट किया है कि पूर्व मंत्री केटी रामाराव और टी. हरीश राव को विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने आरोपी के रूप में नहीं, बल्कि केवल गवाह के तौर पर नोटिस जारी किए हैं। शनिवार को हैदराबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मंत्री ने बताया कि दोनों नेताओं को सीआरपीसी की धारा 160 के तहत नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि एसआईटी फोन टैपिंग मामले से जुड़े तथ्यों की पुष्टि के लिए उनसे जानकारी हासिल करना चाहती है और उन्हें किसी भी तरह का अपराधी नहीं माना गया है।

बीआरएस नेताओं द्वारा लगाए जा रहे राजनीतिक प्रतिशोध के आरोपों को खारिज करते हुए जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि यदि सरकार या जांच एजेंसियों की मंशा कुछ और होती, तो कानून की अन्य धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जा सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता कांग्रेस सरकार पर झूठे आरोप लगाकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि यह पूरा विवाद आगामी नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखते हुए खड़ा किया जा रहा है और बीआरएस झूठे आरोपों के जरिए राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है।

मंचेरियल में नौवीं की छात्रा की मौत

आदिवासी कल्याण विभाग ने शुरू की जांच

मंचेरियल, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के राजुगुड़ा गांव में नौवीं कक्षा की छात्रा की मौत के मामले में आदिवासी कल्याण विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को जांच शुरू कर दी है। अधिकारी उत्नूर स्थित आश्रम स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा दीपिका के घर पहुंचे और उसके माता-पिता से बातचीत कर मौत के कारणों के बारे में जानकारी जुटाई। इस दौरान छात्रा की स्वास्थ्य स्थिति और किसी बीमारी से पीड़ित होने को लेकर भी पूछताछ की गई।

दो पहिया वाहन चोर गिरोह गिरफ्तार, 50 लाख की बाइकें बरामद

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत दो पहिया वाहन चोरी की वारदातों में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए मेडचल पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से लगभग 50 लाख मूल्य के वाहन और अन्य सामग्री बरामद की है। मेडचल पुलिस स्टेशन में आयोजित प्रेस वार्ता में एसीपी शंकर रेड्डी ने बताया कि मेडचल क्षेत्र में लगातार बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में आज दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने कुल 18 बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। इनमें से 15 मामले मेडचल थाना क्षेत्र, दो दुंडीगल थाना क्षेत्र और एक मामला पेट-बशीराबाद थाना क्षेत्र में दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 रॉयल एनफील्ड बाइकें, 5 पल्सर बाइकें, एक एफजेड बाइक, एक चांदी का कुंकुम डिब्बा, एक वायर कटर, एक मास्क और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसीपी शंकर रेड्डी ने आम जनता से अपील की कि वे अपने वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर ही पार्क करें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस सफल कार्रवाई के लिए मेडचल एसएचओ सत्यनारायण, डीआई किरण कुमार और एसआई नवीन की सराहना की गई।

रामंतापुर में वसंत पंचमी संपन्न

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर स्थित गंगा भवानी मंदिर प्रांगण में वसंत पंचमी का आयोजन किया गया।

मंत्रोंचार के साथ सरस्वती पूजन हुआ। अवसर पर बच्चों के अक्षराभ्यास कराया गया। तत्पश्चात सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के फोटो को माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। पूजन के बाद अन्नदान कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उप्पल विधान सभा क्षेत्र से विधायक बी.लक्ष्मा रेड्डी, पूर्व विधायक सुभाष रेड्डी अशोक सिंह, बिहार एसोसिएशन के विनोद गुप्ता, अशुतोष त्रिपाठी, प्रभास कुमार, धीरेंद्र झा, राम विनोद झा, विनय यादव, सुशील श्रीवास्तव, गेंद लाल, रघुवीर सिंह, संतोष गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। कमलेश पांडेय, राम प्रकाश गुप्ता, सुरेश सिंह, भगवान सिंह, पंकज झा, अजय शर्मा, सुनील सिंह, मंजूनाथ गुप्ता, शिव कुमार, पवन सिंह, विजय शर्मा उदय चंद्र शर्मा, धनंजय शर्मा, हरिन्द्र चौबे, अजय शर्मा, रवि शंकर सिंह, पप्पू सिंह, धनंजय सिंह रंजन सिंह, बी.के.मिश्रा, दीपक सिंहआदि ने अन्य सदस्यगणों ने सक्रिय सहयोग किया।

आठ माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

पेद्दापल्ली, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को रामागुंडम कमिश्नरेट पुलिस के सामने एक महिला समेत आठ माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। ये सभी माओवादी मिलिशिया, कूरियर नेटवर्क, सांस्कृतिक दल और स्थानीय समितियों से जुड़े हुए थे। पुलिस आयुक्त अंबर किशारे झा ने गोदावरीखानी स्थित आयुक्त कार्यालय में आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को मीडिया के सामने पेश किया। आत्मसमर्पण करने वालों में दारमाजी श्रीकांत, पोडियम कामुलु, मुडियाम जोगा, कुंजम लक्के, मोडम भीमा, कुंजम उंगा, मुदीकम सुक्रम और मुडियाम मंगू शामिल हैं। श्रीकांत को छोड़कर बाकी सभी छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गांपुर गांव के रहने वाले हैं और वे बीजापुर व तेलंगाना के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय थे। श्रीकांत जगतियाल जिले का निवासी है और पहले माओवादी संगठन के लिए संदेशवाहक के रूप में काम कर चुका था।

पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी अलग-अलग भूमिकाओं में सक्रिय थे, जिनमें मिलिशिया कमांडर, रसद व्यवस्था, जासूसी, सांस्कृतिक गतिविधियां और स्थानीय समर्थन शामिल है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और आत्मसमर्पण करने वालों को मिलने वाले सहयोग से प्रभावित होकर इन माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सामान्य जीवन जीने का निर्णय लिया है।

आज के विद्यार्थी ही भारत के भावी जिम्मेदार नागरिक हैं : संजय श्रीवास्तव

रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल, लालागुडा वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल, दक्षिण लालागुडा ने अपना वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस समारोह में वंदना श्रीवास्तव, अध्यक्ष, दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (एसीआरडब्लूडब्लूओ), जोन, सिद्धार्थ काटी, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे, संतोष कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल, आशा वर्मा, अध्यक्ष, एसीआरडब्लूडब्लूओ, हैदराबाद मंडल तथा कट्टा आनंद, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, हैदराबाद मंडल भी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहित शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं भी समारोह में मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत आकर्षक बैंड प्रदर्शन, रंग-बिरंगी रंगोली और सजीव मेहंदी सजावट के साथ हुई। प्राथमिक एवं उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया, जिन्हें दर्शकों से भरपूर सराहना और जोरदार तालियां मिलीं। इस अवसर पर संबोधित करते हुए संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही भारत के भावी जिम्मेदार नागरिक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का पूर्ण उपयोग कर उज्ज्वल भविष्य गढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर संजय कुमार श्रीवास्तव ने ज्ञान, अध्ययन एवं विकास को समर्पित 'प्रांगथा' पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इसके पश्चात श्रीमती वंदना श्रीवास्तव, अध्यक्ष, एसीआरडब्लूडब्लूओ ने समिष्ठि खेल मैदान का उद्घाटन किया, जिससे विद्यालय के 800 से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिलने की अपेक्षा है। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक ने शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए, जिनमें एसएससी टॉपर्स 2025 तथा विभिन्न गतिविधियों के विजेता शामिल थे। विश्वभर में फैले विद्यालय के पूर्व छात्र, दानदाता एवं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्यों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु नकद पुरस्कारों की घोषणा की।

एनटीपीसी ने गांधी हॉस्पिटल के साथ एमओए पर साइन किए

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक हेल्थकेयर सिस्टम को मज़बूत करने और कम्युनिटी की भलाई को सपोर्ट करने की अपनी कमिटमेंट के तहत, एनटीपीसी सदर्न रीजन हेडक्वार्टर ने 22 सोसाइटी फॉर इम्प्रूवमेंट ऑफ टीचिंग हॉस्पिटल, गांधी हॉस्पिटल के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट किया। इस पहल का मकसद तेलंगाना के प्रमुख टर्शियरी केयर संस्थानों में से एक में जरूरी मेडिकल सुविधाओं और डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाना है।

इस कोलैबोरेशन के तहत एनटीपीसी ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट के लिए मेडिकल इक्विपमेंट खरीदने के लिए फाइनेंशियल सपोर्ट देगा, साथ ही हॉस्पिटल की मॉर्चरी यूनिट के लिए शैडो-लेस लैंप से लैस मॉडर्न ऑटोप्सी डिसेक्शन टेबल भी लगाएगा।

एमओए पर एस.एन. पाणिग्रही, चीफ जनरल मैनेजर (एचआर) साउथ की मौजूदगी में साइन किए गए। अखिल पटनायक, एजीएम(एचआर), ने साइन किए, जबकि गांधी हॉस्पिटल की ओर से डॉ. वाणी, सुपरिटेंडेंट, गांधी हॉस्पिटल और एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मेडिकल ऑफिसर ने साइन किए। खास मेडिकल इक्विपमेंट की खरीद में मदद करके, एनटीपीसी क्लिनिकल नतीजों, मेडिकल एजुकेशन और पब्लिक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने में योगदान देना चाहता है, जिससे खासकर समाज के कम आय वाले और कमज़ोर वर्गों को फायदा होगा।

हर चुनाव में जिम्मेदारी से मतदान करें : के. चंद्र रेड्डी

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर के. चंद्र रेड्डी ने कहा कि सभी नागरिकों को प्रत्येक चुनाव में जिम्मेदारीपूर्वक भाग लेते हुए अपने मतदान के अधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है और इसका सही उपयोग किया जाना चाहिए। एकीकृत जिले में 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला अतिरिक्त कलेक्टर के. चंद्र रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और मतदान का अधिकार लोकतंत्र की अत्यंत मूल्यवान धरोहर है। प्रत्येक नागरिक को मतदान के महत्व को समझना चाहिए और इसके मूल्य को अपने परिवारजनों एवं साथी नागरिकों के साथ साझा करना चाहिए। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के क्षणिक प्रलोभनों से प्रभावित हुए बिना निष्पक्ष रूप से मतदान करें, क्योंकि यही प्रक्रिया हमारे भविष्य का निर्धारण करती है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को हर चुनाव में सक्रिय और जिम्मेदार भागीदारी निभाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। इसके पश्चात उन्होंने कहा कि हम, भारत के नागरिक मतदाता शपथ दिलाई, जिसमें लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों में विश्वास तथा धर्म, जाति, भाषा या नस्ल के भेदभाव के बिना शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने बिना किसी दबाव के निडर होकर मतदान करने की शपथ ली। कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी संगीता, जिला ग्रामीण विकास परियोजना निदेशक एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्रीलता, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीआरएस ने उपमुख्यमंत्री के दावों को किया खारिज

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने शनिवार को नैनी कोयला ब्लॉक निविदा विवाद को लेकर उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क के दावों का खंडन करते हुए कहा कि टेंडरों को रद्द करना ही एक बड़े घोटाले की स्वीकारोक्ति है। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री टेंडर रद्द करने के असली कारण बताए बिना अनियमितताओं को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कोई घोटाला या अनियमितता नहीं हुई, तो फिर टेंडर रद्द क्यों किए गए। उन्होंने सौर ऊर्जा से जुड़े कथित घोटालों पर ऊर्जा मंत्री की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए।

हरीश राव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यदि उपमुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उनके बहनोई से जुड़े मामलों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का आश्वासन देते हैं, तो वह खुद विस्तृत जांच की मांग करते हुए पत्र लिखने को तैयार हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि नैनी कोयला ब्लॉक के टेंडर रद्द किया जाना भ्रष्टाचार का प्रमाण है। हरीश राव ने पूछा कि अगर सभी टेंडरों में एक ही प्रक्रिया अपनाई गई थी, तो केवल कुछ ही टेंडरों को क्यों रद्द किया गया।

फोन टैपिंग मामले में एसआईटी पर प्रवीण कुमार का धमकाने का आरोप

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के महासचिव आर.एस. प्रवीण कुमार ने फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) पर धमकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि नोटिस और चेतावनियों से उन्हें चुप नहीं कराया जा सकता और वे राजनीतिक प्रतिशोध व अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

प्रवीण कुमार ने बताया कि वरिष्ठ बीआरएस नेताओं केटी रामाराव और टी. हरीश राव के कथित उत्पीड़न की निंदा करने के कुछ ही घंटों बाद एसआईटी ने आधी रात के आसपास उनके आवास पर नोटिस भेजा। नोटिस में दो दिनों के भीतर सबूतों के साथ जवाब देने को कहा गया है, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी के खिलाफ अपशब्द या अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं किया है। सार्वजनिक मुद्दों पर बोलना उनका संवैधानिक अधिकार है और वे धमकियों से नहीं डरते। उन्होंने सवाल उठाया कि जब फोन टैपिंग कानून के तहत, तय दिशानिर्देशों में अनुमति योग्य है, तो फिर एसआईटी जांच की जरूरत क्यों है।प्रवीण कुमार ने यह भी कहा कि उन्होंने किसी अधिकारी या नेता की छवि खराब नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के दौरान बीआरएस नेताओं को चरित्र हनन का शिकार बनाया जा रहा है, लेकिन शिकायतों के बावजूद पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि फोन टैपिंग मामले में मुख्यमंत्री द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के संबंध में अब तक उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला है। साथ ही उन्होंने जांच प्रक्रिया, बार-बार नोटिस, मीडिया लीक और गिरफ्तारियों पर सवाल खड़े करते हुए इसे राजनीतिक दबाव का तरीका बताया।

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-WAT-DCM-01-2026, दिनांक : 19.01.2026
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल में ABSS स्टेशनों- कोत्तवलसा (KTV), विजयनगरम (VZM), विपुरुपल्लि (CPP), श्रीकाकुलम रोड (CHE), नौपाडा (NWP), कोरापुट (KRPU), दामनजोड़ि (DMNJ), अरकु (ARK) एवं पार्वतीपुरम (PVP) पर आर्ट कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 1,79,92,566/-
EMD (रुपये में) : 2,40,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 18 महीने।
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.02.2026 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 10(दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर
PR-1050/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला टेस्ट टीम घोषित

प्रतीका रावल, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ को पहली बार मौका, कमलिनी बाहर

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इकलौते टेस्ट के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान कर दिया गया है। शनिवार को जारी टीम में वर्ल्ड कप जीतने वाली स्टार बैटर प्रतीका रावल, बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को मौका दिया गया है। इन तीनों को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है।

यह मुकाबला 6 से 9 मार्च तक पर्थ में खेला जाएगा। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। यह टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया दौरे के व्हाइट बॉल मुकाबलों के बाद खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले 3 टी20I और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे, जिनकी शुरुआत 15 फरवरी से होगी।

वनडे प्रदर्शन के दम पर प्रतीका को मौका

प्रतीका रावल का टेस्ट टीम में चयन उनके हालिया वनडे प्रदर्शन को देखते हुए लगभग तय माना जा रहा था। उन्होंने 24 वनडे मैचों में 50.45 की औसत से 1110 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 2 शतक और 7 अर्धशतक दर्ज हैं। प्रतीका के चयन के साथ यह भी साफ हो गया है कि वह टखने की चोट से पूरी तरह उबर चुकी हैं। चोट की वजह से वे पिछले साल महिला वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल और फाइनल नहीं खेल पाई थीं। हालांकि, 25 साल की प्रतीका को ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट बॉल दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है।

वैष्णवी और क्रांति का भी पहला टेस्ट कॉल-अप

20 साल की वैष्णवी शर्मा ने शुरुआती 2025 में भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20आई सीरीज में सीनियर टीम में डेब्यू किया था। वैष्णवी अब तक 5 टी20आई खेल चुकी हैं। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने पिछले साल भारत के लिए डेब्यू किया था। वह अब तक 15 वनडे और 4 टी20आई खेल चुकी हैं। वनडे फॉर्मेट में वे खासा प्रभावी रही हैं और 23 विकेट ले चुकी हैं।

मुंबई की साठघरे को भी मौका

मुंबई की तेज गेंदबाज सयाली साठघरे को भी टीम में जगह मिली है। 25 साल की सयाली ने जनवरी 2025 में आयरलैंड के खिलाफ 3 वनडे खेले थे। उनके चयन के चलते अनुभवी अरुंधति रेड्डी को टीम में मौका नहीं मिला। युवा विकेटकीपर जी कमलिनी चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह उमा चेत्री को भारत की टी20आई और वनडे टीम में शामिल किया है।

भारत की महिला टेस्ट टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा चेत्री (विकेटकीपर), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली साठघरे।

नाबालिग शूटर यौन शोषण केस-कोच अंकुश भारद्वाज की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। एक नाबालिग राष्ट्रीय स्तर की शूटर के कथित यौन शोषण केस में पुलिस से फरार चल रहे शूटिंग कोच अंकुश भारद्वाज की अग्रिम जमानत याचिका फरीदाबाद के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अभिषेक फुतेला की अदालत ने खारिज कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी अब तक गिरफ्तारी से बचता हुआ फरार है और उसकी तलाश में कई टीमें लगाई गई हैं। फरीदाबाद पुलिस ने छह जनवरी को महिला थाने फरीदाबाद में एक एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें 17 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर की महिला शूटर ने अपने कोच पर यौन शोषण का आरोप लगाया। इसके बाद राष्ट्रीय रायफल संघ (एनआरएआई) ने आरोपी कोच को निलंबित कर दिया।

पीवी सिंधु ने रचा इतिहास

'500 क्लब' में शामिल होने वाली पहली इंडियन शटलर

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन का इतिहास रच दिया जब वो वुमेंस सिंगल्स में 500 करियर जीत हासिल करने वाली पहली भारतीय शटलर बनीं. 2 बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने ये अचीवमेंट जकार्ता में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर टूर्नामेंट के दौरान हासिल की. इसमें उन्होंने 16वें राउंड में डेनमार्क की लाइन होजमार्क क्जार्सफेल्ट को हराया.

पीवी सिंधु ने संयम भरा प्रदर्शन किया और सीधे गेम में 21-19, 21-18 से जीत हासिल की. मैच में सिंधु ने अहम रैलीज में अपनी पकड़ दिखाई. इस जीत ने डेनमार्क के खिलाफ उनके 6 मुकाबलों में पांचवीं जीत को मार्क किया, जो उनके डॉमिनेंस को दिखाता है. इस जीत के साथ पीवी सिंधु एक स्पेशल क्लब में शामिल हो गई हैं क्योंकि वो महिलाओं की सिंगल्स में 500 जीत का आंकड़ा हासिल करने वाली सिर्फ छठी खिलाड़ी बनीं. इस खास ग्रुप में रचनाक इंतानोन, ताई त्जु यिंग, अकाने यामागुची, कैरोलिना मारिन और पेट्या नेडेलचेवा जैसी लेजेंड्स शामिल हैं. अब उनका कुल करियर रिकॉर्ड सिंगल्स में 732 मैचों में से 500 जीत के साथ है, जिससे उनका जीत का प्रतिशत तकरीबन 68.3% तक पहुंच गया है।

ईशान किशन पर सूर्यकुमार यादव हो गए थे गुस्सा

> ताबड़तोड़ बैटिंग करनी पड़ी भारी, कप्तान का मैच के बाद खुलासा

सूर्यकुमार यादव का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया। इस मैच में ईशान किशन ने कमाल की बल्लेबाजी की और दो विकेट जल्दी गिरने के बाद भी ताबड़तोड़ अंदाज जारी रखा। दूसरे छोर पर खड़े सूर्यकुमार यादव ने भी उनका बखूबी साथ दिया। लेकिन मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुलासा किया कि पावरप्ले के दौरान ईशान किशन के स्ट्राइक न देने पर उन्हें गुस्सा आया था।

ईशान कर रहे थे ताबड़तोड़ बैटिंग

ईशान किशन ने सिर्फ 21 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। उन्होंने पावरप्ले में 75 का स्कोर बनाने में अहम भूमिका निभाई। यह भारत का न्यूजीलैंड के खिलाफ पावरप्ले में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। इससे पहले 2007 में जोहान्सबर्ग में भारत ने 76 का स्कोर बनाया था। ईशान किशन ने 32 गेंदों में 76 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल थे। लेग स्पिनर ईश सोढ़ी ने 10वें ओवर की पहली गेंद पर ईशान किशन को आउट कर 122 रन की साझेदारी तोड़ी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 37 गेंदों में नाबाद 82 रन बनाए। उनकी पारी में 9 चौके और 4 छक्के शामिल थे। ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी 18 गेंदों में 36 रन की तेज तर्रार पारी खेली, जिसमें 4 चौके शामिल थे। इन बल्लेबाजों की बदौलत भारत ने 209 रनों के बड़े लक्ष्य को 15.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है।

ईशान से क्यों नाराज थे सूर्या?

मैच के बाद पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि ईशान ने दोपहर के खाने में क्या खाया था, लेकिन मैंने कभी किसी को इतनी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नहीं देखा, जब टीम 6 रन पर 2 विकेट खो चुकी थी और पावरप्ले खत्म होने पर स्कोर 60 के पार था। लेकिन हम चाहते हैं कि हमारे बल्लेबाज खुलकर खेलें। मुझे गुस्सा आया था कि वह पावरप्ले में मुझे स्ट्राइक नहीं दे रहा था, लेकिन मैं पिच की परिस्थितियों को समझ पा रहा था।'

टीम के माहौल पर क्या बोले सूर्या?

सूर्यकुमार यादव ने अपनी बल्लेबाजी पर कहा, 'मैं नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था, मुझे अच्छा ब्रेक मिला था और खेल से पहले मैंने अच्छी प्रैक्टिस भी की थी। गेंदबाजों का प्रयास अविश्वसनीय था। जब वे 110 रन पर 2 विकेट पर थे, तो मुझे लगा कि उनका स्कोर 230 के पार जाएगा, लेकिन सभी गेंदबाजों ने मिलकर जिम्मेदारी ली। मैं अभी जो हो रहा है उसका पूरा आनंद ले रहा हूं। टीम का माहौल खुशनुमा है और मैं इसे ऐसे ही बनाए रखना चाहता हूं।'

ईशान किशन को रिकॉर्ड पारी के बाद भी होना पड़ेगा बाहर

> प्लेइंग 11 में ये खिलाड़ी छीनेंगे जगह

रायपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए दूसरे टी20 मैच में ईशान किशन ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों पर 76 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

इस पारी में 11 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इतना ही नहीं उन्होंने इस मैच में सिर्फ 21 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में 22 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। इतनी शानदार पारी खेलने वाले ईशान किशन की अभी भी भारत की प्लेइंग 11 में जगह पूरी तरह पक्की नहीं है और शायद उन्हें इसी सीरीज के चौथे टी20 के बाद बाहर बैठना भी पड़े। ईशान किशन ने भले ही इतनी तगड़ी पारी खेली। लेकिन अगर चौथे टी20 तक टीम में तिलक वर्मा की वापसी हुई तो इतनी शानदार फॉर्म में होने के बावजूद ईशान को प्लेइंग 11 से बाहर बैठना होगा। तिलक भारत के लिए नंबर 3-4 के रेगुलर बल्लेबाज हैं जिन्होंने पिछले कुछ समय में भारतीय टीम को कई मैच जिताए हैं। ऐसे में तिलक की टीम में वापसी होते ही उनका प्लेइंग 11 में भी लौटना तय है और फिर ईशान को एक बार फिर से बेंच पर इंतजार करना पड़ सकता है।

जल्दी होगी वापसी

तिलक वर्मा के टीम से बाहर होने की मुख्य वजह टेस्टिकुलर टॉर्शन है। उनकी इस तकलीफ के कारण सर्जरी की आवश्यकता पड़ी, जिसकी वजह से उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली 5 मैचों की टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों से बाहर होना पड़ा है। वर्तमान में वे बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 'रिहैब' प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए जल्द ही मैदान पर वापसी करने का भरोसा जताया है।

शानदार है रिकॉर्ड

टी20 क्रिकेट में तिलक वर्मा का रिकॉर्ड बेहद शानदार है। तिलक वर्मा ने 40 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 1183 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 6 अर्धशतक भी लगाए हैं।

बांग्लादेश की जगह टी-20 वर्ल्ड कप में हुई स्कॉटलैंड टीम की एंट्री

बोर्ड ने लगाई मुहर

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले बड़ा उलटफेर हो गया है. बांग्लादेश की जगह अब स्कॉटलैंड की एंट्री हो गई है. क्रिकबज के मुताबिक स्कॉटलैंड अब बांग्लादेश की जगह टी-20 वर्ल्ड कप खेलेगी. बांग्लादेश ने भारत में वर्ल्ड कप खेलने से साफ मना कर दिया था, जिसके बाद आईसीसी ने बड़ा फैसला करते हुए स्कॉटलैंड को आगामी इवेंट के लिए शामिल कर लिया. आईसीसी ने कुछ दिन पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को 24 घंटे का समय दिया था और शनिवार (24 जनवरी) को आखिरकार उसने यह फैसला ले लिया.

ग्रुप सी में हुई शामिल

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश को ग्रुप सी में रखा गया था. ऐसे में अब स्कॉटलैंड की एंट्री हुई है. स्कॉटलैंड 7 फरवरी से अपने अभियान की शुरुआत करेगी. स्कॉटलैंड का पहला मुकाबला 7 फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा, जबकि 9 फरवरी को टीम इटली के खिलाफ उतरेगी. इसके अलावा 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ेगी.

अंडर-19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार तीसरी जीत

न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया-आयुष म्हात्रे की फिफ्टी, अंबरीश को 4 विकेट

बुलावायो, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने जिम्बाब्वे के बुलावायो में चल रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने 130 रन का संशोधित लक्ष्य 13.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 27 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आयुष के अलावा, वैभव सूर्यवंशी ने 23 बॉल पर 40 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। दोनों में फिफ्टी पार्टनरशिप हुई।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएस अंबरीश ने 4 विकेट झटके। जबकि हेनिल पटेल को 3 विकेट मिले। न्यूजीलैंड से कैलम सैमसन ने नाबाद 37 और सेल्विन संजय ने 28 रन की पारियां खेलीं। दोनों ने 8वें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की सूची में सरफराज खान को पीछे छोड़ दिया है। वैभव अब छठे नंबर पर हैं। वैभव के नाम 1087 रन हो गए हैं। जबकि सरफराज के नाम 1080 रन हैं।

पाकिस्तान भी टी-20 वर्ल्ड कप से हट सकता है

पीसीबी बोला-बांग्लादेश के साथ गलत हुआ, सरकार ने मना किया तो हम भी नहीं खेलेंगे

स्पोर्ट्स डेस्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान भी टी-20 वर्ल्ड कप से हट सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चीफ मोहसिन नकवी ने कहा, आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ गलत व्यवहार किया।

हम अब सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, अगर उन्होंने मना कर दिया तो हम भी टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने शनिवार शाम बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से हटा दिया। उनकी जगह अब स्कॉटलैंड को मौका मिल गया। टीम ग्रुप-सी में बांग्लादेश की जगह सभी मैच खेलेगी। मोहसिन नकवी ने द डॉन वेबसाइट को बताया बांग्लादेश के साथ गलत व्यवहार हुआ। आईसीसी की मीटिंग में भी मैंने इस मुद्दे को उठाया। आप किसी के साथ दोहरा व्यवहार नहीं अपना सकते। यहां एक देश को उसकी मर्जी का वेन्यू मिल जाता है, लेकिन दूसरे देश को हटाने की धमकी दी जाती है। पाकिस्तान बोर्ड बांग्लादेश के साथ खड़ा है, उन्हें वर्ल्ड कप में एंट्री मिलना ही चाहिए। टीम ने अपने प्रदर्शन के दम पर क्वालिफाई किया, इसलिए उनके साथ नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हमारा कहना साफ है कि जब आप पाकिस्तान और भारत को न्यूट्रल वेन्यू दे सकते हो तो बांग्लादेश को क्यों नहीं।

नकवी ने कहा- हम प्रधानमंत्री के लौटने का इंतजार कर रहे हैं। तभी हम फैसला लेंगे कि वर्ल्ड कप खेलना है या नहीं। आईसीसी के आखिरी फैसले के बाद ही हम अपने प्लान-ए, बी, सी और डी पर काम करेंगे।'

सुरक्षा से खुश नहीं था बांग्लादेश बोर्ड

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की मांग थी कि उनके प्लेयर्स को भारत में खतरा है, इसलिए उनकी टीम के मैच श्रीलंका में कराए जाए। आईसीसी ने सुरक्षा में कोई कमी नहीं बताई और बांग्लादेश को भारत में ही खेलने की हिदायत दी। बांग्लादेश फिर भी खेलने के लिए नहीं माना, इसलिए आईसीसी ने उन्हें यूरोपियन टीम से रिप्लेस कर दिया।

पीसीबी ने बांग्लादेश का समर्थन करते हुए पहले भी कहा था कि बीसीबी के साथ नाइंसाफी हो रही है। उनके मैच शिफ्ट कराए जाने चाहिए। अगर बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से हटाया गया तो पाकिस्तान भी टूर्नामेंट से हट सकता है। ऐसे में मोहसिन नकवी ने पाकिस्तानी सरकार से बात की। अब पीसीबी सरकार के फैसले का इंतजार कर रही है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन भीषण गर्मी के कारण आउटडोर मैच रोके गए

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियन ओपन भीषण गर्मी के कारण प्रभावित है। तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद शनिवार को आउटडोर कोर्ट पर होने वाले मुकाबलों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया और मुख्य शोकोर्ट की छतें बंद कर दी गईं। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अत्यधिक गर्मी से निपटने के लिए एक सख्त नीति लागू है, जिसमें चार प्रमुख कारकों-हवा का तापमान, रेडिएंट हीट, हवा की गति और आर्द्रता-का मूल्यांकन किया जाता है। जब ये सभी कारक मिलकर कंडीशन स्तर 5 तक पहुंच जाते हैं, तब खेल रोक दिया जाता है। इसी स्थिति के चलते शनिवार को कई मैचों को टालना पड़ा। दर्शकों को भी हाइड्रेटेड रहने, टोपी पहनने और स्टेडियम में लगाए गए मिस्टिंग फैन का उपयोग करने की सलाह दी गई।

स्क्वैश : भारत की अनाहत सिंह ने दूसरे दौर में जगह बनाई, पुरुष वर्ग में अभय सिंह की हार

न्यूयॉर्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पीएसए प्लैटिनम इवेंट, स्प्रॉट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में भारत की अनाहत सिंह ने इंग्लैंड की लूसी टुरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बना ली है। उनकी जीत में दमदार बेसलाइन गेम और निर्णायक फोरहैंड शॉट्स का बड़ा योगदान रहा। अनाहत का अगला मुकाबला जापान की छठी सीड सतोमी वतनबे से होगा। अनाहत के इस प्रदर्शन ने उनकी लगातार मेहनत और अनुभव को दर्शाया। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में हुए ब्रिटिश जूनियर ओपन में महिलाओं के अंडर-19 फाइनल में शानदार खेल दिखाया था। फ्रांस की दूसरी सीड लॉरेन बाल्टायान से उन्हें केवल 9-11, 11-7, 3-11, 9-11 से हार मिली थी, जो उनके नौवें बीजेओ फाइनल में था। सेमीफाइनल में उन्होंने मिस्र की मलिका एल कराक्सी को सिर्फ 28 मिनट में हराया था। दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने 2025 में पीएसए टूर में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन टूर के अपने दूसरे सीजन में विश्व रैंकिंग 28 तक पहुंचकर टॉप-20 खिलाड़ियों को चुनौती दी। हाल ही में चेन्नई में इंडियन स्क्वैश अकादमी में एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4 के फाइनल में उन्होंने पूर्व विश्व नंबर 10 जोशना चिनप्पा को पांच सेट के रोमांचक मैच में हराया। इसी तरह, इंदौर में डेली कॉलेज एसआरएफआई इंडियन ओपन में उन्होंने 13वां पीएसए खिताब जीता था।

पुरुष वर्ग में भारत के अभय सिंह को शुरुआती राउंड में हार का सामना करना पड़ा। विश्व नंबर 29 अभय को स्पेन के इकर पजारेस ने 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से हराया। अभय पहले से ही इंडियन स्क्वैश के इतिहास में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने हाल ही में भारत को पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने में मदद की थी, जहां टीम ने मिश्रित टीम वर्ल्ड कप के फाइनल में शानदार खेल दिखाया था।

मेडारम जातरा में 50 करोड़ की लागत से स्नान घाटों में बीओटी व्यवस्था

वन संरक्षण के लिए विशेष कदम, निरंतर विद्युत आपूर्ति

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडारम महा जातरा के शुभारंभ में अब केवल तीन दिन शेष हैं। इस अवसर पर जातरा में शामिल होने वाले लगभग सवा करोड़ श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने व्यापक प्रबंध किए हैं। 28 जनवरी से प्रारंभ होने वाली इस जातरा के दौरान श्रद्धालु जंपन्ना वागु में पवित्र स्नान कर सकें, इसके लिए सिंचाई विभाग ने पिछली जातराओं की तुलना में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की हैं। मुख्य रूप से रेड्डीगुड्डेम से जंपन्ना वागु होते हुए चिलकलगुट्टा तक जलस्तर बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। जंपन्ना वागु में स्थित 29 इन्फिल्ट्रेशन वेल्स की सिल्ट हटाई गई है। स्नान घाटों पर मौजूद बैटरी ऑफ टैप्स (बीओटी) की मरम्मत के साथ-साथ उन्हें निरंतर जल आपूर्ति देने हेतु इन्फिल्ट्रेशन वेल्स में सबमर्सिबल पंप लगाए गए हैं और पाइपलाइन बिछाने का कार्य सिंचाई विभाग द्वारा किया गया है। सिंचाई विभाग के माध्यम से लगभग 50 करोड़ की लागत से श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। जंपन्ना वागु के पूरे क्षेत्र में 348 बैटरी ऑफ टैप्स, 119 कपड़े बदलने के कक्ष तथा जलस्तर को समान बनाए रखने के लिए 9 क्रॉस बंड्स का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त, जंपन्ना घाटों की सीढ़ियों की मरम्मत की गई है और जल की स्वच्छता बनाए रखने के लिए लगातार क्लोरीनेशन किया जा रहा है। ताड़वाई मंडल के घने जंगलों में आयोजित होने वाली इस मेडारम जातरा के दौरान वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य वन विभाग ने विशेष कदम उठाए हैं। विशेष रूप से वन संपदा को नुकसान से बचाने, वन क्षेत्रों में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा घने जंगलों से गुजरने वाले वाहनों की गति को नियंत्रित करने जैसे उपाय किए गए हैं। इसके साथ ही, खाली पड़ी वन भूमि में पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। मेडारम जातरा के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण विद्युत विभाग ने 24 घंटे बिना किसी बाधा के विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। इसके लिए 911 विद्युत खंभे और 196 ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए गए हैं तथा इनके रखरखाव के लिए 350 अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा, 43 पार्किंग स्थलों पर भी विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जातरा क्षेत्र में मौजूद 11 केवी और 33 केवी सब-स्टेशनों को पहले ही तैयार कर लिया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, जंपन्ना वागु के उन स्थलों पर जहां 11 केवी और 33 केवी लाइनें क्रॉस होती हैं, वहां 6 निगरानी टावर स्थापित किए गए हैं। 50 स्थानों पर विशेष आपातकालीन टीमें तैनात की गई हैं। ताड़वाई और पसरा मार्गों पर पेट्रोलिंग टीमों की भी नियुक्ति की गई है।

चार ट्रांसफॉर्मरों पर एक टीम (एक एई और तीन ऑपरेशन स्टाफ) निगरानी रखेगी। 33 केवी लाइनों की निगरानी ताड़वाई, पसरा, गोविंदरावपेट, चेल्पूर, एतूरुनागरम, कमलापुर और मुलुगु सब-स्टेशन क्षेत्रों में की जा रही है। इन्हीं क्षेत्रों में स्थित ईएचटी सब-स्टेशनों पर विद्युत आपूर्ति की निगरानी के लिए 20 इंजीनियरों और ऑपरेशन स्टाफ को विशेष रूप से तैनात किया गया है। आपातकालीन कार्यों के लिए सामग्री के परिवहन हेतु 30 वाहनों को भी आरक्षित किया गया है।

मेडारम महा जातरा में 565 इंदिरा महिला शक्ति स्टॉल

मंत्री सीतक्का की पहल से महिलाओं को लाभ

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं के सशक्तिकरण को तेलंगाना की जनहितकारी सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रत्येक अवसर को महिलाओं की आर्थिक उन्नति का माध्यम बनाने का संकल्प लिया है। मेडारम महा जातरा में आने वाले श्रद्धालुओं की दैनिक आवश्यकताओं और खाद्य सामग्री की बिक्री के लिए इंदिरा महिला शक्ति योजना के अंतर्गत सरकार ने राज्य गरीबी उन्मूलन संस्था के माध्यम से 6 करोड़ की लागत से 565 स्टॉल स्वीकृत किए हैं। कुल 37 स्थानों पर 27 प्रकार के व्यवसाय महिलाओं द्वारा संचालित किए जाएंगे। इनमें मेडारम और उसके आसपास के क्षेत्रों में 464 यूनिट, मेडारम आने-जाने वाले मार्गों पर 63 यूनिट स्थापित की गई हैं, जबकि शेष यूनिट अन्य स्थानों पर लगाई गई हैं। इंदिरा महिला शक्ति योजना के अंतर्गत विभिन्न वित्तीय स्रोतों से स्टॉल स्वीकृत किए गए हैं। तेलंगाना पंचायत राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दनसारी अनसूया (सीतक्का) की पहल से मेडारम जातरा के अवसर पर स्थापित इन स्टॉलों के माध्यम से स्थानीय स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इंदिरा महिला शक्ति के तहत इप्पा फूल के लड्डू, मिलेट लड्डू, रागी लड्डू, मूंगफली लड्डू, इप्पा तेल, कोल्ड प्रेस ऑयल, मिर्च, हल्दी, मसाला यूनिट, रागी जावा/टिफिन, भोजनालय, नाश्ता केंद्र, किराना जनरल स्टोर, कोल्ड ड्रिंक्स, दूध, फास्ट फूड, मोबाइल फिश एवं करी आउटलेट, मुर्गी बिक्री केंद्र और अंडा स्टॉल आदि भी शामिल हैं।

विकसित भारत 2047 के लिए समयबद्ध भर्ती अहम : किशन रेड्डी

सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में रोजगार मेला आयोजित

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के तहत केंद्र सरकार 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी मंत्रालयों में 'समयबद्ध भर्ती अभियान' चला रही है। चंद्रायणगुट्टा स्थित सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में आयोजित 18वें रोज़गार मेला को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि 2022 में शुरू किए गए रोज़गार मेलों ने राज्यों में सरकारी भर्तियों को सुव्यवस्थित और तेज किया है।

उन्होंने कहा कि नव-नियुक्त युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए स्टार्टअप्स और नए निवेश को प्रोत्साहित कर रही है और भारत एक भरोसेमंद वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है। कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 213 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इनमें 179 सीआरपीएफ, 16 आईटीबीपी, 5-5 एसएसबी और बीएसएफ, तथा आईआईटी-हैदराबाद, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईएफएलयू और शिक्षा मंत्रालय के पद शामिल हैं। इनमें 15 महिला अभ्यर्थी भी शामिल थीं। किशन रेड्डी ने कहा, वर्तमान वैश्विक तनावों के बीच भारत को एक विश्वसनीय देश के रूप में देखा जा रहा है और नए निवेश रोज़गार के नए अवसर पैदा करेंगे।

इस अवसर पर सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें दक्षिण क्षेत्र के मेडिकल आईजी गणेश चंद्र पाड़ी, हैदराबाद केंद्र के डीआईजी उदय भास्कर बिल्ला और कमांडेंट मोहन दास कोब्रुगड़े उपस्थित रहे। 18वां रोजगार मेला देशभर के 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। भारत के विभिन्न हिस्सों से चयनित 61,000 नव-नियुक्त अभ्यर्थी गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

टेंडर में राजनीतिक हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं : भट्टी

डिप्टी सीएम ने कथित गलत सूचना को लेकर कार्रवाई की चेतावनी दी

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह से मनगढ़ंत और असत्य हैं। उन्होंने ने कथित गलत सूचना को लेकर कार्रवाई की चेतावनी दी हैं। शनिवार को यहां ज्योतिराव फुले भवन में मीडिया से बात करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने अपने और सिंगरेणी के खिलाफ प्रकाशित हालिया रिपोर्टों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरें बेहद पीड़ादायक हैं क्योंकि इससे सिंगरेणी के लगभग 42 हजार स्थायी कर्मचारियों और 30 हजार आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का मनोबल गिरता है। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सिंगरेणी के किसी भी टेंडर या टेंडर से जुड़ी फाइलें न तो उनके पास आती हैं और न ही राज्य सरकार के पास। उन्होंने कहा कि सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी का एक स्वतंत्र बोर्ड है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जो स्वायत्त रूप से पारदर्शी तरीके से नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार निर्णय लेते हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। नैनी कोयला ब्लॉक अनुबंध का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि झूठा आरोप लगाया कि बोली से पहले साइट निरीक्षण को अनिवार्य करना उनका नया नियम है और यह देश में कहीं और लागू नहीं है। उन्होंने इन दावों को मनगढ़ंत कहानियां बताया, जिनका उद्देश्य यह दिखाना है कि ठेके भट्टी विक्रमार्क के करीबी लोगों के लिए बनाए गए। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि अनिवार्य साइट निरीक्षण न तो केवल सिंगरेणी तक सीमित है और न ही यह उनकी सरकार के कार्यकाल में शुरू किया गया। उन्होंने मीडिया के समक्ष दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह शर्त 2018, 2021 और 2023 के सिंगरेनी टेंडर दस्तावेजों में मौजूद थी, जिन्हें कोल इंडिया की सहायक कंपनी सीएमपीडीआईएल ने तैयार किया था। उन्होंने यह भी बताया कि एनएमडीसी, आईआईटी, आईआईएम, वित्त और रक्षा विभागों, गुजरात के सार्वजनिक उपक्रमों और देश के कई अन्य संस्थानों में भी यह प्रक्रिया अपनाई जाती है। भट्टी विक्रमार्क ने बीआरएस विधायक टी. हरीश राव द्वारा लगाए गए उस आरोप को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि ठेकेदारों को डीजल आपूर्ति सौंपने से एक और घोटाले का रास्ता खुल गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार के दौरान कोई बदलाव नहीं किया गया और यह प्रणाली 2022 में पिछली बीआरएस सरकार के समय जीएसटी परिवर्तनों और डीजल चोरी को रोकने के लिए शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था राज्य और देशभर में कई अनुबंधों में लागू है। उन्होंने सिंगरेणी के ठेके मुख्यमंत्री के बहनोई को दिए जाने के झूठे प्रचार की निंदा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस समय विदेश दौरे पर हैं। उनके लौटने पर मैं स्वयं उनसे जांच के आदेश देने का अनुरोध करूंगा, ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके। सिंगरेणी तेलंगाना के लोगों की संपत्ति है। व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए इसे बदनाम करना राज्य को अपूरणीय क्षति पहुंचाता है।

रथ सप्तमी की तैयारियां, श्रद्धालुओं की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता : अतिरिक्त ईओ

तिरुमला, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) आगामी रथ सप्तमी पर्व के लिए सुव्यवस्थित तैयारियां कर रहा है, जो 25 जनवरी को तिरुमला में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, यह जानकारी टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी (एडिशनल ईओ) च. वेंकैया चौधरी ने दी। अतिरिक्त ईओ ने टीटीडी संयुक्त कार्यकारी अधिकारी (जेडीओ) वीरब्रह्मम, तिरुपति पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुब्बारायुडु तथा सीवी एंड एसओ मुरली कृष्ण के साथ मिलकर श्रीवारी मंदिर की माड़ा सड़कों पर रथ सप्तमी के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

टी-हब में प्रशासनिक कार्यालय स्थानांतरित करने की योजना रद्द

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव से बात कर अपने निर्देश स्पष्ट किए

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने शनिवार को हैदराबाद के रायदुर्ग स्थित टी-हब में कुछ सरकारी कार्यालयों को स्थानांतरित करने की अपनी प्रस्तावित योजना को वापस ले लिया। सरकार ने स्पष्ट किया कि टी-हब नवाचार के लिए समर्पित स्थान बना रहेगा और उसे राज्य के प्रशासनिक ढांचे में शामिल नहीं किया जाएगा। इस निर्णय को लेकर विभिन्न समूहों से भारी विरोध मिलने के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव को इस प्रस्ताव को रद्द करने के निर्देश दिए। वर्तमान में अमेरिका दौरे पर मौजूद मुख्यमंत्री ने फोन के माध्यम से मुख्य सचिव से बात कर अपने निर्देश स्पष्ट किए। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्टार्ट-अप और नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित टी-हब में किसी भी प्रकार के सरकारी कार्यालय नहीं होने चाहिए और इससे संबंधित सभी योजनाएं तत्काल वापस ली जाएं। रेवंत रेड्डी ने एक बयान में कहा, टी-हब की हर इंच जगह का उपयोग केवल स्टार्ट-अप्स, तकनीकी उद्यमों और प्रारंभिक चरण की कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा, ताकि 'तेलंगाना राइजिंग' के लक्ष्य के अनुरूप यूनिकॉर्न कंपनियां तैयार की जा सकें।

डिप्टी मेयर ने नागरिक समस्याओं की जानकारी ली

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद की उप महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने शनिवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय पुलिस स्टेशन (ओयू पीएस) की सीमाओं के अंतर्गत विभिन्न नागरिक समस्याओं का निरीक्षण किया। इनमें स्वच्छता की कमी, काम न कर रही स्ट्रीटलाइट्स, जर्जर सड़कें और अन्य रखरखाव से जुड़ी समस्याएं शामिल थीं। इस निरीक्षण के दौरान टीटीयूसी राज्य अध्यक्ष मोते शोभन रेड्डी भी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर ओयू डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) जगन तथा उस्मानिया विश्वविद्यालय पुलिस स्टेशन के सर्कल इंस्पेक्टर अप्पलानायुडू ने उप महापौर को पुलिस स्टेशन आने वाले आम नागरिकों को हो रही कठिनाइयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं, रात के समय सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा करने वाली खराब स्ट्रीटलाइट्स तथा पुलिस स्टेशन परिसर और उसके आसपास की जर्जर सड़कों के कारण जनता को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए जीएचएमसी के माध्यम से तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया। इन चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उप महापौर ने जीएचएमसी अधिकारियों और उस्मानिया विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ ओयू पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आवश्यक स्वच्छता कार्यों, स्ट्रीटलाइट मरम्मत, सड़क विकास और अन्य नागरिक सुधारों को लेकर चर्चा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनता को बेहतर सुविधाएं और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए स्थायी समाधान शीघ्र ही लागू किए जाएंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.